जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

चूरू

Rashtradoot

फोनः- 256906, 256907, फैक्सः- 01562-256908 वर्षः 14 संख्याः 270 प्रभात चूरू, रविवार 29 जनवरी, 2023 पो. रजि. न. चूरू/084/2019-21 पृष्ठ 6 मूल्य 2.50 रु.

नॉरफोक के 5 मील लम्बे समुद्र तट पर इस बार रिकॉर्ड संख्या में सील पप्स (सील के बच्चे) ने जन्म लिया है। अभी तक 3,790 सील पप्स की गिनती की जा चुकी है और वॉलैन्टियर्स को 1169 वयस्क भी नज़र आए हैं। इस बार पप्स की संख्या लगभग दोगुनी है। गत बार 2019-20 में गणना हुई थी तब 2,069 पप्स थे। फ्रैन्ड्स ऑफ हॉर्सी सील संस्था के प्रमुख पीटर एन्सल ने कहा कि "यह हैल्दी कॉलोनी का संकेत है। इस समय नॉर्थ सी में हजारों सील्स के भोजन के लिए पर्याप्त मात्रा में मछलियाँ हैं। इसलिए यह उनके प्रजनन के लिए अच्छी जगह है।" हर साल नवम्बर और जनवरी के बीच में ग्रे सील्स बड़ी संख्या में प्रजनन के लिए नॉरफोक तट पर आती हैं। सील के बच्चे तीन सप्ताह तक मां का दूध पीते हैं और तेजी से बढ़ते हैं। उसके बाद वयस्क मादा ग्रे सील लौट जाती हैं और बच्चे तट पर ही बने रहते हैं। जब बच्चों का सफेद फर हट जाता है और उसकी जगह सलेटी (ग्रे) फर आ जाता है तो वे भी समुद्र में चले जाते हैं। इस प्रक्रिया में तीन सप्ताह लगते हैं। ग्रे सील की आधी से ज्यादा आबादी ब्रिटिश तट रेखा पर मिलती है और नॉरफोक इनका महत्वपूर्ण प्रजनन केन्द्र है। वैक्सहैम से विंटरटन के बीच में हर साल बड़ी संख्या में सील आती हैं, जिन्हें देखने बड़ी संख्या में पर्यटक आते हैं। एन्सल ने कहा कि, पर्यटकों में ये सील काफी लोकप्रिय हैं। फ्रैंड्स ऑफ हॉर्सी सील वर्ष 2012 से नॉरफोक की सील कॉलोनी की देखभाल कर रहा है। ये सील इंसानी हस्तक्षेप के प्रति बहुत संवेदनशील होती हैं।

राहुल गांधी ने भारत जोड़ो यात्रा पुनः शुरू की

पूर्व मुख्यमंत्री महबूबा मुफ्ती और प्रियंका गांधी भी यात्रा में शामिल हुए

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 28 जनवरी। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने आज जम्मू-कश्मीर के पुलवामा जिले में भारत जोड़ो यात्रा पुनः शुरु कर दी। ज्ञातव्य है कि कल अनंतनाग जिले में, पार्टी द्वारा सुरक्षा-खामी के आरोप लगाये जाने के बाद, पद यात्रा रद्द कर दी गई थी। उल्लेखनीय है कि आज पूर्व मुख्यमंत्री तथा पी.डी.पी. प्रमुख महबूबा मुफ्ती अपनी पुत्री इल्तिजा मुफ्ती तथा पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ यात्रा में शामिल हुई थीं।

इससे पूर्व राहुल गांधी ने सी.आर.पी.एफ. के न 40 जवानों को पुष्पांजलि अर्पित की, जो 2019 में जम्मू-कश्मीर के पुलवामा जिले में हुये बस बम ब्लास्ट में शहीद हो गये थे।

गांधी, जो अपनी भारत जोड़ो यात्रा के अंतिम चरण में हैं, ने उस स्थान पर फूलों का एक गुलदस्ता रखा, जहाँ चार साल पहले जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग पर जैशे-मुहम्मद के आत्मघाती बॉम्बर ने सी.आर.एफ. की बस को उड़ा दिया था।

- यात्रा का शनिवार की रात को श्रीनगर के नजदीक पंथा चौक पहुंचने का कार्यक्रम है।
- रात्रि विश्राम के बाद पंथा चौक से आरंभ होकर श्रीनगर के नजदीक बूलेवार्ड रोड के नेहर में रूकेगी।
- सोमवार को राहुल गांधी श्रीनगर में एम.ए. रोड पर स्थित पार्टी के मुख्यालय में झण्डा रोहण करेंगे, इसके बाद शहर के एस.के. स्टेडियम में एक पब्लिक रैली को संबोधित करेंगे। इस कार्यक्रम में 23 विपक्षी पार्टियों को आमंत्रित किया गया है।
- शनिवार को यात्रा के लिये सख्त सुरक्षा मुहैया करायी गयी थी तथा सुरक्षाकर्मियों ने, यात्रा जहां से शुरू हुई, उस तरफ जाने वाले सभी रोड सील कर दिये थे। केवल ऑथराइज्ड वाहन व पत्रकारों को ही वहां जाने की अनुमति दी गयी थी।
- यात्रा को दक्षिण कश्मीर के चुरसू क्षेत्र में भारी उत्साहवर्द्धक स्वागत मिला।

पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष ने अपनी पद यात्रा की शुरुआत प्रातः 9:20 बजे शुरु की। वे, इन दिनों उनकी पहचान बन चुकी सफेद टी-शर्ट पहने हुये थे लेकिन आज उन्होंने टी-शर्ट के ऊपर बिना आस्तीन की जैकेट पहन रखी थी। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा भी अवन्तीपुरा में यात्रा में शामिल हो गई थीं। कांग्रेस ने शुक्रवार को आरोप लगाया था कि इस केन्द्र शासित प्रदेश के प्रशासन द्वारा किया गया पुलिस-बंदोबस्त "पूरी तरह ध्वस्त हो गया है।"

इस आरोप पर, जम्मू-कश्मीर प्रशासन ने कहा था कि हो सकता है कि अनुमान से कहीं बहुत ज्यादा भीड़ के कारण सुरक्षा-संसाधनों पर पड़े दबाव के फलस्वरुप ऐसा लगा हो कि यात्रा के दौरान सुरक्षा-व्यवस्था में कोई कमी है।

ज्ञातव्य है कि यात्रा के लिये बहुत सख्त सुरक्षा-व्यवस्था की गई तथा यात्रा की शुरुआत होने वाले स्थान तक

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

थरूर एक बार फिर विवाद में फंसे?

-सुकुमार साह-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 28 जनवरी। कांग्रेस के सीनियर नेता शशि थरूर एक बार फिर से तूफान का केन्द्र बन गए हैं। उन्होंने वर्ष 2002 के गुजरात दंगों पर बनी बी.बी.सी. की डॉक्यूमैन्टरी के भारतीय राजनीति पर असर को कमतर आंक कर विवाद छेड़ दिया है। उन्होंने इस डॉक्यूमैन्टरी को "नॉन इश्यु" करार दिया।

इस दृष्टिकोण को उनकी ही पार्टी के रूख के विपरीत माना जा रहा है। थरूर ने उक्त विवादास्पद दंगों पर किसी बहस को निरर्थक बताया है।

डॉक्यूमैन्टरी को प्रतिबंधित किए जाने को लेकर कांग्रेस पार्टी मोदी सरकार की आलोचना कर रही है। यद्यपि थरूर ने कहा था कि वर्ष 2002 के गुजरात दंगों के घाव नहीं भरे जा सकेंगे, फिर भी इस मुद्दे पर बहस करने से धर्मनिरपेक्ष कैम्प के लोगों को कुछ भी हासिल नहीं होगा।

थरूर एक ट्विटर यूजर को जवाब दे रहे थे जिन्होंने दावा किया था कि थरूर ने भारतीयों से कहा कि वह दंगों पर ध्यान देना बंद करे। ट्वीट में कहा गया कि "शशि थरूर ने वर्ष 1919 के जलियांवाला बाग नरसंहार को लेकर ब्रिटिश सरकार से माफी मांगने को कहा था। कल उन्होंने भारतीयों से कहा कि वे वर्ष 2002 के गुजरात दंगों पर ध्यान ना देकर आगे की सोचें।"

थरूर ने इसका जवाब यह कहकर दिया "मैंने ऐसा नहीं किया। मैं यह बार-बार स्पष्ट कर चुका हूँ कि मेरा मानना है कि गुजरात के घाव पूर्ण रूप से नहीं भरे हैं, लेकिन सुप्रीम कोर्ट इस मामले में अपना अंतिम निर्णय दे चुका है, इसलिए इस मुद्दे पर बहस करने से कुछ भी हासिल नहीं होगा, खासतौर पर तब जबकि कई अत्यावश्यक सामाजिक मुद्दों को हल करने की जरूरत है।"

उन्होंने आगे कहा कि "मैं मानता हूँ कि अन्य लोग मेरे विचार से शायद सहमत नहीं होंगे, लेकिन साम्प्रदायिक मुद्दे उठाने का मेरा चार दशक का रिकॉर्ड रहा है और गुजरात दंगा पीड़ितों के पक्ष में मैं दो दशकों तक खड़ा रहा। इसलिए मेरे विचार से असहमत होना काफी हद तक कुटिलता है। "धर्मनिरपेक्ष कैम्प" के लोगों को दुर्भावना रखने से कुछ प्राप्त नहीं होगा।

- उन्होंने बी.बी.सी. की प्र.मंत्री के बारे में निर्मित डॉक्यूमैन्टरी को "नॉन इश्यु" (महत्वहीन) बताया
- थरूर ने कहा, अब हमें गुजरात दंगों से आगे बढ़ना चाहिये।
- डॉक्यूमैन्टरी पर प्रतिबंध लगाने से कोई लाभ नहीं हुआ, केवल डॉक्यूमैन्टरी का महत्व बढ़ गया।
- थरूर का यह सोच कांग्रेस की इस मुद्दे पर घोषित नीति के खिलाफ है। कांग्रेस ने कई जगह डॉक्यूमैन्टरी को "स्क्रीन" करने का प्रयास किया है, इस विषय के तहत।

इस बीच, कई गैर-भाजपा विद्यार्थी संगठनों ने पूरे भारत में फैले अपने विश्वविद्यालय परिसरों में इस फिल्म को देखा है, जबकि प्रशासन इसे निषिद्ध घोषित कर चुका है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर बनी बी.बी.सी. डॉक्यूमैन्टरी सीरीज की स्क्रीनिंग के लिये एन.एस.यू.आई.-के.एस.यू.आई. के आव्हान के फलस्वरूप दिल्ली पुलिस ने शुक्रवार को दिल्ली विश्वविद्यालय की फैकल्टी ऑफ आर्ट्स के बाहर से करीब 20 लोग हिरासत में ले लिये। फैकल्टी ऑफ आर्ट्स के बाहर कोड ऑफ क्रिमिनल प्रॉसिजर (सी.आर.पी.सी.) की धारा 144 लागू कर दी गई है।

इससे पूर्व, पत्रकारों से बातचीत करते हुये, थरूर ने कहा कि भारत की सम्प्रभुता सिर्फ इसलिये ही कमजोर नहीं हो जाती कि बी.बी.सी. ने 2002 के गुजरात के दंगों के ऊपर कोई विवादास्पद डॉक्यूमैन्टरी बना दी है। थरूर ने कहा, "मामला (गुजरात के दंगे) खत्म हो चुका है। क्या हम आज अन्य महत्वपूर्ण चीजों की ओर नहीं बढ़ सकते?" थरूर ने डॉक्यूमैन्टरी विवाद की तुलना "बारबारा स्ट्रीजैंड" प्रभाव (किसी चीज को सेंसर करना, छिपाना या उससे ध्यान दिलाने की कोशिश हुआ करते हैं) से की। उन्होंने कहा, "साफ बात यह है कि, हमारी सम्प्रभुता इतनी कमजोर नहीं है कि बी.बी.सी. की कोई डॉक्यूमैन्टरी उसे नष्ट कर सके और फिर इस डॉक्यूमैन्टरी में ऐसा है क्या?" उन्होंने कह कि ब्रिटेन द्वारा गुजरात के दंगों की जांच-पड़ताल किया जाना इस समय कोई समाचार नहीं है क्योंकि ये 2002 में हुये थे और उसके बाद देश आगे बढ़ गया है।

थरूर ने कहा, "हम जानते थे कि हर दूतावास यह जानने की कोशिश कर रहा था कि हुआ क्या है। खासतौर से वे दूतावास इस दिशा में ज्यादा सक्रिय थे, जिनके नागरिक इन घटनाओं की जद में थे। सच्चाई यह है कि हम भी ऐसा ही करते। अगल कल, भारतीय लोग इंग्लैण्ड में दंगों में मार जाते हैं तो हमारा दूतावास भी ऐसा ही करेगा, जैसा कि, मेरा मानना है, भारतीय दूतावास ने लीस्टर हिंसा के बाद, ऐसा ही किया था। यह कोई विशेष बात नहीं है, सामान्य बात है।" थरूर ने आगे कहा, "यह मुद्दा बहुत तेजी से एक बड़े विवाद का रूप इसलिये ले गया, क्योंकि केन्द्र सरकार

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

कैप्टन अमरिन्दर महाराष्ट्र के राज्यपाल बनेंगे?

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 28 जनवरी। पंजाब के मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिन्दर सिंह (80), जो पटियाला राज-परिवार के वंशज हैं, जल्दी ही महाराष्ट्र के राज्यपाल की नई भूमिका में नजर आ सकते हैं। अभी चन्द रोज़ पहले ही महाराष्ट्र के मौजूदा राज्यपाल बी.एस. कोशियारी ने राज भवन छोड़ने की इच्छा व्यक्त की थी। ज्ञातव्य है कि कोशियारी उत्तराखंड के मुख्यमंत्री रह चुके हैं।

- दिसम्बर में कांग्रेस छोड़कर भाजपा में आए अमरिन्दर सिंह को पार्टी कोई महत्वपूर्ण पद देना चाहती है, इसलिए उन्हें महाराष्ट्र का राज्यपाल बनाया जा सकता है, हालांकि अमरिन्दर पंजाब में ही रहना चाहते हैं।

भारतीय जनता पार्टी ने अभी दिसम्बर में ही अमरिन्दर को अपनी राष्ट्रीय कार्यकारिणी में लिया था। इससे पूर्व उन्होंने कांग्रेस छोड़ देने के बाद बनाई गई अपनी पार्टी को भंग कर दिया

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

न्यायाधीश मुरलीधर की नियुक्ति फिर लटकी!

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 28 जनवरी। केन्द्र सरकार ने एक जज के मामले में कोलीजियम को थका दिया है। केन्द्र सरकार ने उस जज के नाम पर असहमति जतायी थी जिन्होंने वर्ष 2020 के दिल्ली दंगों में एक अरूचिपूर्ण निर्णय किया था।

कोलीजियम ने उड़ीसा हाई कोर्ट के जज जसवंत सिंह को त्रिपुरा का चीफ जस्टिस बनाने की सिफारिश की है। कोलीजियम ने इससे पहले उन्हें उड़ीसा हाई कोर्ट का चीफ जस्टिस बनाने की सिफारिश की थी, जिसे उसने ही बाद में रद्द कर दिया था।

केन्द्र सरकार द्वारा उड़ीसा के चीफ जस्टिस के पद को ब्लॉक कर दिए जाने के बाद कोलीजियम की उक्त सिफारिश सामने आई है। केन्द्र ने उड़ीसा हाई कोर्ट के वर्तमान चीफ जस्टिस एस. मुरलीधर का और बड़े हाई कोर्ट मद्रास हाई कोर्ट के चीफ जस्टिस के रूप में तबादला रोक दिया है।

मुरलीधर तीन वर्ष पूर्व दिल्ली हाई कोर्ट के जज थे। तब उन्होंने भाजपा नेताओं की हेट स्पीच पर पुलिस को एफ.आई.आर. दर्ज करने के लिए प्रेरित किया। उसके एक दिन बाद जस्टिस मुरलीधर का तबादला पंजाब एवं हरियाणा हाई कोर्ट कर दिया गया था। अन्ततः उन्हें उड़ीसा हाई कोर्ट के चीफ जस्टिस के रूप में पदोन्नत किया गया।

कोलीजियम द्वारा जस्टिस सिंह के नाम की सिफारिश किए जाने से जजों सहित जस्टिस मुरलीधर और जस्टिस सिंह की पदोन्नति और तबादले की सिफारिश की थी। लेकिन केन्द्र सरकार जस्टिस मुरलीधर के तबादले की फाइल दबाकर बैठ गई, जिसका मतलब था कि तीन सिफारिशों पर मंजूरी देने के दौरान

- न्यायाधीश मुरलीधर को मद्रास हाई कोर्ट का मुख्य न्यायाधीश बनाने के आदेश जारी हो गए थे।
- और, उनके वर्तमान उड़ीसा हाई कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश पद पर न्यायाधीश जसवंत सिंह को लाने का निर्णय ले लिया गया था।
- पर, फिर अचानक न्यायाधीश जसवंत सिंह की नियुक्ति के आदेश बदल दिये गये और न्यायाधीश मुरलीधर का मद्रास जाना स्थगित हो गया।
- न्यायाधीश मुरलीधर ने दिल्ली के दंगों के दौरान भाजपा नेताओं के खिलाफ, "हेट स्पीच" के मामले में एफ.आई.आर. दर्ज कराने के लिये दबाव बनाया था।

जस्टिस मुरलीधर का भाग्य अधरझूल में लटक गया है और इससे पता चलता है कि सुप्रीम कोर्ट ने न्यायिक नियुक्तियों के मामले में केन्द्र के साथ वर्चस्व की लड़ाई में अपने कदम पीछे खींच लिए हैं। कोलीजियम ने गत 28 सितम्बर को हाई कोर्टों के तीन अन्य जस्टिस सिंह की पदोन्नति को भी रोकना होगा। कोलीजियम के प्रस्ताव में 25 जनवरी को कहा गया था कि "सुप्रीम कोर्ट कोलीजियम की 25 जनवरी को मीटिंग हुई। उसमें 28 सितम्बर 2022 में की गई सिफारिशों पर पुनर्विचार कर उन्हें रद्द किया गया।

'फोटो वायरल करने की धमकी से डर कर फांसी लगाई'

हनुमानगढ़, 28 जनवरी (कासं)। जिले के भादरा में 12वीं कक्षा की छात्रा ने दो लड़कों द्वारा बार-बार परेशान किए जाने और उसकी आपत्तिजनक फोटो सोशल मीडिया पर डालने की धमकी से प्रताडित होकर फांसी लगा आत्महत्या कर ली। छात्रा के भाई ने बताया कि आरोपी लड़कों ने उससे कहा था कि "तुम्हारी बहन हमसे बात करती है और उसकी फेसबुक आईडी है। हमारे पास तुम्हारी बहन की कई आपत्तिजनक तस्वीरें हैं। अगर उसने हमारी बात नहीं मानी तो उसे बदनाम कर देंगे।" 26

- 12वीं कक्षा की छात्रा के फांसी लगाकर आत्महत्या करने के मामले में उसके भाई ने बताया कि, आरोपी लड़के छात्रा की आपत्तिजनक तस्वीरें सोशल मीडिया पर डाल उसे बदनाम करने की धमकी दे रहे थे।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

इकोनॉमिक नीतियों के बाद यू.एन.ओ. पाकिस्तान को मानवाधिकार मामलों में भी आड़े हाथ लेगा

जिनेवा स्थित यू.एन. वॉच नाम की मानवाधिकारों के क्षेत्र में काम कर रही स्वतंत्र संस्था अपनी रिपोर्ट पेश करेगी

-सुकुमार साह-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 28 जनवरी। पाकिस्तान का आर्थिक कुप्रबंधन जैसे पर्याप्त नहीं था। अब मानवाधिकार रिकॉर्ड में झूठे तथ्य जोड़ने में उसके खिलाफ एक और अभियोग लग सकता है।

पाकिस्तान के मानवाधिकार रिकॉर्ड को लेकर सोमवार 30 जनवरी को संयुक्त राष्ट्र संघ की एक अनिवार्य रिव्यू मीटिंग होने वाली है, लेकिन एक मानवाधिकार ग्रुप ने उससे पहले ही रहस्योद्घाटन कर दिया है कि पाकिस्तान ने 47 देशों को मिलाकर बनी जिस ह्यूमन राइट्स काउन्सिल में अपना जो निवेदन प्रस्तुत किया है, उसमें कई झूठे दावे किए गए हैं।

जिनेवा स्थित "यू.एन. वॉच" जो कि एक स्वतंत्र गैर सरकारी मानवाधिकार संगठन है, के कार्यकारी निदेशक हिलल नॉय ने कहा कि "पाकिस्तान ने संयुक्त राष्ट्र के सम्मुख अपने मानवाधिकार रिकॉर्ड का जो निवेदन प्रस्तुत किया है, वह झूठ से भरा पड़ा है। नॉय ने कहा कि संयुक्त राष्ट्र संघ को पाकिस्तान के सैन्य प्रभुत्व शासन से यह अनुरोध जरूर करना चाहिए कि वह उत्पीड़न, लोगों को जबरन गायब करवाना, बाल भ्रम और महिलाओं के विरूद्ध हिंसा बंद करे तथा स्वतंत्र मीडिया का गला घोटना, फेसबुक व ट्विटर को सैन्सर करना, हिन्दुओं, ईसाईयों, सिखों, शियाओ और अहमदियों का उत्पीड़न करना बंद करे तथा आतंकवादी समूहों की मेजबानी व चीन में हो रहे वीगर मुस्लिमों के उत्पीड़न का समर्थन करने से बाज आए।"

- नागरिकों का लापता होना, बाल श्रम, महिलाओं के विरूद्ध किये गये टॉर्चर, मीडिया पर लगायी गयी सख्त पाबंदियों तथा हिन्दुओं, सिख, शिया, अहमदी समुदायों की स्थिति तथा आतंकवादियों को संरक्षण देने के मामले उठाये जायेंगे।
- पाकिस्तान द्वारा प्रस्तुत वक्तव्य व वास्तविकता में मौजूद भारी फर्क को भी सुनियोजित तरीके से उजागर करने का इरादा जताया है यू.एन. वॉच ने।

अल्पसंख्यकों की सुरक्षा: पाकिस्तान का दावा है कि "अल्पसंख्यकों के हितों की रक्षा और उनकी जन भागीदारी बढ़ाने के लिए सरकार ने कई विधायी, नीतिगत और प्रशासनिक उपाय किए हैं।"

वास्तविकता: असलियत यह है कि पाकिस्तान में अल्पसंख्यकों को अच्छी नजर से नहीं देखा जाता और उनकी संख्या देश की कुल आबादी का 4 प्रतिशत ही है। पाकिस्तान का संविधान अल्पसंख्यकों से भेदभाव करता है और उन्हें राजनीति में आने से रोकता है। मीडिया सूत्रों के अनुसार पाकिस्तान में अल्पसंख्यकों पर हिंसा और हमले बढ़ रहे हैं। जनवरी 2022 में चरमपंथियों ने पेशावर के पादरी विलियम सिराज की हत्या कर दी थी। मई 2022 में देश में हुई अलग-अलग वारदातों में दो सिख व्यापारियों और अहमदी सम्प्रदाय के एक व्यक्ति की हत्या हो गई थी। इस व्यक्ति के परिजनों में एक प्रमुख मौलवी और उसके मदरसे पर आरोप लगाया था कि उन्होंने अहमदी सम्प्रदाय के खिलाफ हत्या और हिंसा भड़काई है। जून 2022 में कराची के एक हिंदू मंदिर का अपवित्र किया गया था। अक्टूबर में ड्श वैली ने पाकिस्तान में अल्पसंख्यकों के विरूद्ध घृणास्पद अपराधों में बढ़ोत्तरी की खबर दी थी। लोगों को जबरन गायब करवानाः पाकिस्तान का दावा है कि कथित गायब व्यक्तियों के केसों केा कमीशन ऑफ इन्क्वायरी द्वारा त्वरित गति और कुशलता से निबटाया जा रहा है।

हकीकत यह है कि इस्लामाबाद हाई कोर्ट ने ही जून 2022 में इस दावे का खंडन किया। उसने अपने निर्णय में जबरन गायब हुए लोगों के लिए गठित कमीशन ऑफ इन्क्वायरी की जमकर आलोचना की। चीफ जस्टिस अथर मिनल्लाह ने टिप्पणी की थी कि कमीशन अपना दायित्व निभाने में नाकाम रहा है और उसे यह सफाई देनी होगी कि उसका अस्तित्व अब भी क्यों बना हुआ है। कोर्ट ने लोगों के गायब होने में यह कहते हुए सरकार की मिलीभगत की आलोचना की थी कि "आप यह साबित कर रहे हैं कि लोगों को जबरन गायब करवाना जनरल मुशर्रफ के समय से सरकार की नीति रही है।"

ईशनिंदा कानूनः पाकिस्तान का दावा है कि उसकी सरकार ईशनिंदा कानूनों का दुरुपयोग रोकने के लिए प्रतिबद्ध है।" वास्तविकता यह है कि पाकिस्तान के एन.जी.ओ. "सैन्टर फॉर सोशल जस्टिस" ने बताया था कि वर्ष 2021 में पाकिस्तान में कम से कम 84 लोगों पर ईशनिंदा के आरोप लगाए गए

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

उच्चैन क्षेत्र में गिरा जलता हुआ सुखोई विमान

रुदावल, 28 जनवरी (निसं)। भरतपुर जिले के उच्चैन उपखण्ड के गांव चक नगला बीजा में शनिवार सुबह करीब 10 बजे सेना का लडाकू विमान सुखोई 30 गिर गया, विमान में आसमान में ही आग लग गई थी पांच सौ मीटर दूरी तक विमान के टुकड़े बिखर गए और विमान गिरने की जगह से महज सौ मीटर दूर पर ही गांव की आबादी है। गनीमत रही कि विमान खुले स्थान पर गिरा जिससे कोई जनहानि नही हुई। ग्रामीणों ने बताया कि जिस समय विमान गांव के ऊपर होकर निकला

- भरतपुर के उच्चैन क्षेत्र में एक गांव चक नगला बीजा के समीप यह हादसा हुआ। प्रत्यक्षदर्शी ग्रामीणों ने बताया कि विमान जब गांव के ऊपर से गुजरा तब उसमें आग लगी हुई थी।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

विचार बिन्दु

जो वस्तु आनंद प्रदान नहीं कर सकती, वह सुन्दर हो ही नहीं सकती। –प्रेमचंद

उत्तम स्वास्थ्य के लिए प्रतिदिन कितने कदम चलें?

अब इस बात के खरे सोने की तरह ठोस प्रमाण हैं कि नियमित शारीरिक गतिविधि (व्यायाम) रुग्णता और सकल-कारण मृत्यु दर में कमी लाती है और अनेक बीमारियों से बचाव करती है। प्रमाणों का अनुमान इस बात से लगाया जा सकता है कि 27 जनवरी 2023 तक 1.4 मिलियन शोध पत्रों के अलावा 11,726 क्लिनिकल ट्रायल्स और ट्रायल्स के 948 मेटा-एनालिसिस प्रकाशित हो चुके हैं। ये सभी प्रकाशन अच्छे स्वास्थ्य के लिए शारीरिक गतिविधि की निर्विवाद आवश्यकता सिद्ध करते हैं। आज की चर्चा में हम उपयोगी शोध को एकत्र कर सुबह की सैर, जो व्यायाम का सबसे लोकप्रिय और आसान स्वरूप है,पर चर्चा करेंगे। स्वास्थ्य संबंधी लाभ के लिए विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) का सुझाव है कि वयस्कों को कम से कम 150 से 300 मिनट की मध्यम-तीव्रता वाली एरोबिक शारीरिक गतिविधि करनी चाहिए,या कम से कम 75 से 150 मिनट की अधिक-तीव्रता वाली एरोबिक शारीरिक गतिविधिकरना चाहिए। पूरे सप्ताह मध्यम और अधिक-तीव्रता वाली गतिविधि का समतुल्य संयोजन भी किया जा सकता है। सुबह फुरसत के पलों में नियमित शारीरिक व्यायाम प्रतिदिन लगभग 45 मिनट हो सकता है।

नियमित व्यायाम मेटाबॉलिक सिंड्रोम, उच्च रक्तचाप, हृदय रोग, टाइप 2 मधुमेह, मनोभ्रंश, अल्जाइमर रोग, संज्ञानात्मक गिरावट, तनाव, माइग्रेन, ऑटो इम्यून बीमारियों सहित कम से कम 26 प्रकार के कैंसर्स से बचा सकता है। व्यायाम कोशिकीय स्तर पर बुढ़ापा कम करता है। व्यायाम शरीर में हड्डियों के स्वास्थ्य को बेहतर करने के साथ ही उम्र-आधारित रोगजनन को भी रोकता है। गैर-संचारी रोगों से बचाव के अलावा, रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाकर कोविड-19 जैसे संचारी रोगों से लड़ने में भी व्यायाम मददगार है। उच्च शारीरिक गतिविधि, लेकिन अत्यधिक नहीं, बढ़ती उम्र में भी स्वस्थ रहने की संभावना को 39 प्रतिशत तक बढ़ा देता है।

आप सोच रहे होंगे कि जब शारीरिक गतिविधि इतनी महत्वपूर्ण है तब दुनिया इसके लिए एकदम तत्पर होगी। असल में ऐसा नहीं है। लोगों के आलसी होने के अपने कारण हैं। अपर्याप्त शारीरिक गतिविधि के विश्वव्यापी रुझानों पर लैंसेटग्लोबल हेल्थ में प्रकाशित एक अध्ययन के अनुसार अपर्याप्त शारीरिक गतिविधि का वैश्विक प्रसार 27.5 प्रतिशत था। यह आलस्य 1.4 बिलियन से अधिक वयस्कों को निष्क्रियता से जुड़ी बीमारियों के विकसित होने के जोखिम में डालता है।

दुनिया की तरह भारत में भी लोग आलस्य के लिए प्रसिद्ध हैं। लगभग 34 प्रतिशत वयस्क भारतीय अपर्याप्त व्यायाम करते हैं। आधे भारतीय बच्चे और किशोर प्रति दिन 60 मिनट की शारीरिक गतिविधि के आवश्यक स्तर को पूरा नहीं करते। ऐसी शारीरिक निष्क्रियता के कारण एक ही व्यक्ति में दो या तीन से अधिक रोगों को पनपते देखा गया है। इसे मल्टीमॉर्बिडिटी कहा जाता है। अध्ययन यह भी बताते हैं कि उत्तरी भारत के 49.6 प्रतिशत वयस्क व्यायाम नहीं करते।

दुनिया की बात करें तो 10-24 वर्ष की आयु के युवा दुनिया की आबादी का 24 प्रतिशत हैं, और उनमें से 80 प्रतिशत से अधिक ऐसे हैं जो अपर्याप्त व्यायाम करते हैं। विशेष बात यह भी है कि 60 वर्ष से अधिक आयु के लगभग 30 प्रतिशत लोग साल में प्राय: उठते-बैठते गिरने के शिकार हो जाते हैं। ऐसे लोगों में व्यायाम शारीरिक व मानसिक लचीलापन, दृढ़ता और फिटनेस को बढ़ा सकता है।

शारीरिक निष्क्रियता की भारी कीमत चुकानी पड़ती है। निष्क्रियता के कारण दुनिया भर में स्वास्थ्य प्रणालियों की लागत 53.8 बिलियन डॉलर है। यह दुनिया भर में 13.4 मिलियन विकलांगता-समायोजित जीवन-वर्षों के लिए भी उत्तरदायी है। भारत में दिल के रोग, श्वसन रोग और मधुमेह से सालाना 4 मिलियन से अधिक लोगों की समय-पूर्व मृत्यु होती है जो 30-70 की आयु के बीच होते हैं।

आयुर्वेद में 5000 साल पहले प्राचीन भारत के महर्षि-वैज्ञानिक आचार्य सुश्रुत द्वारा सुझाई गई सबसे आसान और सबसे लोकप्रिय शारीरिक गतिविधियों में से एक है: पैदल चलना। महर्षि-वैज्ञानिक आचार्य चरक का कहना है कि शारीरिक और मानसिक लचीलापन और स्थैर्य प्रदान करने वाले सभी कारकों में व्यायाम सर्वश्रेष्ठ है। चरक और सुश्रुत ने हिप्पोक्रेट्स (460-370 ईसा पूर्व) और गैलेन (129-210 ईस्वी) से कम से कम 1000 साल पहले स्वास्थ्य के लिए व्यायाम निर्धारित किया था। चिकित्सा के रूप में व्यायाम की दुनिया की सबसे पुरानी परिभाषा और सलाह आयुर्वेद की चरकसंहिता में वर्णित है।

प्रति दिन चलने के कदमों की संख्या शारीरिक गतिविधि का एक सरल उपाय है। साइकिल चलाना, तैरना और कई अन्य रूपों में व्यायाम हेतु विशेष व्यवस्था की आवश्यकता होती है। लेकिन वॉकिंग तो कहीं भी की जा सकती है। हरे-भरे पार्क और सुरक्षित शहरी वन प्रतिदिन चलने के लिए बढ़िया स्थान हैं। वनानुभव, हरित व्यायाम, बागवानी, और प्रकृति को देखने का स्वास्थ्य पर स्वतंत्र रूप से भी सकारात्मक प्रभाव पड़ता है।

नेचर मेडिसिन में प्रकाशित शोध से यह भी ज्ञात हुआ है कि यदि आप हर दिन लगभग दो-दो मिनट के लिए 3 से 5 बार तेज शारीरिक गतिविधि कर लेते हैं, तो यह भी सभी कारणों और कैंसर मृत्यु दर में लगभग 40 प्रतिशत की कमी और कार्डियो-वैस्कुलर मृत्यु दर जोखिम में लगभग 50 प्रतिशत की कमी ला सकता है। शर्त यह है कि यह नियमित होना चाहिए।

प्रश्न यह है कि प्रतिदिन कितने कदम चलने की आवश्यकता है? सामान्य रूप से प्रचारित एक लक्ष्य प्रतिदिन 10,000 कदम चलने का है। कदमों की यह संख्या जापान में एक मार्केटिंग अभियान से लोकप्रिय हुई थी। विश्व स्वास्थ्य संगठन की वर्ष 2020 में जारी फिजिकल एक्टिविटी गाइडलाइंस ने विशेष रूप से शारीरिक गतिविधि की मात्रा (प्रति दिन कदम) और तीव्रता (प्रति मिनट कदम) और स्वास्थ्य परिणामों के बीच संबंध पर शोध की आवश्यकता पर बल दिया था। यहाँ इस विषय पर हाल ही में उपलब्ध हुए प्रमाण की चर्चा करेंगे।

सबसे महत्वपूर्ण मार्गदर्शन उत्कृष्ट मेटा-एनालिसिस के माध्यम से उपलब्ध हुआ है। पहला अध्ययन दैनिक कदमों और सर्व-कारण मृत्यु दर से संबंधित है। यह 47,471 वयस्कों के साथ 15 अंतरराष्ट्रीय समूहों के मेटा-मेटा-एनालिसिस पर आधारित है। यह 60 वर्ष और उससे अधिक आयु के वयस्कों में प्रति दिन 6,000-8,000 कदम चलने पर मृत्यु दर का जोखिम उत्तरोत्तर कम होता जाता है। 60 वर्ष से कम उम्र के वयस्कों के लिए प्रतिदिन 8,000-10,000 कदम उपयुक्त हैं। दूसरे अध्ययन में कैंसर और हृदय रोग की घटनाओं और मृत्यु दर के साथ-साथ सकल-कारण मृत्यु दर का दैनिक कदमों की संख्या से संबंध देखा गया। कदमों की तीव्रता या तेज-चाल का अतिरिक्त लाभ भी है या नहीं, यह भी देखा गया। इस अध्ययन ने औसत 61 वर्ष की आयु के 78,500 व्यक्तियों से संबंधित आंकड़ों का उपयोग किया। निष्कर्ष यह पाया गया कि प्रतिदिन लगभग 10,000 कदम तक चलना मृत्यु दर के जोखिम, कैंसर और दिल के रोग की घटनाओं में कमी लाते हैं। इन निष्कर्षों से संकेत मिलता है कि प्रतिदिन लगभग 10,000 कदम तक चलना कैंसर और दिल की बीमारी से होने वाली मृत्यु दर में कमीके साथ-साथ कैंसर और दिल के रोग होने की घटनाओं के जोखिम को भी कम करने के लिए उपयोगी है। उच्च कदम तीव्रता या तेज चलना अतिरिक्त लाभ प्रदान कर सकता है, लेकिन ध्यान रखें कि व्यायाम की अति नहीं करना चाहिए।

मान लीजिये आपके पास प्रतिदिन 8,000 से 10,000 कदम चलने का समय नहीं है तब क्या किया जाए? मुख्य बात व्यायाम है और अगर आप 10,000 कदम नहीं चल सकते, तो जितना हो सके उतना चलें, पर चलें। नेचर मेडिसिन में प्रकाशित शोध से यह भी ज्ञात हुआ है कि यदि आप हर दिन लगभग दो-दो मिनट के लिए3 से 5 बार तेज शारीरिक गतिविधि कर लेते है, तो यह भी सभी कारणों और कैंसर मृत्यु दर में लगभग 40 प्रतिशत की कमी और कार्डियो-वैस्कुलर मृत्यु दर जोखिम में लगभग 50 प्रतिशत की कमी ला सकता है। शर्त यह है कि यह नियमित होना चाहिए। इसके पूर्व यूरोपियन हार्ट जर्नल में प्रकाशित शोध में ऐसे ही निष्कर्ष पाए गए थे। इन परिणामों से संकेत मिलता है कि थोड़ी मात्रा में भी तेज शारीरिक गतिविधि मृत्यु दर जोखिम को काफी हद तक कम कर सकती है। सामान्य सिद्धांत यह है कि अगर हम व्यायाम करते समय गाना गा सकते हैं, तो यह हल्की तीव्रता है। अगर हम बोल सकते हैं लेकिन गा नहीं सकते, तो यह मध्यम तीव्रता है। अगर हम मुश्किल से कुछ शब्द बोल सकते हैं, तो हम जोरदार-तीव्रता वाला व्यायाम कर रहे हैं। यहाँ प्रश्न यह उठता है कि अगर एक व्यक्ति अपने दैनिक जीवन में पर्याप्त तेज-तीव्रता वाला थोड़ा सा व्यायाम करके यह सब लाभ पा सकता है तो क्या फुरसत के समय नियमित व्यायाम करना अनावश्यक है? नहीं,यह अध्ययन इस विचार का समर्थन नहीं करता है कि एक नियमित और व्यापक व्यायाम से कन्नी काटकर ऐसा किया जाये। असल में प्रत्येक व्यक्ति के लिए सबसे अच्छी व्यायाम दिनचर्या वह है जिसे वे अपने साप्ताहिक या दैनिक दिनचर्या में समाहित कर सदैव करते हैं।

संक्षेप में, इन प्रमाणों ने 5,000 साल पहले आयुर्वेद में निकाले गए निष्कर्षों को बल प्रदान किया है। आचार्य सुश्रुत ने इस बारे में रोचक निर्देश दिया है। मध्यम मात्रा में चलना जीवन-काल, शक्ति, बुद्धि, व पाचन शक्ति को बढ़ाता है। यह हमारी सभी इंद्रियों को सक्रिय करता है। किन्तु बहुत अधिक चलना या अति-व्यायाम स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है।

यह भी याद रखें कि व्यायाम करने के बावजूद बहुत अधिक बैठे रहने की आदत स्वतंत्र रूप से हानिकारक स्वास्थ्य परिणामों के लिए उत्तरदाई है। इसलिए लगातार 40 से 50 मिनट से अधिक काम करते हुए बैठे न रहें। लंबे समय तक बैठे रहने के बजाय बीच बीच में थोड़ा चलने-फिरने से उपापचयी स्वास्थ्य में सार्थक सुधार होता है। एक ब्रेक लें, कुछ तेज कदम चलें, स्ट्रेच करें, कुछ गहरी सांसें लें, अपनी खिड़की से वृक्षों और हरियाली को निहारें, और तरोताजा होकर काम पर वापस लग जाएं। अगर आपके कार्यस्थल में बगीचा है तो वहां भी पांच मिनट घूमकर आ सकते हैं।

ध्यान दीजिये, हमने यहां दौड़ के बारे में चर्चा नहीं की है। लेकिन इस बात के पुख्ता प्रमाण हैं कि नियमित दौड़ना भी बीमारियों और समय से पहले मृत्यु दर की रोकथाम के लिए महत्वपूर्ण स्वास्थ्य लाभ प्रदान करता है। चाहे कितना भी कम दौड़ें, दौड़ने से स्वास्थ्य और दीर्घायु में काफी सुधार होने की संभावना रहती है। सप्ताह में भले केवल एक बार ही क्यों न दौड़ा जाए, बिलकुल नहीं दौड़ने से कम दौड़ना भी बेहतर है। लेकिन बहुत उच्च-मात्रा में दौड़ने से कोई अतिरिक्त लाभ नहीं होता। एक बात यह भी है कि दौड़ना सभी के लिए संभव नहीं है क्योंकि विभिन्न क्लिनिकल स्थितियां और वृद्धावस्था नियमित दौड़ने के अभ्यास को बाधित कर सकती हैं।

कुल मिलाकर, दुनिया में ऐसी कोई औषधि नहीं है जो व्यायाम जैसे शारीरिक और मानसिक प्रभाव दे सके! शारीरिक गतिविधि स्वस्थ दीर्घायु में योगदान करती है, और प्रसन्नता, स्वास्थ्य और कल्याण को बढ़ावा देती है। उचित मात्रा में शारीरिक गतिविधि के अनेक लाभ हैं किन्तु जैसा कि पूर्व में कहा गया है, अति-व्यायाम स्वास्थ्य के लिए एक जोखिम है। आयुर्वेद और आधुनिक विज्ञान दोनों ही शारीरिक गतिविधि की अति के विरुद्ध चेतावनी देते हैं। व्यायाम अच्छे स्वास्थ्य के लिए आवश्यक है लेकिन बलार्ध (अर्थात् अपनी शक्ति का आधा) से अधिक नहीं किया जाना चाहिए। पसीना आना, श्वास का बढ़ना, शरीर में हल्कापन और हृदय-क्षेत्र में थोड़ी जकड़न महसूस होना आदि बढ़िया शारीरिक गतिविधि के संकेत हैं। व्यायाम की सीमा प्रत्येक व्यक्ति की अपनी शारीरिक क्षमता से नियंत्रित होती है। बहुत थकने से पहले हमें व्यायाम बंद कर देना चाहिए और अनावश्यक अति-उत्साह व अति-परिश्रम से बचना चाहिए। चलते रहिए, स्वस्थ रहिए, प्रसन्न रहिए।

–अतिथि सम्पादक,
डॉ. दीप नारायण पाण्डेय
(इंडियन फॉरेस्ट सर्विस में वरिष्ठ अधिकारी)
(यह लेखक के निजी विचार हैं और 'सार्वभौमिक कल्याण के सिद्धांत' से प्रेरित हैं।)

रोड सेफ्टी एक्शन प्लान से जिम्मेदारों की तय होगी जिम्मेदारी

डॉ.राजेन्द्र प्रसाद शर्मा

देश में बढ़ती सड़क दुर्घटनाओं को लेकर लगता है अब सरकार गंभीर हो गई है। इसके लिए केन्द्र सरकार ने इसी 13 जनवरी को नए रोड सेफ्टी एक्शन प्लान को लागू कर दिया है। इसके तहत देश के मौजूदा हाईवे, मरम्मताधीन हाईवे और नए बनने वाले हाईवे को एक्सिडेंट फ्री बनाने के लिए जिम्मेदारों को जिम्मेदार बनाया गया है। इसका मतलब यह है कि इससे जुड़े सभी अधिकारी, कंपनियों और ठेकेदारों की भी जिम्मेदारी तय की गई है कि वे रोड बनाते समय आवश्यक मानकों का ध्यान रखने के साथ ही इस तरह से निर्माण तकनीक अपनाएं ताकि डिजाइन से लेकर निर्माण तक रोड एक्सिडेंट फ्री हो सके। दरअसल देश में सड़क हादसे साल दर साल बढ़ते ही जा रहे है। खास बात यह कि अब दुर्घटनाओं में घायल होने वालों की संख्या की तुलना में मरने वालों की संख्या बढ़ती जा रही है। यानि की मरने वालों का आंकड़ा साल दर साल बढ़ता जा रहा है। हांलाकि दुर्घटना रहित यात्रा हो यही सुकुन भरा हो सकता है। अब तो समाचार पत्र सड़क हादसों की खबरों से भरे रहते हैं। आज कल की दुर्घटनाओं में परिवार के परिवार या एक से अधिक लोग घायल या मौत के मुंह में समा रहे हैं।

सड़क दुर्घटनाओं के कई कारणों में से लापरवाही तो प्रमुख कारण है ही इसके साथ ही हाई वे निर्माण में रही खामियां भी बड़ा कारण बनती जा रही है। निर्माण के समय इस तरह के कट या अन्य पेच छोड दिए जाते हैं जो दुर्घटना का कारण बनते हैं। दरअसर जिस तरह से तेज गति के वाहनों की रेलमपेल हुई है ठीक उसी तरह से देश में सड़कों का जाल भी फैला है। इसमें कोई दो राय नहीं कि हाईवेज ने यातायात को सुगम व समय व पैसे की बचत की है पर तेज गति के वाहन थोड़ी सी लापरवाही के कारण स्वयं व दूसरे की असामयिक मौत के कारण बन जाते हैं। हांलाकि दुर्घटनाग्रस्त लोगों तक तत्काल तात्कालीक उपचार पहुंचाने की व्यवस्था की गई है। टोल नाकों पर एम्बूलेंस तैनात की गई है तो हाईवे पर ट्रोमा सेंटर निर्धारित किए गए हैं। पर

■ दुर्घटनाओं में मरने वालों का आंकड़ा साल दर साल बढ़ता जा रहा है

यह सब नाकाफी इस मायने में सिद्ध हो रहे हैं कि एनसीआरबी द्वारा 2021 की जारी हालिया रिपोर्ट में दुर्घटनाओं के बढ़ने और दुर्घटना में अधिक मौत होना सामने आया है।

नेशनल क्राइम रिपोर्ट ब्यूरों द्वारा जारी हालिया रिपोर्ट में 2021 के सड़क हादसों को शामिल किया गया है। रिपोर्ट के अनुसार साल 2021में देश में 4 लाख 3116 सड़क दुर्घटनाएं हुई हैं। इन सड़क दुर्घटनाओं में 3 लाख 71 हजार से अधिक घायल हुए हैं तो एक लाख 55 हजार 662 लोगों ने अपनी जान गंवाई हैं। यह इससे पहले की साल में सड़क दुर्घटना में हुई मौतों से अधिक है। यदि इसे आंकड़ों की ही भाषा में समझे तो देश में 2021 में हर घंटे 18 लोग सड़क दुर्घटना के कारण मौत के शिकार हो रहे हैं तो यदि प्रतिदिन का देखा जाएं तो 426 लोग प्रतिदिन सड़क हादसों में मौत के शिकार हो रहे हैं। यह गंभीर चिंतनीय है। हांलाकि केन्द्र व राज्य की सरकारें इसे लेकर गंभीर है और अपने अपने स्तर से प्रयास किये जा रहे हैं। चिंता की बात यह है कि अभी तक परिणाम अधिक सकारात्मक नही आए हैं। यही कारण हैं कि नए रोड सेफ्टी एक्शन प्लान को कहीं दूर रोशनी की तरह देखा जा रहा है।

हांलाकि नए रोड सेफ्टी प्लान में हाईवे की सड़कों की खामियों को ही लिया गया है और इसके लिए जिम्मेदारों की जिम्मेदारी सुनिश्चित की जा रही है। जूनियर इंजीनियर्स को आरओ यानी कि क्षेत्रीय अधिकारी बनाया जा रहा है और समग्र रुप से 250 किमी तक की जिम्मेदारी प्रत्येक आरओ को दी जा रही है। इन्हें 24 घंटें की भीतर दुर्घटना की जानकारी सबमिट करनी होगी। वहीं खास बात यह कि निर्माण के समय विशेष सतर्कता बरतनी होगी जिससे आवागमन दुर्घटना रहित हो सके। खास बात यह कि आरओ इस 250 किमी के दायरें में सेफ्टी मेजर्स सुनिश्चित करेंगे। उनकी जिम्मेदारी होगी उनके क्षेत्र में दुर्घटनाओं को रोका जाए और सेफ्टी जोन के रुप राह विकसित हो। पहले अस्थाई सुरक्षा मानक उपाय लागू करेंगे और फिर उन्हें मूर्त रुप देंगे।

देखा जाए तो ज्यों-ज्यों आवागमन के साधन बढ़े हैं और यातायात सुगम हुआ है त्यों-त्यों दुर्घटनाएं अधिक बढ़ती जा रही है। एक तो अब वाहन तकनीक में तेजी से बदलाव आया है। लाख सेफ्टी का दावा करने के बाद भी अधिक सेफ्टी वाले वाहन में दुर्घटनाओं के समय अपने दावों पर खरे नहीं उतरे हैं तो वाहन स्टार्ट करते ही फर्राटा भरने वाले वाहन आने से लोग ग्लेमर समझों या और कुछ अधिक लापरवाही करने लगे हैं। अधिक गति के कारण वाहन पर नियंत्रण हट जाता है और दुर्घटना हो जाती है। देखा गया है कि ज्यादातर दुर्घटनाएं सायं 6 बजे से रात 9 बजे के बीच या फिर सुबह चार पांच बजे के आसपास ही होती है। एक तो धुंधलका और दूसरी झपकी इसका एक कारण तो है ही। इसके अलावा ओवर स्पीड तो आम होती ही जा रही है। सड़क के निर्माण के समय रह जाने वाले एक्सिडेंट जोन भी इसका बड़ा कारण बन जाते हैं। मोड़, सड़क पर गड्ढों की भरमार या बनाते समय लापरवाही के कारण उबड़-खाबड या फिर कुछ स्थानों पर डामर के उंचे-नीचे स्थान छोड़ देने से अचानक उस जगह पर आने से बैलेंस बिगड़ जाता है और दुर्घटना हो जाती है। इसके अलावा यातायात नियमों के पालना के प्रति गंभीर नहीं होना भी प्रमुख कारण है। खैर यह सब तो है पर आशा निश्चित रुप से नए रोड सेफ्टी एक्शन प्लान से जहां एक और जिम्मेदारों की जिम्मेदारी तय होगी वहीं दुर्घटनाओं में भी कमी आयेगी। ऐसा माना जा सकता है।

–डॉ.राजेन्द्र प्रसाद शर्मा,
(वरिष्ठ लेखक)

मोरेल बांध पर पक्षी गणना में 7495 प्रवासी पक्षी मिले

लालसोट, (निसं)। उपखंड क्षेत्र के मोरेल बांध पर सामाजिक वानिकी विभाग दौसा के द्वारा वाटर बर्ड्स सेंसस तहत पक्षियों की गणना की गई।

इस गणना में विभिन्न दुर्लभ एवं संकटग्रस्त श्रेणी आदि के करीब 7495 प्रवासी पक्षी पाए गए। बड़े लंबे अरसे से लगातार सतनाम पक्षी मोरेल बांध पर सुरक्षित उपलब्ध है ।

स्थानीय प्रमुख पक्षी विशेषज्ञ डॉक्टर सुभाष पहाड़िया, उपवन संरक्षक केतन कुमार रेंजर, जगदीश नारायण तथा फॉरेस्टर रामकिशन मीणा व अन्य वन विभाग के कर्मचारी जलीय पक्षियों की गणना के दौरान मौजूद रहे। मोरेल बांध पर मिले 7495 जलीय पक्षियों में अधिक पक्षी ग्रेट कोरमोरेंट जिनकी संख्या 1623, कॉमन कूट 670, ग्रेटव्हाइट पेलिकन 430, नॉर्दन पिन टेल 375, ब्लैकटेल्ड गोडविट 490, नॉर्दन शोवलर 120 तथा लिटिल रिंग प्लोवर 175 पाए गए।

पक्षी विशेषज्ञ डॉ. सुभाष पहाड़िया ने बताया कि मोरेल बांध पर लगभग 12 प्रकार की संकटग्रस्त प्रजातियों के पक्षी भी यहां प्रवास पर आए हैं, जिनमें इंडियन स्कीमर, वुली नेक्ड स्टार्क, पेंटेड स्टार्क, ब्लैकटेल्ड गोडविट, रीवर टर्न , ब्लैक हेडेड आइबिस, यूरेशियन कर्लू , डेल्मेसियन पेलिकन, कॉमन पोचार्ड पक्षी प्रजातियां प्रमुख है।

उपवन संरक्षक वी केतन कुमार ने बताया कि मोरेल बांध की जैव विविधता और प्रवासी पक्षियों की संख्या को देखते हुए इनके संरक्षण और पर्यटन स्थल बनाने के लिए उपखंड अधिकारी और तहसीलदार के द्वारा बांध का सर्वे करवाकर प्रस्ताव मांगा गया है। डीएफओ केतन कुमार ने बताया कि यह बांध उन वेटलैंड में शामिल है जहां सबसे अधिक प्रजातियों के प्रवासी पक्षी प्रवास पर आते है।

मोरेल बांध पर जलीय पक्षियों की गणना के दौरान बांध के अंदर जल क्रीड़ा करते प्रवासी पक्षी।

फूलों की होली के साथ भागवत कथा का समापन

सुंदर समाज निर्माण के लिए गीता उपदेश के अनुरूप आचरण जरूरीः मृदुल कृष्ण शास्त्री

मेहंदीपुर बालाजी, (निसं)। आस्थाधाम मेहंदीपुर बालाजी में शनिवार को उत्सव सा माहौल रहा। आयोजन मेहंदीपुर बालाजी मंदिर के सामने सीताराम मंदिर में महंत नरेश पुरी महाराज के सानिध्य में सम्पन्न हुआ । श्री राधाकृष्ण विग्रह की प्राण प्रतिष्ठा के इस कार्यक्रम में लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला, केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल, करौली धौलपुर सांसद मनोज राजोरिया सहित कई अन्य राजनीतिक और प्रशासनिक हस्तियां इस महाआयोजन के साक्षी बने।

सुबह करीब सवा 9 बजे महंत नरेश पुरी महाराज ने पूजा अर्चना की। इसके बाद श्री राधाकृष्ण भगवान के युगल विग्रह की प्राण प्रतिष्ठा हुई। कस्बे में सीताराम मंदिर में महंत नरेश पुरी महाराज के सानिध्य में पिछले सात दिनों से भगवताचार्य मृदुल कृष्ण शास्त्री के मुखारबिंद से हो रही है । अष्टोत्तर श्रीमद भागवत कथा का समापन शनिवार को हुआ।भागवत कथा में चार वेद, पुराण, गीता एवं श्रीमद् भागवत महापुराण की व्याख्या, प्रभुपाद आदि का संगीतमय वर्णन किया । इस दौरान भजन गायन ने उपस्थित लोगों को ताल एवं धुन पर नृत्य करने के लिए विवश कर दिया।कथावाचक मृदुल कृष्ण शास्त्री ने सातवें दिन कथा में बताया कि सुंदर समाज निर्माण के लिए गीता उपदेश के अनुरूप आचरण करना चाहिए।

भागवत कथा के समापन अवसर पर महंत नरेश पुरी महाराज के सानिध्य में पूजा अर्चना हुई।

■ लोकसभा अध्यक्ष ओम बिड़ला, केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल, करौली-धौलपुर सांसद राजोरिया सहित कई लोग मौजूद रहे

भागवत कथा में आने वाले श्रोताओं के लिए मंदिर ट्रस्ट द्वारा सातों ही दिन भंडारे का आयोजन किया गया। जिसमे लाखों श्रद्धालुओं ने महाप्रसादी ग्रहण की। भागवत कथा के सातवें दिन जयपुर शहर सांसद रामचरण बोहरा, पंडित सुरेश मिश्रा, देवली उनियारा विधायक हरीश मीना, सालासर धाम मंदिर अध्यक्ष यशोदा नंदन पुजारी आदि ने कथा श्रवण का लाभ उठाया।

राशिफल रविवार 29 जनवरी, 2023

पंडित अनिल शर्मा

माघ मास, शुक्ल पक्ष, अष्टमी तिथि, रविवार, विक्रम संवत 2079, भरणी नक्षत्र रात्रि 8:21 तक, शुभ योग दिन 111:04 तक, बव करण प्रात: 9:06 तक, चन्द्रमा रात्रि 2:46 से वृष राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-मकर, चन्द्रमा-मेष, मंगल-वृष, बुध-धनु, गुरू-मीन, शुक्र-कुम्भ, शनि-कुम्भ, राहु-मेष, केतु-तुला राशि में।

रवियोग रात्रि 8:21 से आरम्भ होगा। महापात योग दिन 12:12 से सांय 5:32 तक है। आज दुर्गाष्टमी है।

सर्वश्रेष्ठ चौघड़िया: चर 8:38 से 9:59 तक, लाभ-अमृत 9:59 से 12:40 तक, शुभ 2:00 से 3:21 तक।

राहूकाल: 4:30 से 6:00 तक। सूर्योदय 7:18, सूर्यास्त 6:02

मेष
व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। चलते कार्यों में प्रगति होगी। महत्वपूर्ण कार्यों में उचित सफलता मिलेगी। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। धार्मिक कार्यों में भाग ले सकते हैं।

सिंह
नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। आवश्यक कार्य सुगमता से बनने लगेंगे। महत्वपूर्ण कार्यों में सफलता से मनोबल ऊंचा रहेगा। परिवार में अतिथियों का आगमन बना रहेगा।

धनु
घर-परिवार में धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेगी। अतिथियों के आगमन से उत्सव जैसा माहौल रहेगा। शुभ कार्य के लिए यात्रा संभव है।

वृष
मित्रों/रिश्तेदारों से संबंध खराब हो सकते हैं और समय अनर्गल कार्यों में खराब हो सकता है। घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि होगी। मन में असंतोष बना रहेगा।

कन्या
अपनी कार्य योजना को सीमित रखें। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। नवीन कार्यों को टालना ठीक रहेगा। बनते कार्य बिगड़ सकते हैं। अतिथियों के आगमन से दिनचर्या अस्त-व्यस्त हो सकती है।

मकर
परिवार में वाद-विवाद टालना ठीक रहेगा। परिवार में आपसी मतभेद बढ़ सकते हैं। स्वास्थ्य संबंधित परेशानी का सामना करना पड़ सकता है।

मिथुन
आर्थिक/वित्तीय मामलों में संतुलन बनाए रखना ठीक रहेगा। संभावित स्त्रोत से धन प्राप्त होगा। महत्वपूर्ण कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। शुभ कार्य के लिए बाहर जाने का कार्यक्रम बन सकता है।

तुला
परिवार में प्रसन्नता-हर्षोल्लास का माहौल रहेगा। परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। परिवार में मनोरंजन के कार्यक्रम बन सकते हैं।

कुंभ
नये-पुराने मित्रों से मुलाकात हो सकती है। अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। परिजनों के सहयोग से महत्वपूर्ण कार्यों में उचित सफलता मिलेगी। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

कर्क
अपने अति आवश्यक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। अटके हुए कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। चलते कार्यों में प्रगति होगी। धार्मिक स्थान की यात्रा संभव है।

वृश्चिक
विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। चलते कार्यों में प्रगति होगी। परिवार में अतिथियों का आगमन बना रहेगा।

मीन
अपने आवश्यक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। आवश्यक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। परिवार में मनोरंजन के कार्यक्रम बन सकते हैं। धार्मिक स्थान की यात्रा संभव है।

देशभक्ति और साहस की प्रेरणा देता रहेगा राजेश का बलिदान : कस्वां

■ घांघू के शहीद राजेश कुमार फगेड़िया के शहादत दिवस पर तिरंगा यात्रा निकली

चूरू, (का. सं.)। पूर्व सांसद रामसिंह कस्वां ने कहा है कि देश की सरहद पर शहीद होने वालों के बलिदानों से हम कोई भी कीमत चुकाकर ऋणमुक्त नहीं हो सकते हैं। अपने प्राणों पर खेलकर देश की रक्षा करने वाले ऐसे जवानों के दम पर ही हम खुली हवा में सांस ले पा रहे हैं।

पूर्व सांसद शनिवार को घांघू गांव में शहीद राजेश कुमार फगेड़िया के शहादत दिवस पर आयोजित श्रद्धांजलि कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि हमें वीर शहीदों का सम्मान करना चाहिए और उनके परिजनों का सहयोग करना चाहिए। राजस्थान एक्स सर्विसमैन लीग के अध्यक्ष जनरल सतपाल कटेवा ने शहीद राजेश फगेड़िया को नमन करते हुए कहा कि शहीद राजेश ने देश के लिए अपने प्राणों का बलिदान कर देश का गौरव बढाया और देश की सुरक्षा व्यवस्था महफूज रखी। सियाचिन की परिस्थितियों एवं वातावरण की चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि हमारे देश के नौजवान माइनस 40 डिग्री सेंटीग्रेट तापमान में भी अडिग रहकर अदम्य साहस का परिचय दे रहे हैं। शहीद राजेश फगेड़िया के परिवारजनों को प्रणाम करते हुए उन्होंने कहा कि आपने अपना बेटा देश के लिए न्यौछावर कर दिया। यह देश आप सभी का हमेशा कृतज्ञ रहेगा। उन्होंने परिजनों से आग्रह किया कि आगे भी परिवार के बच्चों को देश सेवा के लिए मौका दें।

विशिष्ट अतिथि मेजर रामकुमार कस्वां एवं कैप्टन शीशराम मील ने सियाचिन की परिस्थितियों, वातावरण पर चर्चा करते हुए कहा कि हमारा देश सेना के हाथों में महफूज है। हमें आंतरिक मजबूती के लिए काम करना चाहिए। सहायक निदेशक (जनसंपर्क) कुमार अजय ने धन्यवाद व्यक्त करते हुए कहा कि हम जाति, धर्म, क्षेत्रा आदि संकीर्णताओं को छोड़कर एक दूसरे को जोड़ते चलें तो इसी में देश और मानवता का भला है।

हमें दलितों, पिछड़ों को साथ लेकर चलना चाहिए और कमजारों की खुले दिल से मदद करनी चाहिए। शहीद परिवारों को यदि सामान्य कार्यों एवं सरकारी प्रक्रिया के लिए परेशान होना पड़े तो यह समाज के रूप में हमारी विफलता है। जिला साक्षरता अधिकारी ओम फगेड़िया ने राजेश के व्यक्तित्व और कृतित्व की चर्चा की।

विशिष्ट अतिथि कोविड प्रभारी डॉ अहसान गौरी, कर्नल विक्रम सिंह, एक्स सर्विसमैन लीग चूरू के अध्यक्ष कैप्टन विद्याधर, सैनिक कल्याण सलाहकार समिति के अध्यक्ष राहुल कस्वां, प्रधानाचार्य जगदीश खेड़ीवाल, राजेंद्र मीणा, रेखा मीणा, करणीराम नैण, परमेश्वर लाल दर्जी, हरफूल सिंह राहड़, डॉ विद्या आर्य ने भी विचार व्यक्त किए। संचालन महावीर नेहरा ने किया।

इससे पूर्व अतिथियों ने शहीद प्रतिमा पर माल्यार्पण कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। गांव के राकेश फगेड़िया, चोखाराम फगेड़िया, मेघाराम, पूर्णाराम फगेड़िया, प्यारेलाल, लिखमाराम प्रजापत, ईसरराम बरड़, दूलाराम ढाका, सरजीत मांझू, बहन अंजू फगेड़िया, सुमन फगेड़िया, नीलेश, संजय दर्जी, गुलशन भार्गव, प्यारेलाल फगेड़िया, सांवलाराम मेघवाल, मोहन लाल फगेड़िया, हरिकेश फगेड़िया, बन्ने खान, नजीर खान, रामकरण रेवाड़, सतपाल कस्वां, नेमीचंद जांगिड़, सुखलाल सिहाग, सुरेश दर्जी, मुकेश दर्जी, विद्याधर रेवाड़, विजेंद्र सिहाग आदि ने अतिथियों का स्वागत किया। विद्यार्थियों ने आकर्षक सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी। अतिथियों ने वीर माता शारदा देवी, शहीद के पिता रामलाल फगेड़िया, शहीद वीरांगना मधु का शॉल ओढ़ाकर सम्मान किया। इस दौरान शहीद वीरांगना मधु फगेड़िया, शहीद पिता रामलाल फगेड़िया एवं माता शारदा देवी की ओर से ग्राम पंचायत घांघू में संचालित शहीद राजेश फगेड़िया उच्च माध्यमिक विद्यालय, शहीद लखूसिंह राबाउमावि तथा महात्मा गांधी अंग्रेजी माध्यम विद्यालय में नव प्रवेशित विद्यार्थियों के लिए शिक्षण सामग्री भेंट की गई।

साथ ही शहीद लखूसिंह बालिका उमावि में फर्नीचर के लिए 21 हजार रुपए का चैक प्रदान किया गया। शहीद लखूसिंह बालिका उमावि की ओर से वरिष्ठ अध्यापिका वीरांगना मधु फगेड़िया का सम्मान किया गया। कार्यक्रम में शफी मोहम्मद गांधी, अशोक कुमार मेघवाल, महादेव जांगिड़, रफीक कुरैशी, हाजी युसुफ खान, शौकत खां, युसुफ खां, सफी मोहम्मद, सलीम खान, मुकारब खान, हेमंत फगेड़िया, मुकना राम भांभू, देवेद, मयंक, नितेश, सुरजाराम दर्जी, मुकेश भाखर, संतलाल कस्वां, अजय जांगिड़, रहीश कुरैशी सहित बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे। इस दौरान घांघू गांव देशभक्ति के नारों से गूंज गया। सरपंच विमला देवी ने बताया कि कार्यक्रम के दौरान ग्राम पंचायत की ओर से उत्कृष्ट उपलब्धियां हासिल करने वाले विद्यार्थियों और सामाजिक क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान करने वाले व्यक्तियों का सम्मान किया गया।

गणतंत्र दिवस समारोह मनाया

सादुलपुर, (निसं)। ग्राम पंचायत बैरासर छोटा के राजकीय प्राथमिक विद्यालय बैरासर गुमाना में गणतंत्र दिवस पर सरपंच महावीर पूनियां, घीसाराम मेघवाल, मानसिंह राहड, जयवीर झोथड़ा, सत्यवीर नायक, राजेश पूनियां, मंगतूराम खटाणा, रामसिंह राहड अथितियों की उपस्थिति में आयोजित हुआ, जिसमें विद्यालय के छोटे-छोटे बच्चों द्वारा मनमोहक सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी। विद्यालय के भौतिक विकास के लिए अध्यापक सुनिल बैरासर द्वारा चलाई गई मुहिम में इन्द्रचन्द गोयल ट्रस्ट एवं गाँव के कर्मचारियों द्वारा एकत्रित राशि 19000 का चेक संस्था प्रधान प्रिया तेतरवाल को सौंपा। वहीं सुनिल बैरासर द्वारा सभी बच्चों को परिचय पत्र, सहयोग के रूप में नववर्ष कैलेंडर व ठंडे पानी के लिए मिल्टन केन भेंट की।

संबोधन के रूप में विद्यालय के भौतिक विकास में मुख्यमंत्री जनसहभागिता की जानकारी के साथ बढ़-चढकर भाग लेने का आह्ववान किया। जिसमे राजेश पूनियां राशन डीलर एवं शीशराम खटाणा द्वारा टेबल मय सेट, संजय राहड व विनोद राहड द्वारा दो जाजम, रामसिंह राहड द्वारा पांच कुर्सी व प्रवीण पूनियां द्वारा ऑफिस कुर्सी व सुभाष पूनियां द्वारा 5100 रुपये देने की घोषणा की। कार्यक्रम में विद्यालय की तरफ से अध्यापक सुनिल बैरासर का साफा पहनाकर प्रेरक के रूप व भामाशाह सम्मान किया गया।

श्रीमद्भागवत कथा में भगवान कृष्ण का महारास एवं रुक्मणी विवाह की झांकी सजाई

■ आयोजकों की ओर से विवाह संस्कार की रस्मों को पूरा करने के साथ कथा में भजन संगीत भी प्रस्तुत किये गए

झुंझुनूं, (निसं)। शहर के लावरेश्वर महादेव मंदिर ट्रस्ट की ओर से मंदिर के बत्तीसवें वार्षिकोत्सव के अवसर पर श्रीमद् भागवत सप्ताह ज्ञान यज्ञ का आयोजन मंदिर परिसर के सामने चौथमल गोयनका नोहरा में व्यास पीठ पर विश्वविख्यात श्रद्धेय बाल व्यास श्री श्रीकांत शर्मा द्वारा छठे दिन उधव चरित्र, महारासलीला व रूक्मिणी विवाह का वर्णन किया। महाराज श्री ने कहा कि गोपियों ने भगवान श्रीकृष्ण से उन्हें पति रूप में पाने की इच्छा प्रकट की।

भगवान श्रीकृष्ण ने गोपियों की इस कामना को पूरी करने का वचन दिया। अपने वचन को पूरा करने के लिए भगवान ने महारास का आयोजन किया। इसके लिए शरद पूर्णिमा की रात को यमुना तट पर गोपियों को मिलने के लिए कहा गया।

सभी गोपियां सज.धजकर नियत समय पर यमुना तट पर पहुंच गईं। कृष्ण की बांसुरी की धुन सुनकर सभी गोपियां अपनी सुध.बुध खोकर भगवान कृष्ण के पास पहुंच गईं। उन सभी गोपियों के मन में कृष्ण के नजदीक जाने, उनसे प्रेम करने का भाव तो जागा, लेकिन यह पूरी तरह वासना रहित था। माना जाता है कि वृंदावन स्थित निधिवन ही वह स्थान है, जहां श्रीकृष्ण ने महारास रचाया था।

यहां भगवान ने एक अद्भुत लीला दिखाई थी, जितनी गोपियां उतने ही श्रीकृष्ण के प्रतिरूप प्रकट हो गए। रुक्मिणी विवाह का वर्णन करते हुए महाराज ने कहा कि भगवान श्रीकृष्ण ने सभी राजाओं को हराकर विदर्भ की राजकुमारी रुक्मिणी को द्वारका में लाकर उनका विधिपूर्वक पाणिग्रहण किया। मौके पर आयोजको की ओर से आकर्षक वेश.भूषा में श्रीकृष्ण व रुक्मिणी विवाह की झांकी प्रस्तुत कर विवाह संस्कार की रस्मों को पूरा किया गया। कथा के साथ.साथ भजन संगीत भी प्रस्तुत किये गए।

इस अवसर पर बगड दादुद्वारा के पीठाधीश्वर अर्जुनदास महाराज, मंदिर ट्रस्ट के ट्रस्टी इंद्र कुमार मोदी देहली, कृपाशंकर मोदी मुम्बई, सुरेश पंसारी एवं परमेश्वर हलवाई झुंझुनूं, ओमप्रकाश तुलस्यान चैन्नई, राजकुमार अग्रवाल एवं राधेश्याम ढंढारिया जयपुर, अनिल टेकडीवाल दिल्ली, प्रदीप लोहारूका मुम्बई, जालान परिवार के विजय कुमार जालान, रमाकांत जालान, प्रदीप कुमार जालान, देवेंद्र कुमार जालान, संजय बद्री प्रसाद जालान, अरूण कुमार जालान, नितिन जालान, निखिल जालान, अमित जालान, सुमित जालान, यश जालान, सीए दीनबंधु जालान, सीए सुनील गोयल एवं सीए प्रमोद जालान मुंबई, महावीर प्रसाद गुप्ता एवं शंकरलाल सोन्थलिया चेन्नई, विमल ढढांरिया, अनूप पोद्दार, दिनेश चौधरी सूरत, मंदिर ट्रस्ट कार्यकारिणी सदस्य नरेश अग्रवाल, नवीन अग्रवाल, प्रमोद कुमार अग्रवाल, डॉक्टर डीएन तुलस्यान, श्रीकांत पंसारी, रूपेश तुलस्यान, अमित जगनानी, सुधीर गाडिया जयपुर सहित अन्यजन बडी संख्या में उपस्थित थे।

कथा में आज महाराज श्री द्वारा सुदामा चरित्र वर्णन के साथ कथा को विश्राम दिया जाएगा।

विद्यालय में प्रतियोगिता बुक्स का वितरण

सादुलपुर, (निसं)। ग्राम पंचायत बैरासर छोटा के राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय में आयोजित कार्यक्रम में सामान्य ज्ञान ग्रुप के संस्थापक अध्यापक सुनिल बैरासर द्वारा विद्यालय में कक्षा 12वीं के विद्यार्थियों को भविष्य की प्रतियोगिता परीक्षाओं की तैयारी के लिए प्रतियोगिता बुक्स का वितरण किया।

कार्यक्रम में सामान्य ज्ञान ग्रुप परिवार द्वारा नि:शुल्क एवं नि:स्वार्थ किये जा रहे कार्यों के साथ प्रतियोगिता परीक्षा की भावना विकसित करने के लिए राजस्थान के विद्यालयों में आयोजित सामान्य ज्ञान प्रतियोगिताओं के बारे में प्रकाश डाला गया। वहीं विद्यालय के प्रधानाचार्य राजेन्द्र स्वामी ने शिक्षा की महत्ता, जनसहभागिता योजना, शिक्षा व शिक्षक से जुड़ाव के बारे में बताया। कार्यक्रम में खबरपुरा में पदस्थापित अध्यापक सुनिल बैरासर का छात्रों में प्रतियोगिता भावना विकसित करने, शैक्षिक उन्नयन व सामाजिक क्षेत्र में नि:स्वार्थ सेवा भावना से कार्य करने पर विद्यालय में प्रशस्ति पत्र व साफा पहनाकर उनका सम्मान किया गया।

सामान्य ज्ञान ग्रुप के संस्थापक अध्यापक सुनिल बैरासर द्वारा विद्यालय में कक्षा 12वीं के विद्यार्थियों को सामान्य ज्ञान की बुक्स का वितरित की।

इस अवसर पर मेघाराम मीणा, मनोज मेघवाल, रामचन्द भांभू, रणसिंह श्योराण, सुभाष कल्ला, कृष्ण जांगिड़ सहित अन्य ग्रामीणजन उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन वीरेन्द्र योगी ने किया।

जिला कारागृह चूरू में सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित

चूरू, (कासं)। गणतंत्र दिवस और बसंत पंचमी के अवसर पर जिला कारागृह में सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आगाज संगीतकार राजेन्द्र शरणोत ने गणपति वन्दना से किया। इसके बाद राजेन्द्र शरणोत और लोकगीत गायिका राजबाला चौधरी ने देशप्रेम और भक्ति गीत गाकर श्रोताओं की खूब तालियां बटोरी। सरोज और मयंक ने भी शानदार प्रस्तुति दी। जितेन्द्र शरणोत ने ढोलक पर संगति दी। कार्यक्रम के आरम्भ में शिक्षाविद ओमप्रकाश तँवर ने छब्बीस जनवरी के महत्त्व को रेखांकित किया। अग्रसेन नगर समग्र विकास समिति के अध्यक्ष वैद्य बनवारीलाल शर्मा ने राम नाम के महत्त्व का बखान किया। कार्यक्रम के संयोजक से.नि. एटीओ हरिसिंह ने बीच-बीच में चुटकलों की प्रस्तुति देकर कार्यक्रम को रोचक बना दिया। से.नि. प्रधानाचार्य लक्ष्मणराम नैण ने भी अपने विचार व्यत्त किए। जेलर कैलाशसिंह शेखावत ने धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कहा कि इस प्रकार के सांस्कृतिक कार्यक्रमों से बन्दियों को मानसिक खुराक मिलती है और वे तनाव मुक्त होते हैं।

यज्ञ में आहुतियां देकर सूर्य सप्तमी महोत्सव मनाया

नयाबास में सूर्य सप्तमी महोत्सव शनिवार को हर्षोल्लास के साथ मनाया गया।

चूरू, (कासं)। नयाबास में सूर्य सप्तमी महोत्सव शनिवार को हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। शाकद्वीपीय ब्राह्मण समाज चूरू के कोषाध्यक्ष कमल शर्मा ने बताया कि आज सूर्य सप्तमी के दिन भगवान सूर्य नारायण की पूजा-अर्चना कर यज्ञ में आहुतियां दी गई।

कार्यक्रम में सचिव शिवशंकर शर्मा ने सपत्निक पूजा-अर्चना की और यज्ञ में आहुति दी। पंडित रवि प्रकाश शर्मा व श्रीराम शर्मा ने वैदिक मंत्रोच्चार से पूजा-अर्चना संपन्न करवाई। यज्ञ के पश्चात पूर्णाहुति की गई। इस अवसर पर शाकद्वीपीय समाज के महेश शर्मा, राजेंद्र कुमार शर्मा, दिनेश शर्मा, गिरीश शर्मा, डॉ. रवि शर्मा, डॉ. अक्षय शर्मा, मुरलीधर शर्मा, नीरज शर्मा, हनुमान शर्मा, ओम प्रकाश शर्मा, बालकिशन शर्मा, दिनेश शर्मा, डॉ. विजय शर्मा, विकी शर्मा, गिरधारी लाल शर्मा, सोनू शर्मा सहित बड़ी संख्या में समाज के महिला-पुरूष और गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

बसन्तोत्सव में श्रीठाकुरजी को होली की धमार से रिझाया

चूरू, (कासं)। बसन्त पंचमी के पावन उपलक्ष्य पर श्रीठाकुरजी की हवेली में बसन्तोत्सव धूमधाम से मनाया गया। ब्रज की चालीस दिन की होली का आगाज बसन्त पंचमी पर श्रीठाकुरजी के साथ होली खेलाकर किया जाता है।

आज सुबह श्रीठाकुरजी को मंगला दर्शन के बाद पीले रंग की पोशाक धारण करवाकर पीले फूलों से आकर्षक श्रृंगार किया गया। आम के पतों का हार विशेष रूप से धारण करवाया गया। श्रीठाकुरजी के दास सेवक शिवनंदन शर्मा ने जानकारी देते हुए बताया कि दोपहर के शुभ मुहूर्त में बसन्त के कलश का पूजन कर महाआरती की गई।

जिसमें देव शास्त्री धनबाद, राहुल, गायत्री, तनु आदि ने भाग लिया। शाम को साढ़े चार बजे श्रीठाकुरजी के दर्शन खुलने के बाद आकाशवाणी एवं दूरदर्शन के कलाकार राजेन्द्र शरनोट ने राजस्थानी फिल्म 'बावळती' की धमाल सुणो सजग्यो रै दरबार ठाकुरजी को' की प्रस्तुति दी।

इस दौरान सद्गुरु देव श्रीजी बाबा द्वारा संकलित भजन मुरारी मेरी मटुकी गिराय गयो री, होलिया में उड़े रे गुलाल जब गाया तो कीर्तन में मौजूद बाल गोपाल मंडली ने जोरदार संगत की। इस मौके पर राजा बलि के दरबारमची रे होली की शानदार प्रस्तुति दी तब वृंदावन की होली को सजीव कर दिया।

कार्यक्रम में सभी को पीली गुलाल लगाकर श्रीठाकुरजी की होली का आगाज किया गया। इस मौके पर सांवर मल राणा की ओर से सभी को प्रसादी वितरित की गई।

पिता की याद में पुत्रों ने पार्क में सीटिंग चेयर लगवाई

■ समाजसेवी स्व. हनुमान सिंह झाझडिया के सिद्धांतों को अपने जीवन में उतारने का आह्वान किया

■ विद्यालय में विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया

झुंझुनूं, (निसं)। समाजसेवी स्व. हनुमान सिंह झाझडिया के सिद्धांतों को विद्यार्थियों को अपने जीवन में उतारने का आान किया गया। इंदिरा नगर स्थित जवाहर पब्लिक सीनियर सेकेंडरी स्कूल के संस्थापक स्व. हनुमान सिंह झाझडिया की 20वीं पुण्यतिथि पर विद्यालय में श्रद्धांजलि सभा का आयोजन कर उनकी आत्मा को शांति के लिए प्रार्थना की गई। विद्यालय की कक्षा 12 की छात्रा गुलपसा ने उनके जीवन पर प्रकाश डाला। विद्यालय में विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। मुबारक फोर्ड म्यूजिक चेयर, सुई धागा, एक शब्द प्रतियोगिता, रस्सी कूद, आंख बंद, नींबू चमक सहित विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। विद्यालय स्टॉफ मुकेश शर्मा ने अपने विचार रखे। इस मौके पर विद्यालय स्टाफ विकास, विश्व, पवन, संजू, अनीता, तौफीक, हरीश प्रजापत, विद्यालय के निदेशक राकेश झाझडिया-रेणु झाझडिया पार्षद के मुख्य आतिथ्य में सभा का आयोजन हुआ। इस मौके पर विद्यालय के स्टॉफ व छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। प्रतियोगिताओं में विजेताओं को पारितोषिक देकर सम्मानित किया गया। स्व. हनुमान सिंह झाझडिया की स्मृति में वार्ड संख्या 9 स्थित परिजात पार्क में उनके सुपुत्र राजेश झाझडिया, राकेश झाझडिया द्वारा सीटिंग चेयर भेंट की गई। इस मौके पर महेंद्र, यूनुस अली, सुरेश जाखड, सदरूद्दीन ठेकेदार, आरिफ , राकेश झाझडिया, विमल नूनिया, राजकुमार ढाका, डॉक्टर आरिफ मिर्जा, सरदार बाबल, अहमद अली, डॉक्टर नरेंद्र काजला, विकास ख्यालिया, उम्मेद कटेवा, अकरम अली, राजेंद्र गौड, सचिन शर्मा, देवेंद्र गौड, प्रताप सिंह सोहु अदेत नारायण द्विवेदी, महेशबूरी सहित काफी संख्या में वार्डवासी उपस्थित रहे।

सम्मान समारोह का आयोजन

झुंझुनूं, (निसं)। नर नारायण पारीक सेवा संस्थान व झुंझुनूं नागरिक मंच द्वारा आज दोपहर एक बजे मोदी रोड स्थित गाडिया टाउन हॉल में सामाजिक समरसता सम्मान समारोह होगा। संयोजक डॉ. विद्या पुरोहित ने बताया कि राष्ट्रीय एकता अभियान के संरक्षक स्व. नारायण पारीक की प्रथम पुण्यतिथि पर होने वाले कार्यक्रम में वाल्मीकि समाज के पांच जोडो एवं समाज के 35 विभूतियों का सम्मान किया जायेगा। संयोजक पुरोहित ने बताया कि संत समागम में चंचलनाथ टीले के पीठाधीश्वर संत ओमनाथ महाराज, हजरत कमरूद्दीन शाह दरगाह के गद्दीनशीन एजाज नबी खान, खासोली धाम चूरू के संत नवरत्न गिरी महाराज, कुंभनाथ बगीची मुकुंदगढ के बाबा शैलेंद्र नाथ, दादू द्वारे बगड के संत अर्जुन दास महाराज के प्रवचन होंगे।

केन्द्रीय बस स्टैण्ड एक फरवरी से सुचारू होगा

सुजानगढ (का.स)। वर्षो से बंद पडे केन्द्रीय बस स्टैण्ड को शुरू करने के लिये क्षेत्रीय विधायक मनोज मेघवाल ने शुक्रवार दोपहर को अधिकारियों के साथ केन्द्रीय बस स्टैण्ड का निरीक्षण किया। मेघवाल ने बस स्टैण्ड का निरीक्षण कर एक फरवरी से बसों का ठहराव केन्द्रीय बस स्टैण्ड पर करने के निर्देश दिये।

मेघवाल ने उपखण्ड अधिकारी मूलचंद लूणिया, डीवाईएसपी रामप्रताप विश्नोई को निर्देश देते हुए कहा कि सरकारी व निजी बसों का ठहराव केन्द्रीय बस स्टैण्ड पर ही होना चाहिये। उन्होनें नगरपरिषद आयुक्त कमलेश मीणा को बस स्टैण्ड की सफाई करवाने व निजी बस स्टैण्ड पर बने शौचालयों की मरम्मत करवाने के निर्देश दिये।

इस मौके पर अतिरिक्त जिला कलक्टर भागीरथ साख ने कहा कि केन्द्रीय बस स्टेण्ड पर बसों के ठहराव के लिए उपयुक्त जगह व व्यवस्थाएं है। उन्होनें कहा कि केन्द्रीय बस स्टैण्ड शुरू होने से शहर की ट्राफिक व्यवस्था में भी सुधार होगा।

इससे पहले उपखण्ड अधिकारी कार्यालय में बस स्टैण्ड को शुरू करने से पहले विधायक मेघवाल ने परिवहन विभाग, सदर थाना पुलिस, नगरपरिषद, राजस्थान परिवहन निगम के डिपो प्रभारी शंकर इन्दौरिया सहित अन्य विभागों के अधिकारियों की बैठक ली। बैठक में विधायक मेघवाल ने परिवहन विभाग के इंस्पेक्टर को निजी बस चालकों को केन्द्रीय बस स्टैण्ड पर ठहराव करने के निर्देश दिये। मेघवाल ने कहा कि पुराने बस स्टैण्ड पर जाकर बस चालक सवारियों को उतार सकते है। लेकिन वंहा पर खडे नही रह सकते।

इस मौके पर कांग्रेस जिलाध्यक्ष भंवरलाल पुजारी, उपसभापति अमित मारोठिया, सभापति प्रतिनिधि मो.ईदरीश गौरी, थानाधिकारी मुकुट बिहारी मीणा, यातायात प्रभारी श्रीनिवास, लेखाधिकारी भंवरलाल मेहरडा, पूर्व सभापति सिकन्दर अली खिलजी, राजकुमार दाधीच, ऑटो यूनियन के सत्यनारायण सांखला सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

प्रतिभा सम्मान समारोह आयोजित

सुजानगढ (कासं)। स्थानीय राजकीय भींवसरिया उ.मा विद्यालय में प्रतिभा सम्मान समारोह व इंसीनरेटर मशीन का लोकार्पण किया गया। यंग्स क्लब के स्वर्ण जयंती के अवसर पर हीरालाल पाटनी की पुण्य स्मृति में ज्ञानेंद्र सुनीता पाटनी के सौजन्य से यह कार्यक्रम आयोजित किया गया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता एडवोकेट पवन दाधीच ने की। मुख्य अतिथि मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी कुलदीप व्यास थे। क्लब अध्यक्ष निर्मल कुमार भूतोडिया ने यंग्स क्लब के सेवा कार्यों का उल्लेख करते हुए आगामी अक्टूबर माह में क्लब के स्वर्ण जयंती अवसर पर वृहत्त स्तरीय सांस्कृतिक, सामाजिक कार्यक्रमो को आयोजित किये जाने की घोषणा की।

क्लब के सांस्कृतिक सचिव गिरधर शर्मा ने आयोजन विषयक जानकारी देते हुए बताया कि कार्यक्रम के माध्यम से भींवसरिया विद्यालय को इंसीनरेटर मशीन भेंट की गई। इस मौके पर कक्षा 6 से 12 तक के प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान प्राप्त करने वाली प्रतिभावान छात्राओं को प्रतीक चिन्ह व स्वेटर्स भेंट कर सम्मानित किया गया, जरूरतमन्द छात्राओं को स्वेटर्स उपलब्ध करवाए गए।

राजकीय मोहता बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय राजगढ़ में वार्षिकोत्सव आयोजित

सादुलपुर, (निसं)। राजकीय मोहता बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय, राजगढ में शनिवार को वार्षिकोत्सव, पूर्व विद्यार्थी एवं भामाशाह सम्मान समारोह-'उमंग' द्रोणाचार्य अवार्डी राजस्थान के मुख्य खेल अधिकारी वीरेंद्र पूनिया के मुख्य आतिथ्य में आयोजित हुआ। वहीं नियाज मोहम्मद सेवानिवृत्त एएसपी कार्यक्रम के अति विशिष्ट अतिथि थे।

विशिष्ट अतिथि एसीबीईओ दीवान सूरा, प्रधानाचार्य सुमन पूनियां, प्रधानाचार्य सुमित्रा चौधरी, जयसिंह पूनियां, उषाकिरण एवं 'हमारी ख्वाहिश' एनजीओ की रेहाना पठान एवं शौकत अली आदि थे। विद्यालय के मीडिया प्रभारी विमलेश चन्द्र ने बताया कि कार्यक्रम में मुख्य खेल अधिकारी वीरेन्द्र पूनियां ने छात्राओं से कहा कि सकारात्मक सोच एवं लक्ष्य निर्धारित कर मेहनत करें। प्रधानाचार्य डॉ. सुशीला बलौदा ने कहा कि विद्यालय हर क्षेत्र में सक्रिय है एवं विद्यालय को नई ऊंचाइयों पर पहुँचाने हेतु हम प्रयासरत हैं।

राजकीय मोहता बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय राजगढ़ में वार्षिकोत्सव आयोजित हुआ।

उन्होंने छात्राओं की मुख्य समस्याओं खेल मैदान का अभाव, एनसीसी यूनिट का नहीं होना, गृह विज्ञान एवं कृषि विज्ञान का नहीं होना आदि मंच के समक्ष रखा, जिस पर मुख्य अतिथि वीरेन्द्र पूनियां ने उपरोक्त समस्याओं के शीघ्र निराकरण का आश्वासन दिया। कार्यक्रम में छात्राओं द्वारा मनमोहक सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी गई। इस अवसर पर शैक्षिक एवं सहशैक्षिक गतिविधियों में श्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाली छात्राओं को सम्मानित किया गया। विद्यालय की पूर्व छात्रा रही सुमन पूनियां प्रधानाचार्य, अनिता देवी व्याख्याता एवं सुशीला अ. का सम्मान किया गया। साथ ही ओमप्रकाश प्रजापत अ. का भी श्रेष्ठ कार्य हेतु सम्मान किया गया। जयसिंह पूनियां ने माँ सरस्वती मंदिर बनवाने की घोषणा की।

सुमित्रा चौधरी प्रधानाचार्य ने बोर्ड परीक्षा में टॉपर विद्यार्थियों को सम्मानित करने की घोषणा की। वहीं रेहाना पठान एवं शौकत अली ने 180 छात्राओं को स्वेटर वितरित की गई तथा इक्यावन सौ रुपये विद्यालय विकास हेतु देने की घोषणा की। अनिता देवी व्या. ने इक्यावन सौ एवं सुशीला देवी अ. ने इक्कीस सौ रुपये देने की घोषणा की। कार्यक्रम का संचालन अनिता देवी एवं राहुल इंदौरिया ने किया। इस अवसर पर समस्त स्टाफ सदस्य एवं अभिभावक उपस्थित थे।

निर्मल का सुजानगढ़ पहुंचने पर स्वागत हुआ

सुजानगढ (कासं)। राजस्थान विश्वविद्यालय के अध्यक्ष निर्मल चौधरी ने शुक्रवार रात सुजानगढ के वरिष्ठ कांग्रेसी चंपालाल तंवर के घर जाकर उनका आशीर्वाद लिया। इस दौरान निर्मल चौधरी का दिनेश तंवर, यूथ कांग्रेस नेता कृष्ण तंवर, हर्षवर्धन तंवर, हर्षवर्धन सिंह नरूका, पूर्व छात्रसंघ अध्यक्ष अनुज पारीक, मनीष जांगिड, सद्दाम कादरी सहित युवाओं ने स्वागत किया।

नाम परिवर्तन

मनके विजेन्द्र कुमार उम्र 43 साल पुत्र पीरूराम जाति जाट निवासी थिरपाली बड़ी तहसील राजगढ़ जिला चूरू (राज.) का हूं जो कि शपथपूर्वक बयान करता हूं यह कि मेरे आर्मी नं. 4481141Y रैंक नायक टेलर विजेन्द्र कुमार में मेरी पुत्री का नाम भूलवश SANIA दर्ज हो गया है, जो कि गलत है। जबकि मेरी पुत्री के सभी दस्तावेजों में मेरी पुत्री का नाम SANIYA है जो सही है। अब मैं मेरे आर्मी रिकॉर्ड में मेरी पुत्री का नाम SANIA के स्थान पर SANIYA दुरूस्त करवाना चाहता हूं, जो कि सही एवं वास्तविक है। शपथ पत्र दिनांक (25.01.2023 प्रारूप में शपथ पत्र की तिथि) से पहले - एसडीएम कोर्ट राजगढ़ (चूरू)

शपथ ग्रहिता विजेन्द्र कुमार

नाम परिवर्तन

मनके भतेरी उम्र 40 साल पत्नी विजेन्द्र कुमार जाति जाट निवासी थिरपाली बड़ी तहसील राजगढ़ जिला चूरू (राज.) की हूं जो कि शपथपूर्वक बयान करती हूं यह कि मेरे पति के आर्मी नं. 4481141Y रैंक नायक टेलर विजेन्द्र कुमार के सेना रिकॉर्ड में मेरा नाम भूलवश BHTAIRY दर्ज हो गया है, जो कि गलत है। जबकि मेरे सभी दस्तावेजों में मेरा नाम BHATERI DEVI दर्ज है जो सही है। अब मैं मेरे पति विजेन्द्र कुमार के आर्मी रिकॉर्ड में मेरा नाम BHTAIRY के स्थान पर BHATERI DEVI दुरूस्त करवाना चाहता हूं, जो कि सही एवं वास्तविक नाम है। शपथ पत्र दिनांक (25.01.2023 प्रारूप में शपथ पत्र की तिथि) से पहले - एसडीएम कोर्ट राजगढ़ (चूरू)

शपथ ग्रहिता भतेरी देवी

पश्चिमी विक्षोभ का असर, डूंगरपुर व उदयपुर में हुई मावठ

पश्चिमी विक्षोभ के चलते 26 जनवरी के बाद कई जिलों में मावठ की संभावना जताई गई थी

उदयपुर, (कासं)। झीलों के शहर में शनिवार शाम को मावठ की बारिश हुई। बारिश के साथ शहर में एक बार फिर ठंड बढ़ जाएगी। इधर, शनिवार को दिन के तापमान में दो डिग्री की वृद्धि हुई वहीं रात के तापमान में सवा दो डिग्री की कमी हुई है।

पश्चिमी विक्षोभ के चलते प्रदेश में 26 जनवरी के बाद मौसम में बदलाव व कई जिलों में मावठ की बारिश की संभावना जताई गई थी। उदयपुर शहर में शनिवार शाम को मावठ की तेज बारिश हुई। बारिश करीब 10 से 12 मिनट तक चली। सर्द हवाओं का जोर मौसम में बने रहने से शाम होते ही तेज ठंड का अहसास बना हुआ है। इधर, मावठ की बारिश के चलते अब फिर ठंड तेज होने के आसार है।

मौसम विभाग डबोक से मिली जानकारी के अनुसार शनिवार को अधिकतम तापमान 24.4 डिग्री व न्यूनतम तापमान 6.1 डिग्री रिकॉर्ड किया गया जो शुक्रवार को क्रमश: 22.2 व 8.6 डिग्री पर था। इससे पूर्व 24 जनवरी मंगलवार को लेकसिटी में घना कोहरा छाया था। बीते चार दिनों से न्यूनतम तापमान 8 डिग्री के इर्द-गिर्द बना हुआ है।

ठण्डी हवाओं व बारिश से जन जीवन अस्त-व्यस्त

डूंगरपुर, (निसं)। शनिवार को भौर से ही शीतल हवाओं ने ठण्ड का एहसास यकायक बढ़ा दिया। और दिन भर चली ठण्डी हवाओं व धूंध के आगोश ने सामान्य जन जीवन को झकझोर कर रख दिया। इसके बावजूद प्रात: हल्की बूंदाबांदी भी हुई, दोपहर में हल्की मध्यम बारिश तथा शाम ढ लते ही तेज बारिश के चलते आम जन जीवन अस्त व्यस्त हो गया।

- धूंध की आगोश में सूर्य की रोशनी रही मंद
- देर शाम को तेज गर्जना के साथ हुई बारिश

डूंगरपुर में शनिवार शाम को हुई तेज बारिश के बीच गुरजते शहर वासी।

आदमी ठण्ड से निजात पाने के जतन करता रहा। शनिवार सूर्य की रेशनी भी फिकी सी रही। शाम पडते ही तेज हवाओं के साथ बारिश का दौर भी प्रारंभ हुआ। हालांकि बारिश 15 मिनिट ही गिरी,लेकिन मौसम में यकायक ठण्डक भर आई ओर शाम ढलने के साथ ही आम जन अपने अपने घरों में दुबक गया और बाजार व सडके विरान सी होने लगी। वही शनिवार को ठण्ड का सबसे अधिक प्रकोप का एहसास हुआ।

बस पलटी, 16 सवारियां हुई घायल

करीब 3 फीट नीचे खेत में जा गिरी बस, दो घायल लोगों को रैफर किया

घायलों का सीएचसी श्रीमाधोपुर में उपचार कराया।

श्रीमाधोपुर, (निसं)। इलाके में कल्याणपुर से आगे एक ट्रैक्टर को बचाने के चक्कर में एक बस अनियंत्रित होकर पलट गई, इस दौरान बस में सवार करीब 16 सवारियां घायल हो गई । जिन्हें इलाज के लिए श्रीमाधोपुर राजकीय सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र व रींगस निजी हॉस्पिटल में भर्ती करवाया।

सड़क हादसे की सूचना के बाद मौके पर रींगस डिप्टी विजय सिंह, श्रीमाधोपुर थाना अधिकारी प्रकाश सिंह राठौड़ मय जाप्ता मौके पर पहुंचे। जानकारी के अनुसार करीब 30 सवारियों से भरी बस नीमकाथाना से रवाना होकर श्रीमाधोपुर के लिए आ रही थी। इसी दौरान कल्याणपुरा गांव के नजदीक नवोडी की ढाणी के पास एक घुमाव पर बस अचानक अनियंत्रित होकर पलट गई। जो सड़क से करीब 3 फीट नीचे खेत में जा गिरी। घटना के बाद बस में सवार लोग चीख पुकार सुनकर

- ट्रैक्टर को बचाने के चक्कर में पलटी बस

खेतों तथा घरों में काम कर रहे ग्रामीण मौके पर दौड़ कर आए और बस के सामने वाले हिस्से का शीशा तोड़कर बस में फंसी सवारियों को बाहर निकाला। बस अनियंत्रित होने का मुख्य कारण प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि सामने से ट्रैक्टर आ जाने के चलते हुआ। फिलहाल पुलिस पूरे मामले की जांच में जुटी है।

गनीमत यह रही कि सड़क हादसे किसी की जनहानि नहीं हुई । बस में सवार कांवट निवासी प्रियंका पत्नी संदीप शर्मा, साक्षी शर्मा पुत्री संदीप शर्मा, जैतुसर निवासी रामकुंवार भोपा पुत्र भंवरलाल, कंचनपुर निवासी गीता देवी पत्नी ओमप्रकाश, हांसपुर निवासी अनीता पत्नी हंसराज,विद्या देवी पत्नी रामलाल,बर्फा देवी पत्नी सुरेश,चला निवासी कंचन शर्मा पत्नी संतोष,घसीपुरा निवासी मंजू पुत्री गिरधारी लाल, श्रीमाधोपुर निवासी निकिता पत्नी विकास मीणा, कोछोर निवासी वशं पुत्र विकास मीणा, श्रीमाधोपुर निवासी रतनलाल पुत्र गणेश राम, चौकडी निवासी जितेंद्र पुत्र बजरंग सिंह, कांवट निवासी पावर पुत्र संदीप शर्मा, किशनपुरा निवासी बिदामी देवी पत्नी संतोष कुमार और कांवट निवासी संदीप कुमार शर्मा पुत्र शंकर लाल शर्मा घायल हो गए से घायल हो गए।

सड़क हादसे में घायलों लोगों का अस्पताल प्राथमिक उपचार के बाद छुट्टी दे दी। वहीं दो गंभीर घायलों हांसपुर निवासी विद्या देवी पत्नी रामलाल तथा जैतुसर निवासी रामकुंवारभोपा पुत्र भंवरलाल की हालत गंभीर होने पर चिकित्सकों ने रैफर कर दिया।

पूर्व मंत्री जितेंद्र सिंह के आवास के बाहर छात्रसंघ का धरना

पेपर लीक मामले पर सरकार को घेरा

पूर्व मंत्री जितेन्द्र सिंह के आवास पर प्रदर्शन के लिए जाते छात्र।

अलवर, (निसं)। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद ने शनिवार को पूर्व केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह के आवास फूल बाग के बाहर पहुंच कर धरना दिया और सरकार के खिलाफ नारेबाजी की। सरकार पर छात्र राजनीति में हस्तक्षेप करने के आरोप लगाया। पेपर लीक पर सरकार को घेरा। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के प्रांत मंत्री राहुल यादव ने कहा कि विद्यार्थी परिषद ने जयपुर प्रान्त में विधायकों के घर के बाहर प्रदर्शन किया है। यह तुगलकी फरमान है जिसमें कहा है कि विधायक की सहमति से छात्रसंघ उद्घाटन होगा इसका जयपुर में विरोध हुआ है।

- कॉलेज प्रशासन पर छात्रसंघ उद्घाटन में राजनीति करने का आरोप

जिस प्रकार से सरकार के दबाब में कॉलेज प्रशासन छात्रसंघ उद्घाटन में राजनीति करने में लगा है, इसे हम बर्दाश्त नहीं करेंगे।अगर इस तुगलकी फरमान को वापस नहीं लिया गया तो विद्यार्थी परिषद बडा प्रदर्शन करेगी।

जिला संयोजक सुदीप डीगवाल ने कहा कि गहलोत सरकार में जिस तरह से पेपर लीक की घटनाएं हुई हैं उससे युवाओं का मनोबल टूटा है। बेरोजगार युवा सुसाइड तक कर चुके हैं, चलती बस में भी पेपर लीक हुए हैं यह सब शर्मनाक है। प्रदेश का युवा इस गहलोत सरकार को उखाड फेंकने का काम करेगा। इस मौके पर जलिा संगठन मंत्री पंकज यादव, प्रांत कार्य समिति राहुल चौहान, भिवाडी जिला संयोजक अंकित राठी, छात्रसंघ अध्यक्ष अनिल यादव, नगर मंत्री रोहित चौधरी, इकाई अध्यक्ष यशदीप, विशेष जैन, पूजा कुमारी, देव अग्रवाल आदि मौजूद रहे।

छह महीने बाद दर्ज हुई एफ.आई.आर.

बीकानेर, (कासं)। एक प्राइवेट स्कूल संचालक के साथ छह महीने पहले हुई मारपीट के मामले में अब गंगाशहर थाने में यहीं पर ए.एस.आई रहे भवानी दान सहित चार के खिलाफ मामला दर्ज करवाया गया है। पुलिस ने मामला दर्ज नहीं किया तो अब न्यायालय के आदेश पर एफआईआर दर्ज कराई गई है।

एफआईआर में आरोप है कि एएसआई भवानीदान और तीन अन्य कांस्टेबल ने नौ अगस्त 2022 को स्कूल में आकर संचालक लोकेश कुमार मोदी के साथ मारपीट की। जबरन उसे पुलिस जीप में डालकर ले गए। जब एएसआई आए, तब तक किसी तरह की कोई एफआईआर दर्ज नहीं थी। ये सब सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गया। इस मामले में एफआईआर दर्ज करवाने के लिए गंगाशहर पुलिस को कई बार रिपोर्ट दी गई लेकिन रिपोर्ट दर्ज नहीं हुई। ऐसे में अदालत में इस्तगासा दायर करके सीआरपीसी के तहत एफआईआर दर्ज करवाई गई है।

स्कूल संचालक के साथ मारपीट के खिलाफ तब बीकानेर के अधिकांश स्कूल संचालक एक मंच पर आ गए। कलक्टरी में विरोध प्रदर्शन किया। एसपी योगेश यादव से मिलकर विरोध दर्ज कराया, तब एएसआई को निलंबित किया गया और कांस्टेबल को लाइन हाजिर किया गया। इसके कुछ समय बाद ही एएसआई का निलंबन रद्द हो गया। गंगाशहर थाने में एएसआई सहित टीसी नहीं देने की शिकायत करने वाले अभिभावक गोविन्द सोनी के खिलाफ एफआईआर करवाई गई है।

हमले में तीन छात्र घायल

उदयपुर, (निसं)। आपसी विवाद में आरोपी ने चाकू से हमला कर तीन छात्रों को घायल का दिया । पुलिस से प्राप्त जानकारी केअनुसार खातियों का मोहल्ला हरिगढ थाना खानपुर आलावदा हॉल जीबीएच बायज हॉस्टल बेडवास निवासी विशाल पुत्र जयरम सुमन ने प्रवीण नामक बदमाश के खिलाफ प्रकरण दर्ज करवाया कि 27 जनवरी सांय मैं अपने साथी सुमित एवं मोईन अहमद के साथ चाय पी रहा था। जहां किसी बात कोलेकर कहासुनी होने पर अरोपी ने चाकू से प्राणघातक हमला कर दिया। इस दौरान चिल्लाने पर पकड़े जाने के भय से आरोपी फरार हो गया। हमले में मै व दोनों साथी घायल हो गए।

शहीद स्मारक पर अनशन जारी

सांभरझील, (निसं.)। 70 साल से सांभर को जिला बनाने की मांग लगातार जारी है लेकिन सरकार की ओर से इस संबंध में अभी तक कोई सकारात्मक उत्तर नहीं मिल रहा है। जबकि 70 साल की अवधि में निवर्तमान सरकार की ओर से प्रदेश में दौसा, बारां, प्रतापगढ, राजसमंद नवीन जिले घोषित किए गए लेकिन राजस्थान का सबसे पुराना उपखंड सांभर की उपेक्षा ही बरती गई है।

राजनीतिक प्रेशर का अभाव सांभर के हमेशा ही आड़े आता रहा है। 2012 में बार एसोसिएशन सांभर लेक की ओर से उठाएगी आवाज का समर्थन करते हुए तत्कालीन जयपुर ग्रामीण सांसद पंचायत राज मंत्री लालचंद कटारिया, क्षेत्रीय विधायक निर्मल कुमावत सहित अनेक ग्राम पंचायतों के सरपंचों व सामाजिक संस्थाओं के पदाधिकारियों ने सांभर के पक्ष में लिखित में अभिशंषा भिजवाई गई थी। इसके पश्चात वर्तमान में भी सांभर को जिला घोषित करवाने के लिए उठाई गई मांग का समर्थन करते हुए फुलेरा विधानसभा क्षेत्र से विधायक पद के उम्मीदवार रहे विद्याधर चौधरी व वर्तमान विधायक निर्मल कुमावत ने भी मांग का समर्थन करते हुए सरकार से सांभर को जिला घोषित करवाने के लिए अनुरोध किया है। जिला बनाओ संघर्ष समिति के संयोजक विवेक शर्मा नेता प्रतिपक्ष अनिल कुमार गट्टानी के नेतृत्व में शनिवार को जयपुर के शहीद स्मारक पर अनशन कर सरकार का ध्यान आकर्षित किया।

युवक ने फांसी का फंदा लगाया, तीन दिन से डिप्रेशन में था

अजमेर, (कासं)। आदर्श नगर थाना क्षेत्र में एक युवक ने अज्ञात कारणों के चलते कमरे में लगे छत के पंखे से फांसी का फंदा लगाकर जान दी तो वहीं अलवर गेट थाना क्षेत्र निवसी एक छात्रा ने ट्रेन के आगे कूद अपनी जान दे दी। पुलिस ने युवक व छात्रा का जेएलएन अस्पताल से पोस्टमार्टम करवा शव परिजनों के सुपुर्द कर दिए। पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

आदर्श नगर थाना क्षेत्र के सूर्य विहार कॉलोनी निवासी एक युवक ने शुक्रवार देर रात अज्ञात कारणों के चलते कमरे में लगे छत के पंखे से खुद को फांसी का फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। परिजन को जैसे ही पता चला उन्होंने तुरंत आदर्श नगर थाना पुलिस को सूचित कर मौके पर बुला लिया। मौके पर पहुंची पुलिस ने मृतक युवक के शव को कब्जे में लेकर जवाहरलाल नेहरू अस्पताल के मुर्दाघर में सुरक्षित रखवाया था, जहां शनिवार सुबह पुलिस ने परिजन की मौजूदगी में मृतक युवक के शव का अस्पताल से पोस्टमार्टम करा शव परिजन के सुपुर्द कर दिया। मृतक के परिजन पिता ने बताया कि पुत्र विनायक एमएससी कर चुका था और आगे की पढ़ ाई के लिए मुंबई जाने वाला था। विनायक पिछले 3 दिनों से डिप्रेशन में चल रहा था और घर में किसी से बात भी नहीं कर रहा

- छात्रा ने ट्रेन के आगे लगाई छलांग

था। शुक्रवार शाम को वह जब घर आया और सोने के लिए अपने कमरे में चला गया। रात को जब उसकी मां ने उसे खाना खाने के लिए जगाने का प्रयास किया तो कमरे में छत के पंखे से उसे लटका देख उसके होश उड़ गए। मां ने शोर मचा दिया, शोर सुनकर परिवार के अन्य लोग भी वहां पहुंच गए और पुलिस को सूचना देकर बुला लिया।

आदर्श नगर थाना पुलिस ने जवाहरलाल नेहरू अस्पताल के मेडिकल जूरिस्ट चिकित्सक की सूचना पर शनिवार को अस्पताल पहुंचकर मृतक के शव का पोस्टमार्टम करवा शव परिजन के सुपुर्द कर दिया। पुलिस आत्महत्या के कारणों की जांच में जुटी है। अलवर गेट थाना क्षेत्र के शृंगार चंवरी बिहारीगंज निवासी कॉलेज छात्रा ने शुक्रवार देर राम अज्ञात कारणों के चलते रेलवे ट्रैक पर आ रही ट्रेन के आगे छलांग लगा दी जिसके कारण उसकी मौके पर ही मौत हो गई। अलवर गेट थाना पुलिस के अनुसार बिहारीगंज निवासी जितेंद्र उबाना की 25 वर्षीय पुत्री बीना उर्फ पूजा शाम को धोला भाटा इलाके में ट्रैक पर आ रही मालगाड़ी के सामने छलांग लगा दी। इसके कारण उसकी मौके पर ही मौत हो गई। सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने मृतका के शव को कब्जे लेकर जेएलएन अस्पताल के मुर्दाघर में सुरक्षित रखवा दिया। मरने से पूर्व बीना ने अपने हाथ पर परिजन का मोबाइल फोन नंबर लिखा था, जिसे देखकर पुलिस ने उक्त नंबर पर फोन करके परिजन को बुलाया था, जिसके बाद ही उसकी शिनाख्त बीना उबाना के रूप में हुई थी। पुलिस ने पोस्टमार्टम करा शव परिजन के सुपुर्द कर दिया, पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

उपरगामिया गांव में पैंथर ने दस्तक दी

डूंगरपुर, (निसं)। जिले की फॉरेस्ट रेंज डूंगरपुर के रंगेला नाके के उपरगामिया गांव में शनिवार सुबह पैंथर ने दस्तक दी। ग्रामीणों ने शोर मचाया तो पैंथर बरसती नाले में झाडियों के बीच छुप गया है। दरअसल शनिवार सुबह उपरगामिया गांव के ग्रामीण खेतों में गेहूं की फसल को पानी पिला रहे थे।

खेत पर श्वानो के भोंकने पर पैंथर

- पहाड़ी के चारों ओर किसानों का जमावड़ा लगा हुआ हैं

होने का संदेह हुआ तो किसान पहाडों पर चढ गए। किसानों ने खेतो के ही पास बरसाती नाले में देखा तो पैंथर चहल कदमी करता दिखाई दिया। किसानों ने शोर मचाने से दूसरे किसानों को भी सूचना हो गई । सभी किसान आस-पास के पहाडों पर जान बचाने चढ गए। वही शोर सुनकर आस-पास के घरों से भी लोग नाले के चारो तरफ के पहाडों पर जमा हो गए। भीड़ को देखकर पैंथर जंगली झाडियों में दुबक कर छुप गया।

मामले की सूचना ग्रामीणों ने वन विभाग को दी। इस पर रेस्क्यू टीम फॉरेस्टर अशोक भाई के साथ उपरगामिया गांव पहुंची। टीम ने सभी लोगो से दूर हटने का कहने के बाद भी लोग पहाडों पर डेरा डाले हुए हैं । पैंथर के नाले से बाहर आने का इंतजार किया जा रहा है,जिससे उसके बाहर आने पर सुरक्षित रेस्क्यू किया जा सके।

लॉरेंस गैंग के नाम पर पार्षद-डॉक्टर से मांगी फिरौती

पार्षदों से 50-50 लाख व चिकित्सक से मांगे एक करोड़ रुपए

हनुमानगढ़, (निसं)। जिले में लॉरेंस गैंग के नाम से फिरौती मांगने का मामला सामने आया है। दो पार्षद और एक डॉक्टर से व्हाट्सऐप के जरिये फिरौती मांगी गई है और नहीं देने की सूरत में जान से मारने की धमकी दी है। गत वर्ष भी लॉरेंस गैंग के कथित गुर्गों ने सरेआम जंक्शन की धान मंडी में एक दुकान पर फायरिंग करके दहशत फैलाई थी। इस बार अनमोल बिश्नोई और रितिक बॉक्सर का नाम सामने आया है। रितिक बॉक्सर की जंक्शन पुलिस को जंक्शन धानमंडी में हुई फायरिंग मामले में भी तलाश है।

जंक्शन थाना प्रभारी अरुण चौधरी ने बताया कि भाजपा पार्षद राजेन्द्र कुमार (45) पुत्र रामपत जाट निवासी वार्ड 57, बिजली कॉलोनी, सुरेशिया ने जंक्शन पुलिस थाने में रिपोर्ट दर्ज करवाई कि उसके और गुरदीप सिंह बराड़ निवासी गांधीनगर के मोबाइल फोन नम्बर पर 25 जनवरी को अज्ञात नम्बर से व्हाट्सऐप से वॉइस कॉल आई। कॉल करने वालों ने खुद को लॉरेंस गैंग के अनमोल बिश्नोई और रितिक बॉक्सर बताते हुए जान से मारने की धमकी दी।

बीकानेर रेंज आईजी ओमप्रकाश पासवान ने बताया कि संभाग के चारों जिलों में ऑपरेशन हंटर चलाया जा रहा है, जिसमें हिस्ट्रीशीटर और हार्डकोर बदमाशों की कुंडली बनाई जा रही है। उधर, हनुमानगढ़ एसपी डॉक्टर अजय सिंह ने बताया कि दोनों मामले में अनमोल बिश्नोई का नाम सामने आया है। वहीं, एक मामले में रितिक बॉक्सर का भी नाम आया है। रितिक बॉक्सर को पकड़ने के लिए अलग से टीम गठित की गई है, जो हल्की सी जानकारी मिलने पर दबिश दे रही है। वहीं, अनमोल बिश्नोई के बारे में जानकारी जुटाई जा रही है उसके लिए भी टीम गठित की है। अभी पुलिस जांच कर रही है। बदमाश पुलिस के पकड़ में आने के बाद ही ज्यादा कुछ बताया जा सकता है।

- अनमोल बिश्नोई और रितिक बॉक्सर का नाम सामने आया
- व्हाट्सऐप के जरिये फिरौती मांगी व मारने की धमकी दी

संरक्षण अधिकारी परीक्षा संपन्न

अजमेर, (कासं)। राजस्थान लोक सेवा आयोग द्वारा संरक्षण अधिकारी (महिला अधिकारिता विभाग) परीक्षा-2022 का आयोजन शनिवार को जयपुर जिला मुख्यालय पर कराया गया। आयोग सचिव एचएल अटल ने बताया कि सुबह 9 से 12 बजे तक आयोजित प्रथम प्रश्न-पत्र सामान्य ज्ञान की परीक्षा में पंजीकृत 1848 अभ्यर्थियों में से 589 अभ्यर्थियों द्वारा परीक्षा में भाग लिया। दोपहर 2 से 5 बजे तक द्वितीय प्रश्न-पत्र की परीक्षाओं का आयोजन किया गया। इसमें सोशल वर्क विषय में पंजीकृत 779 अभ्यर्थियों में से 172 अभ्यर्थियों द्वारा एवं लॉ विषय की परीक्षा के लिए पंजीकृत 1069 अभ्यर्थियों में से 396 अभ्यर्थियों द्वारा परीक्षा में भाग लिया गया।

दो करोड़ की नगदी बरामद

मदनगंज-किशनगढ़, (निसं)। बांदरसिंदरी थाना पुलिस ने नाकेबंदी के दौरान कार से करीब दो करोड 7 लाख की नगदी बरामद की है। पुलिस के अनुसार किशनगढ से जयपुर जा रहे कार सवार को रुकवाकर तलाशी लेने पर बैग में रखी नगदी पड़ी मिली। पूछताछ के दौरान कारोबारी से इतनी बड़ी रकम मिलने के बावजूद कारोबारी संतुष्ट जबाब नहीं दे पाया। इसके चलते राशि जब्त की गई। अजमेर कंट्रोल रूम से मिली इतला के आधार पर नाकाबन्दी कर क्रेटा कार को रुकवाया गया और दो बैग में रखी नगदी जब्त की।

चुनाव में पेपर लीक भ्रष्टाचार बड़ा मुद्दा होगा: मंत्री सुभाष सरकार

राजस्थान सरकार ट्रांसफर पॉलिसी पर सिर्फ बात कर रही है

बीकानेर, (निसं) । केंद्र सरकार के शिक्षा राज्य मंत्री सुभाष सरकार ने राजस्थान सरकार पर तंज कसते हुए कहा कि गहलोत सरकार रोजगार देने के बजाय पेपर लीक कर रही है और भ्रष्टाचार चरम पर है।

भाजपा कार्यालय में पत्रकारों के साथ बातचीत में कहा कि कोई चोरी करेगा तो खुद नहीं बोलेगा। इसी तरह राजस्थान में भी सरकार भ्रष्टाचार इतना कर रही है लेकिन बोल नहीं रही। पेपर लीक मामले में भी सरकार ने कोई ठोस कदम नहीं उठाया। इस चुनाव में पेपर लीक भ्रष्टाचार बड़ा मुद्दा होगा। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार अब तक स्कूल्स में टीचर्स के ट्रांसफर के लिए प्लान नहीं बना सकी है ट्रांसफर पॉलिसी की सिर्फ बात हो रही है। राज्य सरकार को केंद्रीय विद्यालयों से सीखना चाहिए, जहां एक नीति के तहत टीचर्स को ट्रांसफर मिलता है। उन्होंने कहा कि देश में नई शिक्षा नीति धीरे -धीरे लागू हो रही है।

केंद्र सरकार की योजनाओं को गिनाते हुए सरकार ने कहा कि चिरंजीवी योजना को सिर्फ राजनीतिक रूप से देखा जा रहा है। आयुष्मान भारत से देश में करोड़ों लोगों को लाभ हुआ है। उसी को अपने स्तर पर बदलकर

केन्द्रीय शिक्षा राज्य मंत्री सुभाष सरकार ने भाजपा कार्यालय में प्रेसवार्ता की।

- बी.बी.सी. डॉक्युमेंट्री देखना राष्ट्र द्रोह

गहलोत सरकार अपना प्रचार कर रही है। स्वास्थ्य योजनाओं के नाम पर राजनीति हो रही है। उन्होंने कहा कि आयुष्मान भारत योजना में साठ प्रतिशत प्रीमियम सरकार भर रही है जबकि चिरंजीवी योजना से जनता को आर्थिक भार सहन करना पड़ रहा है।

बीबीसी डॉक्युमेंट्री पर रोक के मुद्दे पर कहा कि देश में गलत चीज दिखाना बर्दाश्त नहीं है। एंट्री नेशनल फीलिंग बच्चों में नहीं आने देंगे। इससे देश व बच्चों को नुकसान होगा। बीबीसी डॉक्यूमेंट्री में भी एंट्री नेशनल फीलिंग है। उन्होंने कहा कि मध्य प्रदेश सरकार बच्चों को रामचरित मानस के बारे में कुछ सीखा रही है तो ये स्वागत योग्य है।

केंद्रीय मंत्री सुभाष सरकार ने भाजपा कार्यालय में कार्यकर्ताओं से संवाद किया व पार्टी की रीति नीति बताते हुए अपने अनुभव साझा करते हुए कहा राजस्थान में जल्दी कमल खिलने वाला है और वेंटीलेटर पर चल रही कांग्रेस सरकार की विदाई होने वाली है। आज के कार्यक्रम में डॉ सत्यप्रकाश आचार्य, मुमताज अली भाटी, अखिलेश प्रताप सिंह, नारायण चोपड़ा, राजेंद्र पंवार, मोहन सुराणा, अनिल शुक्ला, नरेश नायक, आनंद सिंह भाटी, हनुमान चावड़ा, भूपेंद्र शर्मा, सुमन छाजेड़, सुषमा बिस्सा, रमजान अब्बासी, श्याम चौधरी, ओम प्रकाश मीणा, मुकेश ओझा, संगीलाल गहलोत, उपस्थित रहे।

'अशोक गहलोत और सचिन पायलट साथ नहीं हुए तो नुकसान होना तय है'

विधायक बाबूलाल बैरवा बोले, ''परसादी लाल मीणा मेरा कोई काम नहीं करते और महेश जोशी भी झांसे देते हैं''

जयपुर, (का.प्र.)। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत कहते हैं कि इस बार उनका मिशन-156 है लेकिन इधर पार्टी के विधायकों ने मंत्रियों पर काम नहीं करने का आरोप लगाया है। साथ ही कहा है कि यदि दोनों नेता (अशोक गहलोत और सचिन पायलट) साथ नहीं हुए तो नुकसान होना तय है।

प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय में आयोजित हाथ से हाथ जोड़ो अभियान के संबंध में बैठक के बाद मीडिया से बात करते हुए कठूमर से कांग्रेस विधायक बाबूलाल बैरवा ने स्वास्थ्य मंत्री परसादीलाल मीणा और जलदाय मंत्री महेश जोशी के खिलाफ काम नहीं करने के आरोप लगाए हैं। बैरवा ने कहा, ''मैं चार बार का विधायक हूं, स्वास्थ्य मंत्री परसादीलाल मीणा और जलदाय मंत्री महेश जोशी मेरे काम नहीं करते। मैं दलित विधायक हूं, शायद इसलिए परसादी मेरे काम नहीं करते, और तो कोई कारण समझ नहीं आता। महेश जोशी भी केवल झांसा देते हैं, मेरा कोई काम नहीं करते। सुना है कि स्वास्थ्य मंत्री का बेटा विभाग चला रहा है। जब इस बात की शिकायत मैंने मुख्यमंत्री से की, तो मुख्यमंत्री ने कहा देवाराम को बता दो। मैंने उन्हें बताया लेकिन इसके बावजूद वहां से भी काम नहीं हुआ।''

> ■ 'मैंने मुख्यमंत्री से कहा, तो मुख्यमंत्री ने कहा देवाराम को बता दो, मैंने उन्हें बताया, लेकिन इसके बावजूद वहां से भी काम नहीं हुआ'

बैरवा ने कहा ''मेरा कोई काम परसादी लाल मीणा नहीं करता है। उससे ज्यादा सीनियर हूं। उससे पहले मैं विधायक बना, लेकिन मेरा कोई काम नहीं करता है। मैंने मेरे बेटे को भेजा, जो उपाध्यक्ष भी है उसे भगा रघु शर्मा ने भी काम नहीं किए थे, लेकिन मेरे आवाज उठाते ही दूसरे दिन ही सरेंडर हो गए थे। मेरे इलाके में अस्पताल, सब सेंटर कुछ नहीं खोले। मेरे इलाके में सैकड़ों पद खाली हैं। डॉक्टर नहीं हैं। मुख्यमंत्री और प्रभारी को कई बार कह दिया लेकिन काम नहीं हुए। जलदाय मंत्री महेश जोशी भी कोई काम नहीं करते। मेरे क्षेत्र में एक्सईएन लगाना है, स्टाफ लगाना है। कठूमर में एक्सईएन का नया ऑफिस खोला है, लेकिन वहां अब तक कुछ नहीं हुआ। मैं 20 बार मिल चुका हूं। मंत्री बोल देते हैं लेकिन काम नहीं करते हैं। मेरा काम तो महेश जोशी और परसादी लाल मीणा ही नहीं करते, बाकी मंत्री तो करते हैं। हर साल 40 हैंडपंप मिलते थे लेकिन जलदाय मंत्री ने आठ भी नहीं दिए। पिछले बजट में मुख्यमंत्री ने हैंडपंप घोषित किए थे, लेकिन यह दूसरा बजट आने को है, साल भर निकल गया, अब तक काम नहीं हुआ।'' बैरवा ने कहा, ''सरकार के प्रति भले ही ग्राउंड पर सत्ता विरोधी लहर नहीं हो, लेकिन अशोक गहलोत और सचिन पायलट को एक होना होगा। सचिन पायलट नेता हैं, एक पूरी कौम उनके साथ है। वह मुझे भी वोट देती है, यह तो सत्य है। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत और सचिन पायलट एक नहीं हुए तो पार्टी को नुकसान होगा। उनके एक होने पर ही सरकार बनेगी।''

बाबूलाल बैरवा से पहले कांग्रेस विधायक दिव्या मदेरणा, अमीन खान ने विधानसभा के पिछले बजट सत्र में जमकर मंत्रियों के कामकाज पर सवाल उठाए थे। दिव्या मदेरणा ने जलदाय मंत्री महेश जोशी को रबर स्टैंप तक कह दिया था। अमीन खान ने कहा था कि उनके जिले में काम नहीं हो रहे, मुस्लिम 90 फीसदी वोट कांग्रेस को देता है लेकिन बदले में उन्हें अधिकार नहीं मिलते।

दो साल पहले पायलट समर्थक विधायक वेद प्रकाश सोलंकी कई बार पुलिस की भूमिका पर सवाल उठा चुके हैं। कांग्रेस की बैठकों में भी मंत्री सवालों के घेरे में रहे हैं। सचिन पायलट समर्थक मंत्री हेमाराम चौधरी बिजली नहीं आने के मुद्दे पर सार्वजनिक रूप से पिछले सप्ताह सवाल उठाए थे। पूर्व मंत्री हरीश चौधरी ने पेपर लीक पर सवाल उठाए थे।

पेपर लीक में सीबीआई जांच की मांग पर डॉ.किरोड़ी का धरना जारी

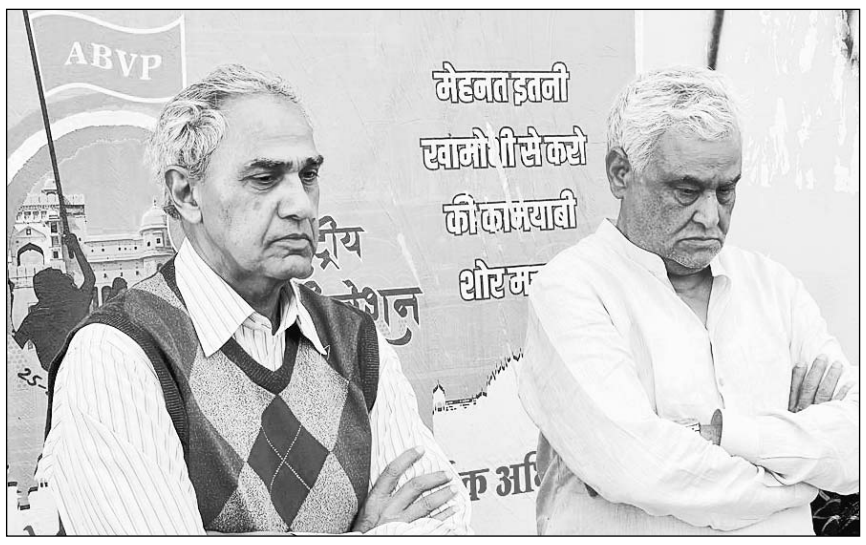

पेपर लीक के मामलों की सीबीआई जांच की मांग को लेकर राज्यसभा सांसद डॉक्टर किरोड़ी लाल मीना (दायें) के धरने में कांग्रेसी विधायक हरीश मीणा (बायें) समर्थन देने पहुंचे।

जयपुर। पेपर लीक के मामलों की सीबीआई जांच एवं सरकारी नौकरियों में राजस्थान के युवाओं को 95 प्रतिशत आरक्षण आदि मांगों को लेकर आज 5वें दिन भी इस कड़ाके की ठंड में प्रदेश के सैकड़ों युवाओं के साथ राज्यसभा सांसद डॉक्टर किरोड़ी लाल मीना धरने पर बैठे रहे।

इस दौरान आज धरना स्थल पर कांग्रेस विधायक हरीश मीना, विधायक प्रताप सिंह सिंघवी, पूर्व राज्यसभा सांसद रामकुमार वर्मा एवं भाजपा के वरिष्ठ नेता ज्ञानदेव आहूजा मौक़े पर मौजूद रहे। डॉक्टर मीना एक बार अचानक सैंकड़ों युवाओं के साथ जयपुर की और कूच कर दिया तब पुलिस प्रशासन इस मूवमेंट को देख प्रशासन के हाथ पेर फूल गए, प्रशासन ने मशक़्क़त कर डॉक्टर मीना के क़ाफ़िले को रोकने में कामयाब रहे। डॉक्टर किरोड़ी लाल ने हरीश मीना द्वारा धरना स्थल पहुँचने पर स्वागत किया ओर कहा लगातार हो रहे पेपर लीक से प्रताड़ित, निराश और हताश

> ■ सरकार को बेरोज़गार युवाओं की जायज़ मांग माननी ही पड़ेगी : किरोड़ी मीणा

युवाओं के आंदोलन को समर्थन देने के लिए कांग्रेस विधायक हरीश मीणा का आभार। ये मुद्दा राजनीति का नहीं, बल्कि बेरोजगारों को न्याय दिलाने का है। सभी जनप्रतिनिधि दलीय बंधन छोड़ युवाओं का साथ देना चाहिए। इस दौरान हरीश मीना ने कहा कि एक जनप्रतिनिधि होने के नाते मेरा दायित्व बनता है कि जो माँग डॉक्टर मीना उठा रहे वो जायज़ है। मैं इन मांगों को विधानसभा में उठाऊँगा। हरीश मीना ने कहा की पेपर लीक के मगरमच्छों को पकड़ना ही चाहिए। प्रदेश के युवाओ के साथ ग़लत हो रहा है। मैं प्रदेश कि युवाओं के साथ हूँ इस पर डॉक्टर मीना ने कहा कि आप सचिन पायलट को भी लेकर आए जिससे युवाओं की आवाज़ को ओर मज़बूती मिले। डॉक्टर किरोड़ी लाल ने कहा कि मुख्यमंत्री अशोक गहलोत क्या जाँच एजेंसी हो? जो खुले मंच पर अफसरों-नेताओं को क्लीन चिट देकर जांच एजेंसी को दबाब में लाने का काम कर रहे हैं। क्या इसी वजह से पेपर लीक के एक भी मामले में राजस्थान पुलिस तह तक नहीं पहुंची है? यदि सरकार की बड़े मगरमच्छों को पकड़ने की मंशा है तो तुरंत सीबीआई जांच की अनुशंसा करनी चाहिए। पेपर लीक कर बेरोजगारों के सपनों को चकनाचूर करने वाले नकल माफिया के सख्त कार्रवाई बेहद जरूरी है। चाहे वो कितना भी बड़ा क्यों न हो। यदि सरकार ने हठधर्मिता नहीं छोड़ी और बेरोजगारों के साथ न्याय नहीं किया तो युवा शक्ति आगामी चुनावों में ऐसा सबक सिखाएगी कि प्रदेश में कोई कांग्रेस का नाम लेने वाला भी नहीं बचेगा। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत आप तो सियासी नफा-नुकसान का गणित समझते ही होंगे। फिर इतना हठ क्यों?

खुली जेल में ना सलाखें और ना ताले, ये खुले आसमान में पतंग जैसी : जस्टिस बोस

जयपुर, (का.सं.)। सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश अनिरुद्ध बोस ने कहा कि खुली जेल में ना ऊंची दीवारें हैं, ना लोहे की सलाखें और ना ही उन पर लगे मोटे ताले। खुली जेल तो खुले आसमान में उड़ती पतंग जैसी है, जिसे उड़ने का मौका भी दिया जाता है और डोर से नियंत्रित भी रखा जाता है। जस्टिस बोस ने यह विचार शनिवार को सांगानेर स्थित देश की सबसे बड़ी खुली जेल के निरीक्षण के दौरान रखे। उन्होंने कहा कि खुली जेल कैदियों के लिए सामान्य जीवन जीने के मौके के साथ ही दंड भुगतने की जगह है। जहां से वे बाहर जाकर काम कर सकते हैं और काम के बाद वापस आकर रह सकते हैं।

वहीं सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश और राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण के अध्यक्ष संजय किशन कौल ने कहा कि खुली जेल में स्थित घरों की छत टीन की है। यदि यहां सीवरेज और पक्की छत की सुविधा मिल जाए तो कैदियों का जीवन आसान हो सकता है। राजस्थान हाईकोर्ट के सीजे पंकज मित्थल ने कहा कि कैदियों को मुख्यधारा में लाने का काम किया जा रहा है। यहां स्थित स्कूल में कुल 54 बच्चे हैं और इनमें से 27 बच्चे बाहर से आते हैं। खुली जेलों से जेल की कई समस्याएं खत्म हो जाती है। वहीं यहां कैदियों को विश्वास पर रखा जाता है। उन्होंने कहा कि मरने के बाद भी मानवाधिकार का ध्यान रखना चाहिए। निरीक्षण के दौरान न्यायाधीशों ने खुली जेल में रह रहे कैदियों के घरों में जाकर उनसे मुलाकात की और उनकी भावनाएं जानी। इस दौरान महिला कैदी ने कहा कि उन्हें यह जगह गेटेड टाउनशिप जैसी लगती है, जहां वे परिवार के साथ रहते हैं। कार्यक्रम में मौजूद सुप्रीम कोर्ट के पूर्व न्यायाधीश मदन वी लोकुर, हाईकोर्ट जस्टिस एमएम श्रीवास्तव सहित अन्य सभी जजों ने राजस्थान की तर्ज पर देश के अन्य राज्यों में भी बंदियों के लिए खुली जेल खोले जाने की मंशा जताई है। जजों का मानना है कि ओपन जेल की अवधारणा बंदियों को उनके परिवार के साथ ना केवल जीवन जीने का मौका देती है बल्कि मुख्य धारा में लाने का प्रयास भी है।

सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश अनिरुद्ध बोस (बीच में) ने शनिवार को सांगानेर स्थित देश की सबसे बड़ी खुली जेल का निरीक्षण किया।

कार्यकर्ताओं को प्रेरित किया

जयपुर। भारतीय जनता पार्टी द्वारा चलाए जा रहे नव मतदाता अभियान के अंतर्गत जयपुर शहर ने शहर के सभी मंडल प्रभारियों को नव मतदाता अभियान से संबंधित दिशा-निर्देश जिसमें सक्रिय बूथ, पन्ना प्रमुख जैसी महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा हुई।

साथ ही राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा द्वारा बताए गए निर्देशों का पालन करने के लिए जिला अध्यक्ष राघव शर्मा ने कार्यकर्ताओं को प्रेरित किया। बैठक जवाहर नगर स्थित जयपुर शहर कार्यालय में आयोजित हुई।

तबादले के पांच माह बाद कार्यमुक्ति आदेश पर हाईकोर्ट ने रोक लगाई

जयपुर, (का.सं.)। राजस्थान हाईकोर्ट ने नर्सिंग ऑफिसरों के तबादला करने के पांच माह बाद जारी कार्यमुक्ति आदेश की क्रियान्विति पर रोक लगा दी है। इसके साथ ही अदालत ने नर्सिंग ऑफिसरों को वर्तमान पद पर ही कार्य करते रहने को कहा है। जस्टिस सुदेश बंसल की एकलपीठ ने यह आदेश मुकेश कुमारी व अन्य की याचिका पर सुनवाई करते हुए दिए। अदालत ने कहा कि याचिकाकर्ताओं को तबादला आदेश जारी करने के बाद पांच माह तक कार्यमुक्त नहीं करना नियमों के खिलाफ है। ऐसे में कार्यमुक्ति आदेश की क्रियान्विति पर रोक लगाना उचित रहेगा।

याचिका में अधिवक्ता सुनील कुमार सिंगोदिया ने अदालत को बताया कि याचिकाकर्ता झुंझुनूं के विभिन्न स्वास्थ्य केंद्रों में पदस्थापित हैं। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग ने गत 3 सितंबर को आदेश जारी कर याचिकाकर्ताओं को सरप्लस घोषित कर दिया और उनका तबादला जोधपुर कर दिया। हालांकि विभाग ने करीब पांच माह बीतने के बाद भी उन्हें वर्तमान पद से कार्यमुक्त नहीं किया। वहीं गत 19 जनवरी को विभाग ने अचानक आदेश जारी कर उन्हें स्थानांतरित स्थान के लिए कार्यमुक्त कर दिया। याचिका में कहा गया कि विभाग ने तीन सितंबर को सरप्लस घोषित किया था। इस दौरान याचिकाकर्ताओं को सुनवाई का मौका नहीं दिया गया। जबकि नियमानुसार जिले में सरप्लस कर्मचारियों की सूची बनाकर संबंधित कर्मचारी को सुनवाई का मौका देने के बाद ही उसे सरप्लस घोषित किया जा सकता है। ऐसे में उन्हें सरप्लस घोषित करना नियम विरुद्ध है। वहीं तबादला आदेश जारी होने के बाद भी याचिकाकर्ताओं को आवश्यकता के कारण वर्तमान पर पदस्थापित रखा गया और नियमों के खिलाफ जाकर उन्हें पांच माह बाद कार्यमुक्त कर दिया गया। ऐसे में विभाग की ओर से जारी कार्यमुक्ति आदेशों को रद्द किया जाए। इस पर एकलपीठ ने कार्यमुक्ति आदेशों की क्रियान्विति पर रोक लगाते हुए उन्हें वर्तमान पदों पर ही काम करते रहने को कहा है।

कांस्टेबल को प्रमोशन कैडर कोर्स में शामिल करने का आदेश

जयपुर, (का.सं.)। राजस्थान हाईकोर्ट ने पुलिस कांस्टेबल के खिलाफ एसीबी प्रकरण लंबित होने का हवाला देकर उसकी हैड कांस्टेबल पद पर पदोन्नति रोकने के मामले में विभाग को आदेश दिए हैं कि वह कांस्टेबल को प्रमोशन कैडर कोर्स में शामिल करे। इसके साथ ही अदालत ने प्रमुख गृह सचिव, डीजीपी, आईजी भर्ती और दौसा एसपी से चार सप्ताह में जवाब मांगा है। जस्टिस सुदेश बंसल की एकलपीठ ने यह आदेश रामवतार की याचिका पर दिए।

याचिका में अधिवक्ता प्रेमचंद देवन्दा ने अदालत को बताया कि याचिकाकर्ता वर्ष 1998 में पुलिस कांस्टेबल पद पर नियुक्त हुआ था। वर्ष 2016 में उसे एसीबी प्रकरण में गिरफ्तार होने पर निलंबित कर दिया गया।

वहीं वर्ष 2019 में जमानत मिलने के बाद विभाग ने निलंबन आदेश रद्द कर दिया। याचिका में कहा गया कि पुलिस चयन बोर्ड ने वर्ष 2017-18 और 2018-2019 के लिए वरिष्ठता के आधार पर रिक्तियां जारी कर वरिष्ठता सूची तैयार की गई। दोनों वर्ष की रिक्तियों में याचिकाकर्ता का नाम वरिष्ठता सूची में शामिल था, लेकिन विभाग ने एसीबी केस लंबित होना बताकर याचिकाकर्ता को हैड कांस्टेबल पद पर पदोन्नति के लिए प्रमोशन कैडर कोर्स में भेजने और अंतिम परिणाम जारी करने से इनकार कर दिया। याचिका में कहा गया कि याचिकाकर्ता के खिलाफ एसीबी में झूठा मामला दर्ज कराया गया था। जिसमें वह जमानत पर रिहा हो चुका है। वहीं उसके निलंबन आदेश को भी रद्द किया जा चुका है। इसके अलावा गृह विभाग के वर्ष 1984 के परिपत्र के अनुसार आपराधिक मामला लंबित होने के आधार पर किसी व्यक्ति को पदोन्नित से वंचित नहीं किया जा सकता। इस पर सुनवाई करते हुए एकलपीठ ने याचिकाकर्ता को प्रमोशन कैडर कोर्स में शामिल करने के आदेश देते हुए संबंधित अधिकारियों से जवाब तलब किया है।

हिंद रक्षक सेवा संस्था ने भगवा वाहन रैली निकाली

जयपुर। हिंद रक्षक सेवा संस्था जयपुर की ओर से शनिवार को सिविल लाइंस में विशाल भगवा वाहन रैली निकाली गई। भगवा रैली को भगवा झंडी दिखाकर रवाना किया। ये वाहन रैली दोपहर 12 बजे गुर्जर की थड़ी से शुरू होकर ढोल नगाड़ों के साथ न्यू सांगानेर रोड, श्याम नगर होते हुए सिविल लाइन मेट्रो स्टेशन के पास स्थित बाल निवास गार्डन पहुंची। भगवा रैली के अंदर न्यू सांगानेर रोड पर हजारों वाहनों के साथ लोगों की लंबी-लंबी कतारें दिखाई दीं।

जगह-जगह रणजीत सिंह सोडाला का माला एवं साफा पहनाकर स्वागत किया गया। जय श्री राम और भारत माता की जय के नारों के साथ रैली में युवाओं का जोश देखते ही बन रहा था। लोगों ने घर की छतों से रैली पर फूलों की वर्षा की।

सिविल लाइंस क्षेत्र भगवा ध्वज और जय श्री राम के नारों से गुंजायमान हो गया। भारी भीड़ के चलते बाल निवास गार्डन खचाखच भर गया। कार्यक्रम में 5 हजार से भी ज्यादा लोग शामिल हुए। वहीं सैकड़ों बैंडबाजे के साथ महिलाएं पैदल मार्च करते हुए कार्यक्रम स्थल पहुंची। कार्यक्रम में महिलाओं का खासा उत्साह नजर आया। संस्था अध्यक्ष एवं कार्यक्रम संयोजक रणजीत सिंह सोडाला ने लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि वर्तमान समय में कांग्रेस सरकार की तुष्टिकरण की नीति और सनातन संस्कृति पर जिस तरह से कुठाराघात किया जा रहा है।

कार्यक्रम में क्रीड़ा भारती के प्रदेश संयोजक मेघ सिंह, सांसद रामचरण बोहरा, जूना अखाड़ा के नावलगिरी महाराज, अखिल भारतीय धर्म संसद के अध्यक्ष आचार्य राजेश्वर, भाजपा के जयपुर शहर अध्यक्ष राघव शर्मा, पूर्व शहर अध्यक्ष संजय जैन, सरल बिहारी मंदिर महंत दीपक बल्लभ गोस्वामी, पंकज शर्मा, पार्षद धीरेश शर्मा, राजकुमार शर्मा, अंशु शर्मा, हेमेंद्र शर्मा समेत कई लोग उपस्थित रहे।

दौसा के कई कार्यों के लिए दी मंजूरी

जयपुर (का.सं.)। प्रदेश में पर्यटन विकास के लिए संकल्पित राज्य सरकार ईको टूरिज्म को बढ़ा रही है। दौसा जिले में पर्यटन की संभावनाओं को देखते हुए प्राकृतिक स्थलों के विकास के लिए अहम निर्णय लिए गए हैं। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने जिले में नीलकंठ बॉयोडायवर्स फॉरेस्ट और खान भांकरी ईको पार्क विकास के लिए 3 करोड़ रुपए (1.50-1.50 करोड) की वित्तीय स्वीकृति दी है।

गहलोत की स्वीकृति से दौसा जिला पर्यटन मानचित्र पर स्थापित होगा। स्थानीय रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे। वित्त विभाग द्वारा दोनों कार्यों के लिए पूर्व में 54.25 लाख रुपए स्वीकृत किए गए थे। अब कार्यों को विस्तृत रूप देते हुए 3 करोड रुपए का प्रावधान किया गया है।

एस.सी.ओ. फिल्म महोत्सव का शुभारंभ

जयपुर, (का.सं.)। केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर और राज्य मंत्री मीनाक्षी लेखी ने अन्य लोगों के साथ दीप प्रज्ज्वलित कर मुंबई में शुक्रवार शाम को पांच दिवसीय एससीओ फिल्म महोत्सव का उद्घाटन किया।

उद्घाटन समारोह में विशिष्ट अतिथि हेमा मालिनी और अक्षय कुमार, टाइगर श्रॉफ, साजिद नाडियाडवाला, ईशा गुप्ता, पूनम ढिल्लों, एली अवराम,

> ■ सूचना और प्रसारण मंत्री अनुराग ठाकुर ने एससीओ देशों के बीच सिनेमाई साझेदारी बनाने का आव्हान किया

ऋषिता भट्ट और जैकी भगनानी जैसी अन्य प्रतिष्ठित फिल्मी हस्तियों का इस अवसर पर सम्मान किया गया। ठाकुर ने कहा कि ''भारतीय फिल्में एससीओ से जुड़े देशों में लोकप्रिय हैं और फिल्मों ने लोगों के बीच परस्पर संबंधों में एक बड़ी भूमिका निभाई है।'' इसके साथ ही उन्होंने कहा कि इस फिल्म महोत्सव का मुख्य लक्ष्य एससीओ देशों की अलग-अलग फिल्में दिखाना और फिल्म निर्माण के अलग-अलग स्टाइल से परिचित कराना है। ठाकुर ने आगे कहा कि यह महोत्सव इस क्षेत्र के देशों के बीच सिनेमाई साझेदारी बनाने का एक असाधारण अवसर प्रदान करता है। एससीओ फिल्म महोत्सव में कुल 57 फिल्में दिखाई जाएंगी हैं और 14 फिल्मों को फिल्म महोत्सव के कंपटीशन सेक्शन के लिए नामांकित किया गया है। इनमें पननलिन की ऑस्कर के लिए चुनी गई गुजराती फिल्म छेल्लो शो और निखिल महाजन की पुरस्कार विजेता मराठी फिल्म गोदावरी शामिल हैं।

इस मौके पर एनिमेशन सीरीज भारत हैं हम का प्रोमो रिलीज किया गया। सूचना और प्रसारण मंत्रालय की ओर से ग्रेफिटी मीडिया के सहयोग से केंद्रीय संचार ब्यूरो द्वारा बनाई जा रही 52 भाग की श्रृंखला भारत हैं हम हमारे सबसे खास दर्शक बच्चों को जाने-पहचाने और गुमनाम स्वतंत्रता सेनानियों की कहानी बताती है।

केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर और राज्य मंत्री मीनाक्षी लेखी ने अन्य लोगों के साथ दीप प्रज्ज्वलित कर मुंबई में शुक्रवार शाम को फिल्म महोत्सव का उद्घाटन किया। उद्घाटन समारोह में विशिष्ट अतिथि हेमा मालिनी और अक्षय कुमार, टाइगर श्रॉफ, साजिद नाडियाडवाला, ईशा गुप्ता, पूनम ढिल्लो, एली अवराम, ऋषिता भट्ट और जैकी भगनानी जैसी अन्य प्रतिष्ठित फिल्मी हस्तियां मौजूद रहीं।

करोना का कोई भी नया मरीज नहीं मिला शनिवार को

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। प्रदेश में शनिवार को करोना संक्रमण का कोई भी नया मामला सामने नहीं आया है। वहीं इस दौरान दो मरीजों के ठीक होने से एक्टिव केस घटकर चार रह गए हैं।

प्रदेश में पिछले चौबीस घंटों में किसी भी जिले में नया संक्रमित नहीं पाया गया है। इससे पहले शुक्रवार को राज्य में एक संक्रमित मिला था। इधर राजधानी जयपुर में लगातार दूसरे दिन भी कोई नया मरीज नहीं पाया गया है। इसके साथ ही राजधानी में फिलहाल दो एक्टिव केस बचे हैं। शनिवार को जोधपुर में दो मरीजों के रिकवर होने से राज्य में अब 4 ही एक्टिव केस रह गए हैं। इनमें जयपुर में 2 तथा जोधपुर और भरतपुर में 1-1 केस बचा है। प्रदेश में शनिवार को करोना से किसी भी मरीज की मौत नहीं हुई है। राज्य में अब तक इस बीमारी से 9654 लोगों की मौत हो चुकी है। प्रदेश में शनिवार को 4 हजार 955 टीके लगाये गये है। इनमें 3 हजार 395 लोगों को प्रोकॉशन डोज दी गई है।

> ■ राजधानी में दो एक्टिव केस बचे हैं

बदमाशों ने युवती की चेन तोड़ी

जयपुर। मालवीय नगर थाना इलाके में बाइक सवार बदमाश एक युवती की सोने की चेन तोड ले गए। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और घटनाक्रम की जानकारी लेकर इलाके में नाकाबंदी भी करवाई, लेकिन चेन स्नेंचरों का कोई सुराग नहीं लग पाया। पुलिस ने मामला दर्ज कर आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है। पुलिस ने बताया झालाना डूंगरी निवासी अनुश्री ने मामला दर्ज करवाया है कि 26 जनवरी की शाम इलाके स्थित उषा कॉलोनी से गुजर रही थी। इस दौरान बाइक सवार बदमाश गले पर झपट्टा मार सोने की चेन तोड़ ले गए।

सराफ ने किया कमरों का लोकार्पण

जयपुर। मालवीय नगर विधायक एवं पूर्व चिकित्सा मंत्री कालीचरण सराफ ने सेक्टर 3 मालवीय नगर में राजकीय शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में विधायक कोष द्वारा प्रदत्त राशि से प्रथम तल पर निर्मित कमरों का एवं अन्य कार्यों का लोकार्पण किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता महिला आयोग की पूर्व अध्यक्ष सुमन शर्मा ने की, विशिष्ट अतिथि स्थानीय पार्षद जयश्री गर्ग एवं हिमांशु जैन थे। सराफ ने स्थानीय डॉ अनिल दलेला और डिस्पेंसरी के मेडिकल स्टाफ की मांग पर मरीजों को बैठने के लिए विधायक कोष से एक बरामदा, 2 एयर कंडीशनर और अन्य कार्य करवाने की घोषणा की। डिस्पेंसरी के डॉक्टर और मेडिकल स्टाफ ने सराफ का माला पहना जोरदार स्वागत कर आभार प्रकट किया।

दूधवा नदी में अवैध खनन के चलते हो रही हरे पेड़ों की कटाई

प्रशासन द्वारा प्रभावी कार्यवाही नहीं होने से खनन माफियाओं के हौसले बुलंद

खेतड़ी, (निसं)। खेतड़ी उपखंड के दूधवा नदी में अवैध खनन के चलते हरे पेडों की कटाई बैखौफ होकर की जा रही है। नदी में खनन को रोकने के लिए लगाई पुलिस की अस्थाई चौकी के बाद भी नदी क्षेत्र में धडल्ले से बजरी का अवैध खनन किया जा रहा है।

नदी में बजरी का खनन व हरे पेडों की कटाई बंद करने की मांग को लेकर ग्रामीण कई बार मुद्दा उठा चुके हैं, लेकिन प्रशासन द्वारा खनन माफियाओं के खिलाफ कोई ठोस कार्रवाई नहीं किए जाने के कारण सरेआम बजरी का खनन किया जा रहा है। ग्रामीणों ने नदी में खनन को रोकने के लिए मुख्य सचिव उषा शर्मा से वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से जनसुनवाई के दौरान भी मुद्दा उठाया था। जिस पर मुख्य सचिव ने स्थानिय प्रशासन को आमजन की समस्याओं को तत्परता से सुनकर उनका तुरंत समाधान करने के निर्देश दिए थे। दूधवा के ग्रामीणों ने बताया कि ग्राम पंचायत दूधवा नांगलिया के पास से गुजर रही दोहान नदी में रोक के बावजूद भी भारी मात्रा में अवैध रूप से बजरी का खनन कर हरे पेडों की कटाई की जा रही है। आए दिन हो रही हरे पेडों की कटाई व अवैध खनन के कारण प्राकृतिक व पर्यावरण को भारी नुकसान हो रहा है, जिसको लेकर ग्रामीण पूर्व में भी कई बार शिकायत व धरना प्रदर्शन कर चुके हैं। अवैध खनन को रोकने व हरे पेडों की कटाई पर लगाम लगाने को लेकर ग्रामीणों द्वारा न्यायालय में जनहित याचिका भी लगाई गई थी। नदी में खनन माफिया अवैध रूप से हजारों की संख्या में हरे पेडों की बलि चढा चुके हैं, नदी में भारी मात्रा में जंगलात के रूप में खडे पेड़ों की संख्या है, जो खनन माफियाओं द्वारा बजरी निकालने को लेकर नष्ट किए जा रहे हैं। ग्रामीणों द्वारा पूर्व में भूख हड़ताल व धरना प्रदर्शन भी किया गया था। जिस पर जिला कलेक्टर ने तहसीलदार, एसडीएम, माइनिंग विभाग, वन विभाग के द्वारा कमेटी भी बनाई गई थी। जिला कलेक्टर ने ग्रामीणों की मांग पर अवैध खनन व पेड़ों की कटाई पर रोक लगाने को लेकर स्थाई चौकी लगाने के निर्देश दिए थे, लेकिन नदी में अभी तक अवैध खनन जारी है तथा रोजाना सैकड़ों पेड़ों की बलि चढ़ाई जा रही है। खनन माफिया दिन रात अपनी मशीनों से बजरी निकाल रहे हैं, लेकिन अभी तक प्रशासनिक अधिकारियों द्वारा कोई ठोस कार्रवाई नहीं होने की वजह से अवैध खनन का धंधा बेलगाम चल रहा है।

ग्रामीण नेतराम ने बताया कि नदी में खनन माफियाओं ने खनन कर सौ फीट तक गहरे गड्ढे कर दिए। नदी क्षेत्र हरियाणा की सीमा पर स्थित होने के कारण खनन माफिया रात को नदी में मशीनें उतारकर धड़ल्ले से खनन करते है। ग्रामीणजन अवैध खनन को लेकर स्थानीय प्रशासन के अलावा जिला कलेक्टर तक गुहार लगा चुके हैं। प्रशासन द्वारा प्रभावी कार्यवाही नहीं होने से खनन माफियाओं के हौसले बुलंद हो रहे हैं तथा भारी मात्रा में पर्यावरण को नुकसान पहुंचाया जा रहा है।

इस संबंध में तहसीलदार विवेक कटारिया ने बताया कि ग्रामीणों के द्वारा अवैध खनन की सूचना मिली है। प्रशासन की ओर से जल्द ही प्रभावी कार्यवाही की जाएगी। पूर्व में भी प्रशासन ने कार्यवाही कर अवैध खनन बंद करवा दिया था।

खेतड़ी उपखंड के दूधवा नदी क्षेत्र में खनन माफियाओं ने खनन कर सौ फीट तक गहरे गड्ढे कर दिए।

- नदी में खनन रोकने के लिए लगाई पुलिस चौकी के बाद भी धड़ल्ले से हो रहा है बजरी का अवैध खनन

सड़क हादसों में दस जने घायल, दो जयपुर रैफर

राजकीय बगड़िया अस्पताल में घायलों का चिकित्सकों ने उपचार किया।

सुजानगढ़, (कासं)। शनिवार को क्षेत्र में हुए दो सड़क हादसों में 10 जने घायल हो गये। इनमें से दो गंभीर घायलों को जयपुर रैफर किया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार इयारां गांव के समीप कार व बाईक में टक्कर हो गयी। जिस हादसे में राजू व प्रेमाराम के गंभीर चोट आई। हादसे के बाद घायलों को कुलदीप सिंह राठौड़ ने अपनी निजी कार से राजकीय बगड़िया अस्पताल पहुंचाया और उपचार किया। जिसके बाद दोनों घायलों का चिकित्सकों ने उपचार कर जयपुर रैफर कर दिया। हादसे की सूचना पर साण्डवा थाना पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरु की।

दूसरी और देवाणी गांव के पास भंसाली टी.टी कॉलेज के पास हिरण को बचाने के चक्कर में बोलेरो कार अनियंत्रित होकर पलटी खा गयी। जिससे कार में सवार दस जनों के चोटें आई। घायलों ने बताया कि वे सालासर बालाजी के दर्शनों के लिये जा रहे थे। अचानक हिरण के आ जाने से कार अनियंत्रित होकर पलट गयी। घायलों को 108 एम्बुलेंस के चालक मनोहर सिंह अस्पताल लेकर पहुंचे। जंहा पर घायलों का डॉ. रविन्द्र भामूं, डॉ. विजय बगडिया, डॉ. रघुवीर तुनवाल व चिकित्सा कर्मियों ने उपचार किया। घायलों की नवरत्न बिजारणियां, भरत नाई, कुलदीप सिंह राठौड़, मनोज प्रजापत, भूराराम ने मदद की।

- इयारां गांव के समीप कार व बाईक में टक्कर में दो गंभीर घायल
- वहीं हिरण को बचाने के चक्कर में बोलेरो कार अनियंत्रित होकर पलटी खाई

कृषि भूमि पर अवैध रुप से संचालित प्लांट के विरोध में धरना जारी

सांचौर, (निसं)। जालोर जिले के सांचौर उपखंड क्षेत्र में नियमों को ताक में रखकर क्षेत्र में भारतमाला परियोजना के तहत कार्य करने वाली एम के सी इन्फ्रास्ट्रक्चर ने लाछड़ी और कारोला में अपना प्लांट लगाकर अपनी मशीनरी, कंक्रीट, प्लांट का कार्य चालू है मगर प्रशासन नाकाम साबित हो रहा है। इतना ही नहीं कृषि भूमि पर बिना प्रशासनिक स्वीकृति व भू-रूपांतरण कराए प्लांट लगा दिए हैं। इसको लेकर शनिवार को छठे दिन भी धरना जारी है।

- कृषि भूमि पर पिछले डेढ़ वर्ष से 2 प्लांट चल रहे अवैध, करोड़ों का राजस्व नुकसान

जानकारी के अनुसार भारतमाला परियोजना एक महत्वकांक्षी योजना होने से कई फायदे भी होंगे मगर इस पर कार्य करने वाली कंपनी ने अपना प्लांट को हाईटेंशन लाइन के नीचे ही लगाकर सारे नियम कायदे को ताक में रखा। वहीं प्लांट में काम करने वालो लेबरों को अपनी जान जोखिम में डालकर कार्य को करना होगा। यह प्लांट पिछले 6 माह से चल रहा जिसको लेकर हल्का पटवारी ने नोटिस भी दिया मगर हजार करोड़ का काम करने वाली कम्पनी छोटे कर्मचारियों के नोटिस की अनदेखी कर ली हैं।

ग्रामीण क्षेत्र में भी कृषि व आवासीय भूमि पर बिना भूमि रूपांतरण करवाए प्लांट लगे हुए हैं। ऐसे में सरकार को राजस्व नुकसान हो रहा है। जबकि, ग्रामीण क्षेत्र में प्लांट लगाने के लिए ग्राम पंचायत से अनुमति लेनी होती है। लेकिन ग्राम पंचायतों की अनेदखी से कोई कार्रवाई नहीं हो रही है। जबकि, राजस्व विभाग ने 2012 में संभागीय आयुक्त, जिला कलैक्टर, उपखण्ड अधिकारी एवं तहसीलदार को परिपत्र जारी किया था। जिसके तहत राजस्थान भू-राजस्व (ग्रामीण क्षेत्रों में कृषि भूमि का अकृषि प्रयोजनार्थ संपरिवर्तन) नियम 2007 के अन्तर्गत प्राप्त संपरिवर्तन प्रभारों को ग्राम पंचायतों को हस्तान्तरण की प्रक्रिया करने का प्रावधान है। इन नियमों की अधीन राजस्व मद में जमा होने वाले संपरिवर्तन प्रभारों की शत-प्रतिशत राशि, वित्तीय वर्ष की समाप्ति तक ग्राम पंचायतों को हस्तान्तरिक किए जाने का प्रावधान किया गया है। लाछड़ी में प्लांट बने हुए हैं जो 132 केवी लाईन के नीचे कार्य व गोदाम कंक्रीट स्टॉक की जा रही हैं न तो विधुत विभाग जिम्मेदार है न ही प्रशासन सड़क से 5.5 मीटर ऊंचे हो सडक से गुजर रहे तार पर गार्डिंग अनिवार्य है।

मांगीलाल बिश्नोई हल्का पटवारी का कहना है कि लाछडी भारतमाला परियोजना के तहत कंपनी का प्लांट बना हुआ है जो नेम खान की 4 .77हैक्टेयर हैं और खेत के अंदर से हाईटेंशन लाइन जा रही हैं। जहां पर वाणिज्य कार्य होने पर राजस्व विभाग द्वारा नोटिस दिया गया हैं। मगर नोटिस का कोई जवाब नहीं दिया गया है। इसको लेकर उच्चाधिकारियों को अवगत भी करवा दिया गया है।

रविकुमार, उपखण्ड अधिकारी का कहना है कि भारतमाला परियोजना के तहत होने वाले कार्य कंपनी का प्लांट को लेकर आज धरना देने वालों ने ज्ञापन दिया है जिसकी जांच करवाता हूं। भू किस्म परिवर्तन क्यों नही की यदि ऐसे चल रहा है नियम के विरुद्ध है।

एडवोकेट सदाराम बिश्नोई का कहना है कि भारतमाला परियोजना के तहत काम करने वाली कंपनी पिछले डेढ वर्ष हो गया। हाडेतर ग्राम पंचायत के लाछडी और कारोला में बिना कोई भूमि किस्म परिवर्तन किए चल रहा है जिससें करोड़ों रुपयों का राजस्व घाटा हो रहा है। जिसकी जांच करवाकर नियमअनुसार करवाई की जावे।

लाछड़ी में अवैध रुप से संचालित प्लांट के विरोध में धरना जारी है।

हिण्डौन के महेश को सेना मेडल मिला

हिण्डौन सिटी, (निसं)। भारतीय सेना की 55 आरआर ग्रेनेडिर्य रेजिमेंट में अपनी सेवाएं दे रहे हिण्डौन के गांव बरागमा निवासी महेश चंद जाट को गणतंत्र दिवस के अवसर पर सेना मेडल से नवाजा गया है।

समीप के गांव बरगमा निवासी महेश चंद जाट भारतीय सेना की 55 आर आर ग्रेनेडिर्य रेजिमेंट में नायक के पद पर अपनी सेवाएं दे रहे हैं। उनके शौर्य, वीरता और पराक्रम के लिए गत दिवस 74 वे गणतंत्र दिवस के अवसर पर भारतीय सेना के जवानों को दिए जा रहे पुरस्कारों की सूची में उनके नाम को शामिल किया। उन्होंने भारत की सीमा पर मुस्तैदी के साथ अपनी ड्यूटी निभाते हुए आतंकवादियों से हुई मुठभेड़ में पराक्रम दिखाया था। जिसके लिए उन्हें यह मेडल प्रदान किया गया है। भारतीय सेना के जवान जाट को दिया गया यह सेना मेडल क्षेत्र के युवाओं के लिए एक प्रेरणा और देशभक्ति की भावना जागृत करने का भी काम करेगा।

ड्रेस नहीं बदलने से ग्राहक और दुकान स्टाफ के बीच विवाद हुआ, चार जने घायल

जोधपुर, (कासं)। जोधपुर पुलिस कमिश्नरेट के सरदारपुरा थाना क्षेत्र के बी रोड स्थित कपड़े की दुकान में शुक्रवार शाम ग्राहक और दुकान स्टाफ के बीच विवाद हो गया। विवाद ने झगड़े का रूप ले लिया। इसके बाद शोरूम के अंदर और बाहर दोनों पक्षों के बीच जमकर लात-घूंसे चले। जिसमें 4 लोगों को चोट आई। इसका वीडियो वायरल होने के बाद मामला थाने में दर्ज हुआ है। इस विवाद को लेकर शनिवार को सरदारपुरा थाने में दोनों पक्षों ने एक दूसरे के खिलाफ क्रॉस मामला दर्ज करवाया है।

सरदारपुरा थाना इंचार्ज सोमकरण ने बताया कि शहर के सरदारपुरा थाना इलाके के बी-रोड स्थित मन्नत कलेक्शन के नाम के कपड़े के शोरूम पर 26 जनवरी की शाम एक लड़की ड्रेस लेकर पहुंची थी। वह उस ड्रेस को चेंज करवाना चाहती थी। लड़की का कहना था कि ड्रेस की फिटिंग सही नहीं है। ड्रेस की सिलाई को लेकर शोरूम के स्टाफ से लड़की की बहस हो गई। इसके बाद शोरूम वालों ने ड्रेस को बदलने से इनकार कर दिया। युवती के साथ आए सफेद जैकेट पहने युवक ने काउंटर पर बैठे शोरूम मालिक को थप्पड़ जड़ दिया। इसके बाद शोरूम के स्टाफ ने भागकर उसे रोका और पीट दिया।

बताया जाता है कि युवती और शोरूम स्टाफ की बीच बहस जब ज्यादा बढ़ गई तो युवती ने अपने मोबाइल फोन से परिजनों को सूचना दे दी। कुछ देर बार लड़की के परिजन शोरूम पर पहुंच गए। सफेद जैकेट पहने एक लड़के ने दुकान में घुसते ही काउंटर पर बैठे शोरूम मालिक को चांटा जड़ दिया। इसके बाद दुकान में मौजूद दो लड़कों ने भागकर युवक को पकड़ा और दोनों पक्षों के बीच मारपीट शुरू हो गई। कुछ देर तक लड़की के परिजन और शोरूम के मालिक व स्टाफ के बीच सड़क पर ही जमकर मारपीट होती रही। इस दौरान युवती भी मौजूद रही।

शोरूम स्टाफ की ओर से बताया गया कि लड़की कई बार ड्रेस को चेंज करा चुकी थी। हर बार वह ड्रेस में नुक्स निकाल कर लौटा रही थी। इसलिए उसे मना किया था। लेकिन उसने परिजनों को बुलाकर शोरूम में हंगामा कर दिया। आरोपियों के खिलाफ दुकान संचालक शाहरुख ने इकबाल खिलजी, कयूम खिलजी समेत 10-15 लोगों के खिलाफ दुकान में घुसकर मारपीट करने और तोड़फोड़ करने का मामला सरदारपुरा थाने में शनिवार को दर्ज कराया है। घटना का वीडियो भी सोशल मीडिया पर छाया रहा। उधर युवती ने मन्नत कलेक्शन नाम के शोरूम चलाने वाले सलमान और शाहरुख के खिलाफ छेड़छाड़ और अभद्र व्यवहार के साथ मारपीट का मामला दर्ज कराया है। मामले में फिलहाल किसी की गिरफ्तारी नहीं हुई है।

मामले को लेकर सरदारपुरा थाना अधिकारी सोमकरन ने बताया कपड़े सिलाई की बात को लेकर विवाद हुआ था, दोनों पक्षों ने एक दूसरे के खिलाफ मारपीट, छीना-झपटी और छेड़छाड़ का मामला दर्ज करवाया है। इसकी जांच की जा रही है।

- शोरूम के बाहर मारपीट में जमकर लात-घूंसे चले
- वीडियो वायरल होने के बाद मामला थाने में दर्ज हुआ

फर्जी दस्तावेज का मामला दर्ज

उदयपुर, (निसं)। फतह स्कूल के दो व्याख्याताओं व वरिष्ठ सहायक के खिलाफ फर्जी दस्तावेज तैयार करने का सूरजपोल थाना पुलिस ने मामला दर्ज किया।

पीड़ित सत्यनारायण मार्ग अमल का कांटा हॉल फतह उच्च माध्यमिक विद्यालय के प्रधानाचार्य चेतन पानेरी पुत्र ओमप्रकाश पानेरी ने विद्यालय में कार्यरत व्याख्याता संस्कृत पिंकी सालवी, व्याख्याता रसायन विज्ञान महेन्द्र नागदा तथा वरिष्ट सहायक अश्विनी पालीवाल के खिलाफ प्रकरण दर्ज करवाया। जिसमें प्रधानाचार्य ने बताया कि पिंकी को 17 जनवरी 2023 को विद्यालय तालाबंदी एवं प्रधानाचार्य से दुर्व्यवहार करने पर 20 जनवरी को कार्य मुक्त कर दिया था। इस पर पिंकी ने आरोपियों के साथ मिल कर शाला दर्पण पर कार्यादेश मेरे हस्ताक्षर से 25 जनवरी 2023 कूटरचित आदेश जारी कर कार्यगृहण कर लिया। जबकि मैने आदेश कभी जारी नहीं किया। महेन्द्र नागदा ने संस्था प्रभारी अरूण दोशी को आदेश प्रस्तुत कर कार्यग्रहण करने के लिए दबाव डालने के लिए पिंकी ने हस्ताक्षर करने के लिए मेरे पास प्रस्तुत किया।

जेवर व नकदी चोरी

उदयपुर, (निसं)। शादी समारोह के दौरान रिसोर्ट से अज्ञात चोर नकदी व जेवरात से भरा पर्स चुरा ले गया।

पीड़ित सुन्दर कॉलोनी भीलवाडा रोड़ काकरोली निवासी अश्विन कोठारी पुत्र संजय कोठारी ने पुलिस थाने में प्रकरण दर्ज करवाया कि मेरी शादी होने से 26 जनवरी को रिसोर्ट में समारोह का आयोजन था। इस दौरान मेरी मां ने अपना पर्स रखा था। जिसे अज्ञात चोर चुरा ले गया। जिसकी तलाश की लेकिन सुराग नहीं लगा। पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू की।

फर्जी कंपनी रजिस्टर्ड कराई

उदयपुर, (निसं)। शहर के प्रतापनगर थाना पुलिस ने आरोपी के खिलाफ पीड़ित के घर के पते पर रजिस्टर्ड कंपनी होने का कूटरचित दस्तावेज तैयार करने का प्रकरण दर्ज किया। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की।

पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार पीड़ित एनबी नगर धाउजी की बावडी प्रताप नगर निवासी मोहनलाल पुत्र उकारलाल मेघवाल ने आरोपी भटेवर रोड़ मोडी वल्लभ नगर निवासी सुरेश चन्द्र मेघवाल के खिलाफ प्रकरण दर्ज करवाया कि अगस्त 2022 में सनस्टार पैकर्स एण्ड मूवर्स के नाम से कंपनी का रजिस्ट्रेशन करवाया। जिस पर मेरे मकान का पता अंकित था। गत दिनों घर पर ऑटों से माल आने पर मिले दस्तावेज पर पता अंकित होने की जानकारी मिली। इस पर ऑनलाईन सर्च किया तो आरोपी के मोबाईल नंबर कंपनी के रजिस्ट्रेशन पर दर्ज होने की जानकारी सामने आई। पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू की।

घर से दुल्हन के जेवर चोरी, एक गिरफ्तार

बीकानेर, (कासं)। परिवार भवन में शादी समारोह कर रहा था और पीछे दुल्हन के लिए खरीदे गए सोने-चांदी के जेवर पर चार जनों ने मिलकर हाथ साफ किया। पुलिस की तत्परता का परिणाम है कि महज कुछ घंटों में ही चोरों को दबोच लिया और चोरी हुए जेवरात भी जब्त कर लिए।

- चोरी करने के मामले में तीन नाबालिग भी शामिल थे, जिन्हें निरूद्ध किया गया है

इस चोरी में तीन नाबालिग शामिल थे, जिन्हें निरूद्ध किया गया है जबकि एक युवक को गिरफ्तार किया है। बीकानेर में श्रीरामसर के पास ही रहने वाले उमाशंकर हर्ष के बेटे की शादी हर्षोलाव तालाब पर स्थित अमरेश्वर भवन में थी। पूरा परिवार विवाह समारोह में इसी भवन में व्यस्त था। इस बीच दुल्हन के लिए सोने-चांदी के जेवरात घर पर रखे हुए थे। विवाह के बाद दुल्हन को बरी देने के लिए जेवर लेने घर पहुंचे तो पता चला कि सब कुछ चोरी हो गया है। सामान बिखरा हुआ था और घर का ताला टूटा हुआ था।

उमाशंकर ने जैसे-तैसे पहले विवाह निपटाया और फिर पुलिस को इसकी शिकायत दर्ज करवाई, जिस पर एफआईआर दर्ज करके मामले की छानबीन शुरू हुई। उमाशंकर के घर के ठीक सामने एक घर पर सीसीटीवी कैमरा लगा हुआ था, जिसमें चार जने उमाशंकर के घर में जाते हुए कैद हुए। पुलिस ने इन चारों की पड़ताल शुरू की। पूछताछ करने पर उन्होंने चोरी में शामिल होना स्वीकार कर लिया।

इतना ही नहीं चोरी गया सामान भी उनके कब्जे से बरामद हो गया। दरअसल रात 11 बजे से सुबह तीन बजे के बीच घर पर ताला था। ऐसे में स्पष्ट हो गया कि इसी बीच में चोरी हुई है। पुलिस ने इसी समय के सीसीटीवी कैमरे खंगाले, जिसमें चोरी का पता चल गया। इसमें तीन नाबालिग लड़के शामिल थे। इसके अलावा एक युवक भी था। 3 नाबालिगों को निरुद्ध किया गया।

आरोपी रामदयाल पुत्र श्री सांवर लाल जाति बिश्नोई उम्र 18 साल 6 माह निवासी भाटों का बास पुलिस थाना नयाशहर जिला बीकानेर को गिरफ्तार कर चोरी किये गये सोने चांदी के जेवरात व नगदी बरामद किये गये हैं।

मुरलीधर व्यास कॉलोनी व आसपास रहने वाले तीन नाबालिग बच्चों को भी निरूद्ध करवाया गया है। चारों की निशानदेही पर पुलिस ने चोरी का माल भी बरामद कर लिया। गंगाशहर थानाधिकारी नवनीत सिंह धारीवाल की विशेष भूमिका रही।

811वां सालाना उर्स परवान पर, ख्वाजा साहब की दरगाह में पेश हुई बसंत

छह दिवसीय उर्स के अवसर पर ख्वाजा साहब की महाना छठी व कुल की रस्म आज

अजमेर, (कासं)। सूफी संत ख्वाजा मोइनुद्दीन हसन चिश्ती का 811वां सालाना उर्स की रौनक पूरे परवान पर चढ़ चुकी है। शनिवार को सूफी परंपरा के अनुसार ख्वाजा साहब की दरगाह पर वसंत पेश की गई।

दरगाह के परिधि इलाकों में जायरीन के जत्थे जियारत के लिए आ रहे हैं। दरगाह परिसर में दरगाह दीवान जैनुअल ओबेदीन की सदारत में उर्स की महफिल और धार्मिक रस्मों अदा की जा रही है। छह दिवसीय उर्स के अवसर पर ख्वाजा साहब की महाना छठी व कुल की रस्म रविवार संपन्न होगी। दरगाह परिसर को गुलाब जल से धोया जाएगा। उर्स के मौके पर आम जायरीन के लिए खोला गया जन्नती दरवाज भी बंद कर दिया जाएगा और आस्ताने की खिदमत का समय भी सामान्य दिनों की भांति कर दिया जाएगा। कुल की रस्म के साथ ही जायरीन के लौटने सिलसिला शुरू होगा।

इस्लामिक कैलेंडर की चांद की 5 तारीख को ख्वाजा मोइनुद्दीन हसन चिश्ती की दरगाह पर बसंत परंपरा चली आ रही है। इसी परंपरा के अनुरूप शनिवार को शाही कव्वाल व साथी हजरत अमीर खुसरो और हजरत नियाज के लिखे बसंत गीतों आज वसंत मना ले सुहागिन... नाजो अदा से झूमना ख्वाजा की चौखट चूमना, देखो नियाज़ इस ढंग से क्या रंग लाती है बसंत, ख्वाजा मोइनुद्दीन के घर आज आती है बसंत जैसे कलाम और मनकबत को रागे बंसत में गाते हुए ख्वाजा साहब की दरगाह पहुंचे। यहां दरगाह के निजाम गेट से दरगाह दीवान के साहबजादे सैयद नसीरउद्दीन चिश्ती की अगुवाई में शाही कव्वाल सरसों और गुलाब के खूबसूरत फूलों से सजे बसंत के गुलदस्तों को खानकाही अंदाज में ख्वाजा साहब की मजार शरीफ पर पेश कर रस्म अदा की गई। इस अवसर पर दरगाह कमेटी की ओर से बसंत में विभिन्न लोग भी शामिल हुए।

ख्वाजा साहब की दरगाह में बसंत पेश करते हुए शाही कव्वाल व प्रतिनिधि सदस्य।

- शाही कव्वाल कलाम और मनकबत को रागे बसंत में गाते पहुंचे दरगाह

दरगाह के शाही कव्वाल ने बताया कि चिश्तिया खानकाहों में वसंत पेश करने की रस्म हजरत अमीर खुसरो से शुरू हुई। अमीर खुसरो और हजरत नियाज बे नियाज के लिखे हुए कलाम शाही कव्वाल पेश करते हैं। शाही कव्वाल ने बताया कि सबसे पहले ख्वाजा के दर पर बसंत पेश करने की परंपरा है, उसके बाद कुतुबसाहब पर फिर चिल्ले पर और सलारगाजी पर बसंत पेश की जाती है। बसंत पेश किए जाने के दौरान दरगाह दीवान के साहबजादे सैयद नसीरउद्दीन चिश्ती सहित खुदामें ख्वाजा बड़ी संख्या में अकीदतमंद मौजूद रहे।

ख्वाजा साहब का 811वें सालाना उर्स पूरे परवान पर है, दरगाह के परिधि इलाकों में जायरीन के जत्थे जियारत के लिए पहुंच रहे हैं। वहीं दरगाह परिसर में दरगाह दीवान जैनुअल ओबेदीन की सदारत में उर्स की महफिल और धार्मिक रस्में निभाई जा रही है। देश के विभिन्न राज्यों से आई कव्वालों की पार्टियां ख्वाजा साहब की शान में सूफियाना कलाम पेश कर रहे हैं। जायरीन दरगाह में मन्नत का धागा बांध कर मान्नतें मांग रहे तो वहीं जन्नती दरवाजे से गुजरने के लिए अकीदतमंदों की भीड़ लगी गई है।

दरगाह के महफिल खाने में 811वें सालाना उर्स की पांचवीं महफिल समां का समापन कर ख्वाजा साहब की मजार पर आखिरी गुस्ल की रस्म अदा की गई। रविवार को गुलाब जल से दरगाह की धुलाई की जाएगी। उर्स के मौके पर छह दिन पूर्व आम जायरीन के लिए खोला गया जन्नती दरवाजा भी रविवार सुबह बंद कर दिया जाएगा और आस्ताने की खिदमत का समय सामान्य दिनों की भांति कर दिया जाएगा। दोपहर 3 बजे ख्वाजा साहब की मजार की खिदमत की जाएगी। ख्वाजा साहब के सालाना उर्स के मौके पर हर साल की तरह इस साल भी महफिल खाना, दरगाह शरीफ में आज रात्रि 10 बजे ऑल इंडिया मुशायरा का आयोजन किया जाएगा।

अपने सर्वश्रेष्ठ चार गेंदबाजों को चुनें- और अगर ये तीन तेज गेंदबाज हैं जो वास्तव में अच्छी रिवर्स स्विंग प्राप्त कर सकते हैं और नाथन लियोन, जो स्पष्ट रूप से हमारे पास अब तक के सर्वश्रेष्ठ ऑफ स्पिनर हैं तो ये अपनी भूमिका निभा सकते हैं। **-एडम गिलक्रिस्ट**

पूर्व ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटर, ऑस्ट्रेलिया के भारत दौरे को लेकर।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी

अमित रोहिदास

अंतरराष्ट्रीय हॉकी महासंघ सुरक्षा मुद्दों के मद्देनजर पेनल्टी कॉर्नर ड्रैग-फ्लिक में नियमों में बदलाव पर विचार कर सकता है, लेकिन भारतीय खिलाड़ी इस दौरान भारतीय टीम में ज्यादातर मौके पर सबसे पहले दौड़ शुरू करने वाले अमित रोहिदास इससे जुड़े जोखिम को लेकर चिंतित नहीं हैं। इस 29 साल के डिफेंडर ने 'कहा, '' मैं भारतीय टीम में सबसे पहले दौड़ने वालों में से एक रहा हूं। टीम जो भी और जब भी चाहे, मैं पहला तेज रनर हो सकता हूं। मुझे कोई समस्या नहीं है।''

क्या आप जानते हैं ?... प्रथम श्रेणी क्रिकेट में सर्वाधिक व्यक्तिगत स्कोर का विश्व रिकॉर्ड ब्रायन लारा के नामहै। लारा ने 1994 में वारविकशायर की तरफ से डरबन के खिलाफ 501 रन की नाबाद पारी खेली।

41 बार का रणजी चैम्पियन मुंबई बाहर

रवीन्द्र जडेजा की टीम सौराष्ट्र को तमिलनाडु ने हराया, क्वार्टर फाइनल की 8 टीमें तय

नई दिल्ली 28 जनवरी। रणजी ट्रॉफी इतिहास की सबसे सफल टीम 41 बार की चैंपियन मुंबई इस सीजन के नॉकआउट स्टेज में प्रवेश नहीं कर सकी। ग्रुप स्टेज के आखिरी दिन को टीम ने महाराष्ट्र के खिलाफ जीत जरूरी थी। लेकिन, शुक्रवार को टीम 253 रन के टारगेट का पीछा करते हुए 6 विकेट पर 195 रन ही बना सकी। मैच ड्रॉ रहा और एलीट ग्रुप बी से सौराष्ट्र के साथ आंध्र प्रदेश की टीम क्वालिफाई कर गई।

टाई ने बढ़ाई मुसीबत

दरअसल, महाराष्ट्र और मुंबई के बीच ग्रुप स्टेज का आखिरी मैच खेला गया। जो भी टीम मैच जीतती या फर्स्ट इनिंग लीड लेती, वह क्वार्टर फाइनल के लिए क्वालिफाई कर जाती। लेकिन पहली पारी में दोनों ही टीमें 384 रन बनाकर ऑल आउट हो गईं। पहली पारी में टाई होने के बाद दोनों ही टीमों का मैच जीतना जरूरी था। महाराष्ट्र चौथे और आखिरी दिन दूसरी पारी में 252 पर ऑल आउट हो गई।

28 ओवर में 253 रन के टारगेट का पीछा करते हुए मुंबई ने 10 ओवर में तेजी से करीब 90 रन बना लिए थे। लेकिन, लगातार अंतराल में विकेट गिरने के चलते मुंबई ने डिफेंसिव गेम खेलना शुरू कर दिया। इस कारण टीम 28 ओवर में 6 विकेट पर 195 रन ही बना सकी। मैच ड्रॉ रहा और आंध्र प्रदेश की टीम क्वालिफाई कर गई।

आखिरी मैच हारा सौराष्ट्र

इसी ग्रुप के एक मैच में क्वार्टर फाइनल के लिए क्वालिफाई कर चुकी सौराष्ट्र को तमिलनाडु ने 59 रनों से हरा दिया। अंतिम दिन सौराष्ट्र को जीत के लिए 266 रनों की जरूरत थी, लेकिन टीम 206 रन पर ही ढेर हो गई। सौराष्ट्र की दूसरी पारी में हार्विक देसाई ने सबसे ज्यादा 101 रन बनाए। अजीत ने दूसरी पारी में 6 विकेट अपने नाम किए। पहली पारी में उन्होंने 3 विकेट लिए थे। उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया।

31 जनवरी को होंगे क्वार्टर फाइनल

क्वार्टर फाइनल की 8 टीमें तय हो चुकी हैं। कोलकाता के ईडन गार्डन मैदान पर बंगाल झारखंड के बीच पहला, राजकोट में सौराष्ट्र और पंजाब के बीच दूसरा, बेंगलुरु में कर्नाटक और उत्तराखंड के बीच तीसरा और इंदौर में मध्य प्रदेश और आंध्र प्रदेश के बीच चौथा क्वार्टर फाइनल मुकाबला खेला जाएगा।

पांच दिन के होंगे क्वार्टरफाइनल मुकाबले

रणजी के नॉकआउट मुकाबले 5 दिन के होते हैं, ऐसे में टीमों को नतीजे निकालने के लिए एक दिन का एक्स्ट्रा टाइम मिलेगा। वहीं, अगर मैच क्वार्टर फाइनल मुकाबले ड्रॉ रहे तो फर्स्ट इनिंग में लीड लेने वाली टीम को जीत मिलेगी।

क्रिकेट के बीजी शेड्यूल पर बोले डिविलयर्स

अब खिलाड़ियों के लिए तीनों फॉर्मेट खेलना नामुमकिन

नई दिल्ली, 28 जनवरी। महिला टी-20 वर्ल्ड कप 10 फरवरी से होगा। आईसीसी ने बताया कि इस टूर्नामेंट में सारी मैच ऑफिशियल्स महिलाएं होंगी। आईसीसी की 13 सदस्यों की सूची में भारत से जीएस लक्ष्मी, वृंदा राठी और एन. जननी ऑफिशियल्स के तौर पर शामिल होंगी। लक्ष्मी रेफरी हैं जबकि वृंदा और जननी अंपायर के तौर पर शामिल हैं। ये पहली बार है, जब पूरी महिला ऑफिशियल्स की टीम किसी आईसीसी टूर्नामेंट में काम करेगी। आईसीसी ने बताया कि वे क्रिकेट में महिलाओं की भागीदारी को बढ़ाना चाहते हैं। जीएस लक्ष्मी महिला टी20 वर्ल्ड कप में ऑफिशियल रेफरी के रूप में जाने वाली 3 सदस्यीय टीम का हिस्सा है। वे आईसीसी रेफरी पैनल में शामिल होने वाली पहली महिला भी हैं। साथ ही, पुरुष वनडे मुकाबले में रेफरी की भूमिका निभाने वाली पहली महिला भी थीं। इन्होंने ये मुकाम साल 2020 में हासिल किया था।

54 वर्षीय लक्ष्मी खुद ऑलराउंडर रह चुकी हैं। अपने 18 साल के करियर के दौरान उन्होंने साउथ सेंट्रल रेलवे, आंध्रप्रदेश, बिहार, ईस्ट जोन और साउथ जोन की टीम के लिए खेला है। 1999 में लक्ष्मी को भारतीय टीम में भी चुना गया, लेकिन वे प्लेइंग-11 में जगह नहीं बना पाई। इसके बाद 2004 में उन्होंने संन्यास लिया। एक रेफरी के तौर पर उन्होंने 2008 में एक घरेलू मैच में दूसरी पारी का आगाज किया था।

दिसंबर 2022 में वृंदा और जननी रणजी में अंपायरिंग करने वाली पहली महिला जोड़ी बनी थी। दोनों को 2018 में आईसीसी अंपायरों के विकास पैनल में भी शामिल किया गया था। वृंदा ने अपने अंपायरिंग करियर की शुरुआत मुंबई के मैदानों से की। वे 2013 के महिला वर्ल्ड कप में ऑफिशियल स्कोरर भी रह चुकी हैं। दूसरी ओर, जननी ने अंपायरिंग करियर 2021 में तमिलनाडु प्रीमियर लीग से किया। वे सॉफ्टवेयर इंजीनियर थी। अंपायर बनने की चाह में जननी ने अपनी नौकरी से इस्तीफा दे दिया था।

पांच दिवसीय हो रणजी के ग्रुप मुकाबले : ऑजिक्य रहाणे

मुंबई, 28 जनवरी। मुंबई रणजी टीम के कप्तान और भारतीय टेस्ट टीम के पूर्व उपकप्तान आंजिक्य रहाणे ने रणजी ट्रॉफी के ग्रुप चरण मुकाबलों को पांच दिन का करने की वकालत की है।

वर्तमान में रणजी ट्रॉफी के क्वार्टर फाइनल और उसके बाद के चरण के मुकाबले पांच दिन के होते हैं जबकि ग्रुप चरण के मुकाबले चार दिवसीय होते हैं। रणजी के मौजूदा सत्र में महाराष्ट्र के खिलाफ ड्रॉ खेलकर मुंबई टूर्नामेंट से बाहर हो गयी।

रहाणे की टीम को क्वार्टरफाइनल में पहुंचने के लिये महाराष्ट्र पर जीत या पहली पारी में बढ़त की जरूरत थी। पहली पारी में स्कोर बराबर रहने के बाद मुंबई ने महाराष्ट्र को चौथे दिन ऑलआउट किया और उसे 28 ओवरों में 253 रन की जरूरत थी। अथक प्रयासों के बावजूद मुंबई 58 रन से पीछे रह गयी और 41 बार की विजेता का रणजी अभियान ग्रुप स्टेज में ही समाप्त हो गया।

रहाणे ने चार-दिवसीय प्रारूप पर खिन्नता व्यक्त करते हुए कहा, प्रथम श्रेणी क्रिकेट पांच दिवसीय होना चाहिये। हम पांच दिनों तक टेस्ट मैच खेलते हैं। पांच दिनों में परिणाम की संभावना लगभग तय है और आपको अधिक परिणाम मिलेंगे। चार दिवसीय मैचों में आपको वास्तव में परिणाम नहीं मिलते हैं।

निशंक ने किया सांसद खेल महोत्सव का उद्घाटन

हरिद्वार, 28 जनवरी। पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं उत्तराखंड के पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. रमेश पोखरियाल 'निशंक' ने शनिवार को गुरूकुल कांगड़ी विश्वविद्यालय के दयानन्द स्टेडियम में एंजेल्स अकादमी सीनियर सेकेण्ड्री स्कूल द्वारा आयोजित दो दिवसीय 'सांसद खेल महोत्सव' (कबड्डी, वॉलीबॉल, बास्केटबॉल, खो-खो, बैडमिंटन) का उद्घाटन दीप प्रज्ज्वलित, ध्वजारोहण एवं आकाश की ओर रंग-बिरंगे गुब्बारे छोड़कर मंत्रोच्चारण के बीच किया। हरिद्वार के सांसद डॉ. पोखरियाल ने इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुये कहा कि आज पूरे देशभर में सांसद खेल महोत्सव का आयोजन एक साथ किया जा रहा है।

उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का जिक्र करते हुये कहा कि उनके कुशल नेतृत्व में पूरा देश हर क्षेत्र में विकास कर रहा है। खेलों के क्षेत्र में भी देश के साथ ही हमारे प्रदेश के उदीयमान खिलाड़ी देश व प्रदेश का नाम ऊंचा कर रहे हैं तथा चारों तरफ खेलों का माहौल है। उन्होंने कहा कि सांसद खेल महोत्सव में भी पूरे जिले के खिलाड़ी दोड़ेंगे, खेलेंगे तथा नये कीर्तिमान स्थापित करेंगे। निशंक ने कहा कि हमारी सरकार खेलों के विकास के लिये निरन्तर प्रयासरत है तथा खिलाड़ियों को हर क्षेत्र में अवसर प्रदान करने के लिये चार प्रतिशत आरक्षण पर विचार कर रही है। इसके अलावा शीर्षस्थ संस्थान भी अपने संस्थानों में खिलाड़ियों को रोजगार के अवसर प्रदान कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि खिलाड़ियों के लिये अब अवसरों की कमी नहीं है।

'करो या मरो' मुकाबले में जीत के इरादे से उतरेगा भारत

लखनऊ, 28 जनवरी। न्यूजीलैंड के खिलाफ पहला टी-20 मुकाबला हारने के बाद हार्दिक पांड्या की अगुवाई वाली भारत की युवा क्रिकेट टीम रविवार को इकाना के मैदान पर शृंखला में वापसी के इरादे से उतरेगी। तीन मैचों की सीरीज का पहला मैच हारने के बाद वैसे भी भारतीय टीम के लिये कल होने वाला मुकाबला 'करो या मरो' वाला होगा। मैच को अपने पक्ष में करने के लिये युवा खिलाड़ियों से लबरेज भारतीय टीम को जोश के साथ पिछली गलतियों को दोहराने से बचना होगा, वहीं कप्तान हार्दिक पांड्या भी प्रयोगों के अत्यधिक इस्तेमाल से परहेज करेंगे। रांची के मुकाबले में सात गेंदबाजों का इस्तेमाल करने के बावजूद उम्मीद से अधिक रन खर्च किये गये, वहीं बल्लेबाजी में टॉप आर्डर की विफलता ने टीम को और मुश्किल में डाल दिया। नतीजन भारत को घरेलू मैदान में हार के लिये विवश होना पड़ा। टी-20 विश्वकप में शानदार यॉर्कर की बदौलत बल्लेबाजों को मुश्किल में डालने वाले अर्शदीप का प्रदर्शन अपनी सरजमीं पर अब तक अपेक्षा के अनुरूप नहीं रहा है। कल के मैच में मौका मिलने पर उन्हें वाइड गेंदों पर अंकुश लगाना होगा वहीं तूफानी गेंदबाज उमरान मलिक और शिवम मावी को लाइन-लेंथ को काबू में रखते हुए कीवी बल्लेबाजों के लिये मुश्किलें पैदा करनी होंगी। रांची में स्पिनरों के लिये मददगार रही पिच पर वाशिंगटन सुंदर और कुलदीप यादव का प्रदर्शन उम्दा रहा था।

आयरलैंड के फाइटर मैकग्रेगर कार हादसे में जख्मी

डबलिन, 28 जनवरी। अल्टिमेट फाइटिंग चैंपियनशिप (यूएफसी) के स्टार फाइटर कॉनर मैकग्रेगर अपने देश आयरलैंड में सड़क दुर्घटना का शिकार हुए, हालांकि उन्हें ज्यादा चोट नहीं आई है। मैकग्रेगर ने शुक्रवार को यह जानकारी खुद इंस्टाग्राम पर वीडियो पोस्ट कर साझा की। वीडियो में उन्हें यह कहते हुए सुना गया, मैं वहां मर सकता था जबकि कार का ड्राइवर माफी मांग रहा था। हालांकि बाद में उन्होने यह वीडियो डिलीट कर दिया। मैकग्रेगर ने इंस्टाग्राम पर लिखा, पीछे से अभी-अभी एक कार ने टक्कर मारी। सूरज की तेज रोशनी कार चालक की आंखों में पड़ रही थी जिस कारण वह मुझे नहीं देख सका और पूरी रफ्तार के साथ मुझसे टकरा गया। ईश्वर का शुक्र है, सतर्क रहने के कारण मेरी जान बच गयी। मैकग्रेगर पिछले कुछ महीनों से चर्चा में रहे हैं। पिछले साल जुलाई में एक महिला ने उन पर जानलेवा हमले का आरोप लगाया था। हालांकि मैकग्रेगोर आरोप से इंकार करते रहे हैं।

बीसीसीआई ने वुमेंस प्रीमियर लीग के मुख्य प्रायोजन के लिये बोलियां आमंत्रित की

मुंबई, 28 जनवरी। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने वुमेंस प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) के अगले चार सत्रों के प्रायोजन के लिये बोलियां आमंत्रित की हैं। बोर्ड ने शनिवार को जारी विज्ञप्ति में कहा, बीसीसीआई वुमेंस प्रीमियर लीग के 2023-2027 सत्रों के मुख्य प्रायोजन के लिये सम्मानित कंपनियों से बोलियां आमंत्रित करता है। बीसीसीआई ने विज्ञप्त में कहा कि इस बोली लगाने की इच्छुक कंपनियों को एक लाख रुपये की राशि अदा करनी होगी, जिसके बाद उन्हें एक नीलामी दस्तावेज (आरएफपी) उपलब्ध करवाया जायेगा। इस दस्तावेज़ में नीलामी के लिये पात्र होने की आवश्यकताएं, बोलियां प्रस्तुत करने की प्रक्रिया, शीर्षक प्रायोजक के अधिकार,दायित्व आदि जानकारियां उपलब्ध होंगी। बोली प्रस्तुत करने की इच्छुक किसी भी पार्टी के लिये आरएफपी खरीदना आवश्यक है। इसके बाद जो पार्टियां आरएफपी में निर्धारित मानदंड को पूरा करेंगी, वही बोली लगाने की हकदार होंगी। बोर्ड ने यह स्पष्ट किया कि केवल आरएफपी खरीदने से कोई पार्टी बोली लगाने का हकदार नहीं हो जायेगी। उल्लेखनीय है कि बीसीसीआई ने हाल ही में डब्ल्यूपीएल की पांच टीमों के मालिकाना अधिकार बेचे हैं, जिससे उसे करीब 4700 करोड़ का लाभ हुआ है। डब्ल्यूपीएल के पहले सत्र का आयोजन चार मार्च से किया जा सकता है।

खेला इंडिया यूथ गेम्स में हिस्सा लेंगे 'टॉप्स' एथलीट

नयी दिल्ली, 28 जनवरी। मध्य प्रदेश में 30 जनवरी से शुरू हो रहे खेलो इंडिया यूथ गेम्स में भारत सरकार की 'टारगेट ओलंपिक पोडियम योजना' (टॉप्स) के 15 एथलीट मैदान पर उतर कर नवोदित एथलीटों को प्रोत्साहित करेंगे। भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) ने शनिवार को एक विज्ञप्त जारी कर बताया कि टॉप्स के तहत पहले से ही अंतरराष्ट्रीय उपलब्धि हासिल कर चुके एथलीट यहां जमीनी स्तर के एथलीटों को आगे बढ़ ने के लिये प्रेरित करेंगे। इन खिलाड़ियों में महाराष्ट्र के विशाल चांगमई, मंजिरी अलोन, अपेक्षा फर्नांडीस, आकांक्षा व्यवहारे, हरियाणा की रिद्धि, उन्नित हुड्डा, शिव नरवाल, तेजस्वनी, निश्चल, दिल्ली की पायस जैन और कर्नाटक की रिधिमा वीरेंद्र कुमार एवं यशस्विनी घोरपड़े सहित अन्य एथलीटों के नाम शामिल हैं। इन खेलों के इतिहास में पहली बार वाटर स्पोर्ट्स को शामिल किया जा रहा है। इसके अलावा कैनो स्लैलम, कयाकिंग, कैनोइंग और रोइंग जैसे पानी के खेल भी साथ होंगे।

सानिया मिर्जा : छह ग्रैंड स्लैम, 205 करोड़ नेटवर्थ : चार क्रिकेट कप्तानों की रिश्तेदार, दुबई में घर, महंगी कारों का कलेक्शन भी

नई दिल्ली, 28 जनवरी। भारत की टेनिस क्वीन सानिया मिर्जा ऑस्ट्रेलियन ओपन 2023 में मिक्स्ड डबल्स का फाइनल हार गईं। टेनिस करियर में यह उनका आखिरी ग्रैंड स्लैम मैच था। मुकाबले के बाद फेयरवेल स्पीच में उनके आंसू छलक पड़े। उन्होंने कहा, ग्रैंड स्लैम करियर खत्म करने के लिए मेलबर्न से बेहतर कुछ नहीं। मुझे कोर्ट पर घर जैसा अहसास कराने के लिए सभी का धन्यवाद।

ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट में सानिया का सफर थम गया है। कुछ दिनों बाद वे अपना आखिरी प्रोफेशनल मैच भी खेलेंगी। यह मुकाबला कब और कहां होगा इसके बारे में आगे जानेंगे। इसके अलावा इस स्टोरी में सानिया की उपलब्धियां, लग्जीरियस लाइफस्टाइल, नेटवर्थ और कार कलेक्शन का जिक्र भी होगा। साथ ही उनसे कुछ विवादों को भी जानेंगे। 36 साल की सानिया मिर्जा ने 2003 में प्रोफेशनल टेनिस करियर की शुरुआत की। 27 जनवरी 2023 को करियर का आखिरी ग्रैंड स्लैम खेला। सानिया ने एक इंटरव्यू में बताया था कि 19 फरवरी से शुरू होने वाला 1000 इवेंट उनके प्रोफेशनल टेनिस करियर का आखिरी टूर्नामेंट होगा। इसके बाद वह संन्यास ले लेंगी।

सानिया ने सबसे पहले 6 साल की उम्र में टेनिस खेलने की इच्छा जताई थी तब उनकी मां उन्हें हैदराबाद की एक टेनिस एकेडमी में एडमिशन कराने ले गईं। वहां के कोच ने उन्हें एडमिशन देने से मना कर दिया। कोच बोले, इसका साइज तो टेनिस रैकेट से भी छोटा है। ये क्या टेनिस खेलेगी। मां के अधिक अनुरोध करने पर उन्होंने सानिया को दाखिला दे दिया। कुछ ही दिनों में वही कोच सानिया के घर गए और उनकी मां को कहा इतनी कम उम्र में किसी को इतना अच्छा खेलते हुए नहीं देखा।

15 नवंबर 1986 को मुंबई में सानिया का जन्म हुआ। जन्म के कुछ सालों बाद ही उनका परिवार हैदराबाद शिफ्ट हो गया। वहां वह अपनी छोटी बहन अनम के साथ बड़ी हुईं। यहीं उन्होंने टेनिस खेलना सीखा और अपनी स्किल्स इम्प्रूव कीं। हैदराबाद के नासर स्कूल में स्कूली शिक्षा के बाद सेंट मैरी कॉलेज से उन्होंने ग्रेजुएशन किया।

सानिया मिर्जा के परिवार का खेल से पुराना नाता रहा। उनके पिता इमरान मिर्जा खेल पत्रकार थे। सानिया के मेंटर होने के साथ वह करीब 20 साल तक उनके कोच भी रहे। बहन अनम पूर्व क्रिकेटर मोहम्मद अजहरुद्दीन की बहू हैं। उन्होंने दिसंबर 2019 में मोहम्मद असदुद्दीन से शादी की थी।

सानिया की दादी भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान गुलाम अहमद की मौसी थीं। गुलाम की बहन के बेटे आसिफ इकबाल भी एक समय पाकिस्तान क्रिकेट टीम के कप्तान रहे थे। सानिया ने पाकिस्तानी टीम के एक अन्य कप्तान शोएब मलिक से शादी की। इस तरह सानिया कुल चार इंटरनेशनल क्रिकेट कप्तानों की रिश्तेदार हैं।

दुबई के पाम जुमेराह स्थित द आइलैंड बंगलों में सानिया मिर्जा अपने पति शोएब मलिक और बेटे इजहान के साथ रहती हैं। पाम जुमेराह में उद्योगपति मुकेश अंबानी, क्रिकेटर सचिन तेंदुलकर और बॉलीवुड स्टार शाहरुख खान जैसी हस्तियों के भी बंगले हैं। हैदराबाद की फिल्म सिटी में भी सानिया का आलीशान घर है।

सानिया मिर्जा ने टेनिस करियर के दौरान करीब 58.65 करोड़ रुपए प्राइज मनी से कमाए। प्राइज मनी यानी किसी टेनिस टूर्नामेंट में जीती इनामी राशि। कई बड़ी कंपनियों ने भी उन्हें अपना ब्रांड एम्बेसडर बनाया। ओवरऑल उनकी नेटवर्थ करीब 205 करोड़ रुपए है।

विश्व कप में नौंवे स्थान पर रहा भारत

राउरकेला, 28 जनवरी। मेजबान देश भारत ने शनिवार को एफआईएच पुरुष हॉकी विश्व कप 2023 के क्लासिफिकेशन मुकाबले में दक्षिण अफ्रीका को 5-2 से हराकर टूर्नामेंट में नौंवा स्थान हासिल कर लिया। बिरसा मुंडा अंतरराष्ट्रीय हॉकी स्टेडियम को जगमग करते हुए अभिषेक (चौथे मिनट), हरमनप्रीत सिंह (11वें मिनट), शमशेर सिंह (44वें मिनट), आकाशदीप सिंह (48वें मिनट) और सुखजीत सिंह (58वें मिनट) ने मेजबान टीम के गोल किये। दक्षिण अफ्रीका के गोल सैमकेलो विम्बी (48वां) और मुस्तफा कासिम (60वां मिनट) ने किये।

भारत इस जीत के साथ घरेलू सरजमीन पर हुए टूर्नामेंट में अर्जेंटीना के साथ नौंवे स्थान पर रहा। दक्षिण अफ्रीका ने वेल्स के साथ 11वां स्थान साझा किया। नौवां स्थान हासिल करने की होड़ में भारत ने पहले मिनट से ही दक्षिण अफ्रीकी अर्द्ध में जगह बनाना शुरू कर दी।

उन्हें इसका फल चौथे मिनट में तब मिला जब अभिषेक ने दक्षिण अफ्रीकी अर्द्ध में गेंद को पाकर उसे नेट में दाग दिया। इस क्वार्टर में भारत विपक्षी टीम के लिये बहुत तेज साबित हुआ और उसने कई प्रयासों के बीच 11वें मिनट में पेनल्टी कॉर्नर अर्जित कर लिया। हरमनप्रीत ने इस कॉर्नर को गोल में तब्दील करते हुए भारत की बढ़त दोगुनी कर दी।

वॉलीबॉल कैप्टन ने अफसर संग लिए फेरे

पानीपत की निर्मल से दीपक ने 1 रुपये में रचाई शादी, 3 साल से भेज रहे थे रिश्ता

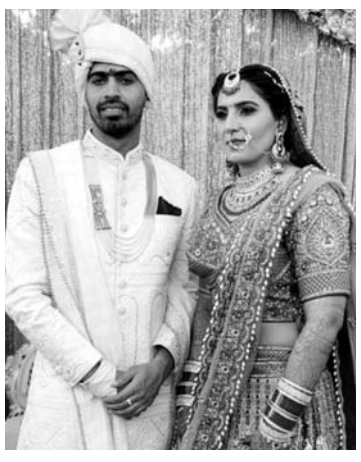

नई दिल्ली, 28 जनवरी। हरियाणा के पानीपत की रहने वाली भारतीय वॉलीबॉल टीम की कप्तान निर्मल तंवर रेलवे अफसर दीपक भाटी के साथ परिणय सूत्र में बंध गई हैं। ये शादी शुक्रवार को बिना दहेज के हुई। सिर्फ एक रुपए और एक जोड़े में निर्मल को दीपक ब्याहकर ले गए।

निर्मल इस समय पुणे में रेलवे में नौकरी कर रही है तो वहीं दीपक भाटी भी मुंबई में रेलवे में अफसर के पद पर तैनात हैं। निर्मल 2019 में भारतीय टीम की कप्तान बनी थी। उनकी कप्तानी में इंडियन टीम ने काठमांडू (नेपाल) में हुई साउथ एशियन गेम्स में गोल्ड मेडल जीता था। इस जीत में खास बात यह रही कि भारतीय कप्तान निर्मल को डेंगू हो गया था। फाइनल में जब टीम हारने लगी तो आखिरी राउंड में निर्मल खुद मैदान में आ गई। इसके बाद ही ऑफिसर दीपक भाटी ने उनके मैच के वीडियो यूट्यूब पर देखे थे। तभी से दीपक ने निर्मल से शादी करने का मन बना लिया था। तभी से ही निर्मल के घर रिश्ता भेजना शुरू कर दिया था। पिछले तीन साल से निर्मल से शादी के लिए रिश्ता भेज रहे थे। 2022 में निर्मल के घरवालों ने रिश्ता लिया और शादी की तारीख तय की।

राष्ट्रीय किसान यूनियन प्रधान मेनपाल चौहान, हरियाणा कर्मचारी चयन आयोग के चेयरमैन भोपाल सिंह, सांसद संजय भाटिया, विधायक बलबीर सिंह, पूर्व मंत्री बच्चन सिंह, ओम प्रकाश, अर्जुन अवार्डी दलोल सिंह, अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी सूबे सिंह गुर्जर, भीम सिंह चोपड़ा, पूर्व सुमेधा कटारिया, एशियन बॉक्सर अंकित, पूर्व विधायक भरत सिंह, साध्वी देवा ठाकुर, बीजेपी नेता धारा सिंह रावल, कांग्रेस नेता अमर सिंह, वॉलीबॉल कोच वैशाली, पूर्व सिंह ने शादी समरोह में शिरकत कर दोनों को शुभाकामनाएं दी।

पिता का सपना पूरा करने के लिए निर्मल ने खेलना शुरू किया था। निर्मल के पिता चाहते थे कि उनके बच्चे खेल में अच्छा प्रदर्शन करें। पांच सितंबर 1996 को पानीपत के आसन कलां गांव में जन्मी निर्मल तंवर ने नौ वर्ष की आयु में ही वॉलीबॉल खेलना शुरू कर दिया था। उनके पिता मदनलाल का 17 मई 2021 को हार्ट अटैक से निधन हो गया था।

जीत के बगैर खत्म हुआ चिली का विश्व कप सफर, फ्रांस को 13वां स्थान

राउरकेला, 28 जनवरी। हॉकी विश्वकप 2023 में शनिवार को क्लासिफिकेशन मुकाबले में फ्रांस से मिली हार के साथ टूर्नामेंट में पहली बार हिस्सा ले रहे चिली का सफर एक अदद जीत की हसरत पूरा किये बगैर खत्म हो गया। बिरसा मुंडा अंतरराष्ट्रीय हॉकी स्टेडियम पर फ्रांस ने मौजूदा विश्वकप में चिली को 4-2 से हरा कर दूसरी बार जीत का स्वाद चखा और टूर्नामेंट में 13वां स्थान हासिल किया। कर्टी एलियट ने मैच के पहले क्वार्टर में चिली की रक्षा पंक्ति को झकाते हुये शानदार फील्ड गोल किया जबकि मैच के 17वें मिनट में शार्लेट विक्टर ने सिलसिलेवार दो पेनाल्टी कार्नरों को गोल में तब्दील करते हुए फ्रांस को 3-0 से आगे कर दिया। फ्रांस के एक के बाद एक हमलों से विचलित हुए बिना चिली ने जवाबी प्रहार किया और 20वें मिनट में पहला पेनल्टी कार्नर अर्जित किया। बेसेरा फ्रेंको ने फ्रांसिसी गोलकीपर को चकमा देते हुए अपनी टीम के लिये पहला गोल दागा। बाद के बीस मिनट दोनों टीमों ने एक दूसरे पर जबरदस्त हमले किये मगर नतीजा सिफर रहा। मैच के 42वें मिनट पर जेवियर गैस्पर्ड ने शानदार मूव बनाते हुए चिली के गोल में एक बार फिर गेंद डाल दी और स्कोरबोर्ड पर फ्रांस के पक्ष में 4-1 अंकित करा दिया। चिली के पिजारो एंड्रेस ने हालांकि एक फील्ड गोल दाग कर जीत हार के अंतर को कम किया मगर टीम हार के संकट से ऊबर नहीं सकी।

प्रधानमंत्री मोदी शनिवार को भगवान देवनारायण की जयंती के अवसर पर उनके धाम मालासेरी डूंगरी (भीलवाड़ा) पहुँचे। इस मौके पर प्र.मंत्री ने मालासेरी के मंदिर में हुई यज्ञशाला में आहूति अर्पित की। मंदिर के पुजारियों ने सबसे पहले पगड़ी पहनाकर प्र.मंत्री मोदी का स्वागत किया। पुजारियों ने प्र.मंत्री को जयपुर में बनी भगवान देवनारायण की चांदी की मूर्ति भेंट की। पूर्जा-अर्चना के बाद प्र.मंत्री मोदी ने वहां मौजूद विशाल जन समूह को भी संबोधित किया।

'मैं पूरे विरक्त भाव से आपकी ही तरह एक यात्री के रूप में आशीर्वाद लेने आया हूँ'

प्रधानमंत्री मोदी ने देव दर्शन कर गुर्जर समाज से जुड़ा होने का संदेश दिया

भीलवाड़ा/आसींद, 28 जनवरी (निसं)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी शनिवार को भीलवाड़ा जिले की आसींद विधानसभा क्षेत्र के मालासेरी डूंगरी की यात्रा पर आए। भाजपा की लाख कोशिशों के बावजूद मोदी की यह यात्रा धार्मिक कम और सियासी रंग में ज्यादा नज़र आई। प्रधानमंत्री के द्वारा कार्यक्रम में कोई घोषणा नहीं करने से जरूर लोगों में मायूसी का भाव दिखा पर उन्होंने गुर्जर समाज को अपने भाषण से गदगद जरूर कर दिया। वही कांग्रेस के राष्ट्रीय सचिव धीरज गुर्जर ने मोदी की सभा को चुनावी सभा करार दिया है।

प्रधानमंत्री मोदी ने मालासेरी डूंगरी में देवनारायण भगवान के दर्शन करने के साथ यज्ञ में भी भाग लिया और आहुति दी। मालासेरी डूंगरी में सभा स्थल पर मन्दिर के मुख्य पुजारी हेमराज पोसवाल ने साफा बांध कर प्रधानमंत्री का स्वागत किया। सवाई भोज के महंत सुरेशदास ने शॉल ओढ़ा कर मोदी का सम्मान किया। पुजारी पोसवाल ने प्रधानमंत्री को जयपुर में निर्मित कमल पर सवार भगवान देवनारायण की चांदी की मूर्ति भेंट की। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि देवनारायण भगवान का बुलावा आया तो मैं भी यहां आ गया। यहां अभी तक कोई प्रधानमंत्री नहीं आया है। मैं पूरे विरक्त भाव से आप की ही तरह एक यात्री के रूप में आशीर्वाद लेने आया हूं। मैं यहां विश्व कल्याण, देश व आम जन की खुशहाली की कामना लेकर आया हूं। अनवरत राष्ट्रसेवा व गरीबों के कल्याण के लिए काम करते रहने का आशीर्वाद लिया है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि गुर्जर समाज शौर्य, पराक्रम व देशभक्ति का पर्याय रहा है। इक्कीसवीं सदी का कालखंड भारत के लिए अहम है। ऐसे में समाज को एकजुटता दिखाकर देश के विकास के लिए बढ़ना है।

मोदी ने भगवान देवनारायण को ऊर्जा का पुंज बताते हुए कहा कि उन्होंने लोगों के जीवन व संस्कृति की रक्षा की। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि भारत को तोड़ने की कोशिश कई बार की गई लेकिन भारत अटल, अजर, अमर है। उन्होंने कहा कि समाज व देश के कोटि कोटि की शक्ति की वजह से ही हमारी ताकत

- **उन्होंने राजस्थान में शौर्य और बलिदान को प्रणाम किया और कहा, तेजाजी, पाबूजी, गोगाजी, जननायकों ने हमेशा देश को रास्ता दिखाया है'**
- **प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, हमें अपनी विरासत पर गर्व करना चाहिए, गुलामी की मानसिकता को भुलाकर विकास और बदलाव के पथ पर आगे बढ़ना चाहिए।**
- **कांग्रेस नेता धीरज गुर्जर ने प्रधानमंत्री की सभा को चुनाव सभा बताया।**

मजबूत हुई है। उन्होंने भगवान देवनारायण की स्तुति की और समाज में व्याप्त कुरीतियों के खिलाफ व एकजुटता पर उनके योगदान को नमन किया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि हमें अपनी विरासत पर गर्व करना चाहिए, गुलामी की मानसिकता को भुलाते हुए विकास व बदलाव के पथ पर बढ़ते रहना चाहिए। उन्होंने राजस्थान के शौर्य व बलिदान को प्रणाम किया और कहा कि तेजाजी, पाबूजी, गोगाजी, जननायकों ने हमेशा देश को रास्ता दिखाया है। इसमें भी गुर्जर समाज का अपना अहम योगदान है। समाज ने शौर्य के प्रहरी की भूमिका निभाई। उन्होंने रामबाई व पन्नाधाय को भी याद किया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि 21 वीं सदी का यह कालखंड विकास के लिए अहम है। भारत ने जिस प्रकार से अपना दमखम दिखाया है, उसने इस धरती का भी गौरव बढ़ाया है। उन्होंने कहा, भगवान देवनाराण के आशीर्वाद से हम अपना परचम समूचे विश्व में लहराएंगे।

इससे पूर्व हैलीपेड पर पीएम मोदी का केंद्रीय मंत्री अर्जुनराम मेघवाल, भाजपा प्रभारी चंद्रशेखर, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष सतीश पूनिया, सांसद सुभाष बहेड़िया, कर्नाटक राज्यपाल के ओएसडी शंकरलाल गुर्जर ने अगवानी की। विधायक कैलाश मेघवाल, विट्ठल अवस्थी, गोपीचंद मीणा, जब्बरसिंह सांखला, पूर्व मंत्री कालूलाल गुर्जर, सभापति राकेश पाठक, भाजपा जिला अध्यक्ष लादूलाल तेली, रोशन मेघवंशी ने स्वागत किया। देश के विभिन्न भागों से गुर्जर समाज सहित अन्य समाजों से लोग इस जनसभा का हिस्सा बने।

कांग्रेस के राष्ट्रीय सचिव, और बीज निगम चेयरमैन (राज्यमंत्री) धीरज गुर्जर ने प्रधानमंत्री की सभा को लेकर ट्वीट करते हुए कटाक्ष किया और सभा को चुनावी सभा करार देते हुए कहा कि यह सभा गुर्जर समाज की उम्मीदों पर खरी नहीं उतर पाई है। गुर्जर समाज को आरक्षण की मांग पर 9 वीं अनुसूची पर मोहर लगने, गुर्जर रेजिमेंट की घोषणा होने की उम्मीद थी लेकिन गुर्जर समाज के हाथ खाली रहे हैं। प्रधानमंत्री की यह सभा पूर्ण रूप से चुनावी सभा नजर आ रही थी।

पाकिस्तान के मददगार दो मित्र देशों ने कश्मीर को भूल जाने की नसीहत दी

सऊदी अरब और यू.ए.ई ने कहा है कि, हम कश्मीर पर पाकिस्तान का सार्वजनिक रूप से साथ नहीं दे सकते

नई दिल्ली, 28 जनवरी। तंगहाली से परेशान पाकिस्तान को उसके दो दोस्त मुस्लिम देशों ने भी दो टूक कह दिया है कि अब कश्मीर का राग अलापना बंद कर दे। हम कश्मीर पर आपका सार्वजनिक रूप से साथ नहीं दे सकते हैं। बेहतर यही है कि कश्मीर को भूल जाओ और भारत के साथ दोस्ती करो। पाकिस्तान को यह नसीहत उन दो मुस्लिम देशों ने दी है, जो कंगाल पाकिस्तान को बड़ी इमदाद देते रहे हैं।

उच्चैन क्षेत्र में ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

उसमें आग लगी हुई थी। विमान के गिरने के समय तेज धमाका हुआ और विमान का अगला हिस्सा जमीन में काफी गहराई तक अंदर घुस गया। विमान के पिछले हिस्से के टुकड़े काफी दूर तक बिखर गए। इसके बाद ग्रामीणों ने मिट्टी डालकर आग बुझाने का प्रयास किया।

बताया जा रहा है कि ग्वालियर एयरबेस से दो लडाकू एयरक्राफ्ट सुखोई 30 और मिराज 2000 रूटीन उडान पर थे। इसी दौरान मुरैना एमपी में दोनों विमान क्रेश हो गए। इसमें मिराज 2000 आग लगने के बाद एमपी में मुरैना के पास ही जंगल में गिर गया। दूसरा विमान सुखोई 30 करीब 100 किलोमीटर दूर भरतपुर जिले के उच्चैन क्षेत्र के गांव चक नगला बीजा में गिर गया। विमान में आग लगने के बाद दमकल की सहायता से आग बुझाने का प्रयास किया। सेना के जवानों ने घटनास्थल को अपने कब्जे में लेते हुए जेसीबी की सहायता से मलबे में पायलट की तलाश की। पर मलबे किसी के अवशेष नहीं मिले। तो अधिकारियों ने राहत की सांस ली। सेना के जवानों ने विमान के पायलट व ब्लैक बॉक्स की तलाश के लिए समीपवर्ती क्षेत्र में सर्च अभियान शुरु किया। देर शाम तक पुलिस, प्रशासन व सेना के अधिकारी मौके पर ही जांच पडताल करते नजर आए। विभागीय सूत्रों की मानें तो ग्वालियर एयरबेस से सुखोई 30 व मिराज फाइटर जेट विमान ने उडान भरी। लेकिन उडान भरने के कुछ देर बाद ही मुरैना के समीप दोनों विमान आपस में टकरा गए, जिससे उनमें आग लग गई। आग लगने से हुए हादसे में मिराज विमान के पायलट की मौत हो गई। जबकि, सुखोई 30 में सवार दोनों पायलट विमान से नीचे कूद गए। जिसकी वजह से विमान ऑटो पायलट मोड़ पर हो गया। ऑटो पायलट मोड सुखोई 30 विमान भरतपुर जिले में उच्चैन थाना क्षेत्र के गांव नगला चक के समीप आकर जमीन पर गिरा।

सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात ने पाकिस्तान से यह भी कहा है कि कश्मीर से अनुच्छेद 370 को हटाए जाने को लेकर पाकिस्तान जो हो हल्ला कर रहा है, उस पर शहबाज सरकार को चुप्पी साधना चाहिए। दरअसल, यूएई तो पाकिस्तान की आपत्तियों को दरकिनार करते हुए कश्मीर में बड़े पैमाने पर निवेश करने जा रहा है। पाकिस्तानी अखबार एक्सप्रेस ट्रिब्यून के जर्नलिस्ट की रिपोर्ट के मुताबिक पाकिस्तान अब तक कश्मीर को लेकर इस्लामिक देशों के संगठन ओआईसी में अक्सर हो हल्ला मचाता रहा है। इसी ओआईसी का सबसे ताकतवर देश है सऊदी अरब। सऊदी अरब ने भी पाकिस्तान को साफ साफ कह दिया है कि वह कश्मीर के मामले पर पाकिस्तान का साथ नहीं देगा।

दरअसल, पाकिस्तान यूएन से लेकर हर मंच पर कश्मीर का मामला उठाता रहता है। मुस्लिम देशों के संगठन में भी उसने अपनी वही पुरानी मांग हमेशा रखी है।

इस पर अब सऊदी अरब ने साफ कह दिया है कि ओआईसी कश्मीर को लेकर पाकिस्तान का साथ नहीं देगा। सऊदी अरब और यूएई की इस नसीहत के बाद पाकिस्तान के सामने अब यह स्थिति है कि वह या तो अर्थव्यवस्था को बचाए या फिर कश्मीर का राग अलापता रहे। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार सऊदी अरब और यूएई दोनों ही भारत के साथ आर्थिक रिश्ते बहुत मजबूत हो गए हैं। भारत चाहता है कि ये दोनों ही देश कश्मीर में बड़े पैमाने पर निवेश करें और पैसा कमाएं। सऊदी और यूएई दोनों ही अपनी अर्थव्यवस्था को तेल की बजाय अन्य क्षेत्रों से कमाई करके मजबूत करना चाहते हैं। ऐसे में उन्हें भारत में अपने अच्छे भविष्य की पूरी संभावनाएं नजर आती हैं। सऊदी और यूएई के कई कारोबारी कश्मीर को लेकर हुई बैठक में शामिल हुए थे। इससे पाकिस्तान को बड़ा झटका लगा था, जो कश्मीर को विवादित इलाका बताता रहा है। यूएई और सऊदी अरब ने हाल के समय में स्पष्ट कर दिया है कि हम भारत के साथ रिश्ते को अहमियत देते हैं। उन्होंने यह भी प्रस्ताव दिया कि हम भारत के साथ आपके विवाद को खत्म करा सकते हैं।

इसी वजह से शहबाज शरीफ ने अपने यूएई दौरे पर भारत के साथ रिश्ते सुधारने के लिए गुहार लगाई थी और यूएई से मदद के लिए मिन्नतें की थीं।

मुगल गार्डन का नाम बदलकर अमृत उद्यान किया गया

राष्ट्रपति भवन में सुसज्जित गार्डन को अग्रेज शासकों ने मुगल गार्डन नाम दिया था

नई दिल्ली, 28 जनवरी। राष्ट्रपति भवन में स्थित मुगल गार्डन का नाम बदल दिया गया है। मीडिया में आई जानकारी के अनुसार, अब मुग़ल गार्डन को अमृत उद्यान के नाम से जाना जायगा। सरकार ने अमृत महोत्सव के तहत गार्डन का नाम बदला है। बता दें कि इस गार्डन में तरह-तरह के फूल होते हैं। वहीं इस बारे में सूचना देते हुए राष्ट्रपति के उप प्रेस सचिव नविका गुप्ता ने कहा, "स्वतंत्रता के 75 वर्ष पूरे होने के अवसर पर आजादी का अमृत महोत्सव के तहत भारत के राष्ट्रपति ने राष्ट्रपति भवन के बगीचों को अमृत उद्यान के रूप में एक सामान्य नाम दिया है।"

5 एकड़ के विशाल विस्तार में फैले, राष्ट्रपति भवन में स्थित मुगल गार्डन के लिए जम्मू और कश्मीर के मुगल गार्डन, ताजमहल के आसपास के बगीचों और यहां तक कि भारत और फारस के लघु चित्रों से प्रेरणा ली गई है। जैसे राष्ट्रपति भवन की इमारत में वास्तुकला की दो अलग-अलग शैलियां हैं- भारतीय और पश्चिमी, उसी तरह, मुगल गार्डन में दो अलग-अलग बागवानी परंपराएं हैं, जिसमें मुगल शैली और अंग्रेजी फूलों का बगीचा शामिल है। मुगल नहरों, छतों और फूलों की

- **आजादी के 75वें वर्ष पर मनाये जा रहे अमृत महोत्सव के मौके पर केन्द्र सरकार ने मुगल गार्डन जो अंग्रेजी हुकूमत की निशानी मानी जाती है, का नाम बदलने का फैसला किया है।**

झाड़ियों को यूरोपीय फूलों, लॉन और निजी हेजेज के साथ खूबसूरती से मिश्रित किया गया है। हर्बल गार्डन आदि के अलावा विभिन्न प्रकार के गुलाब, टुलिप और हर्बल गार्डन मुगल गार्डन के प्रमुख आकर्षण हैं।

राहुल गांधी...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

पहुँचने वाली सभी सड़कें सुरक्षा-बलों ने सील कर दी थीं। केवल अधिकृत वाहन तथा पत्रकार को ही उस स्थान तक पहुँचने दिया जा रहा था।

बहुत उच्च स्तर के सुरक्षा-उपायों के हिस्से के रूप में, गांधी के चारों तरफ त्रि-स्तरीय सुरक्षा घेरे की भी व्यवस्था की गई थी। दक्षिण कश्मीर जिले के चुरसू क्षेत्र में यात्रा के उत्साही समर्थकों ने यात्रा का भव्य स्वागत किया।

गांधी के स्वागत के लिये तिरंगा झंडा एवं पार्टी का झंडा लिये कांग्रेस कार्यकर्ता एवं समर्थकों की बहुत बड़ी संख्या में वहाँ एकत्रित थे।

निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार, यात्रा आज शाम को श्रीनगर के बाहर स्थित पंथा चौक पहुँच जायेगी। वहाँ पहुँचने से पहले, यात्रा पम्पोर के गलन्दर क्षेत्र में स्थित बिड़ला स्कूल के पास ही रुकेगी। यह यात्रा का एकमात्र स्टॉप होगा।

यहाँ रात गुजारने के बाद, यात्रा रविवार की सुबह पंथा चौक से रवाना हो जायेगी तथा शहर की वोलेवर्ड रोड पर स्थित नेहरू पार्क के पास अपनी चरम स्थिति पर पहुँचेगी।

सोमवार को गांधी श्रीनगर की एम.ए. रोड पर स्थित पार्टी मुख्यालय पर तिरंगा झंडा फहरायेंगे। इसके बाद, वे शहर के एस.के. स्टेडियम में एक जनसभा को संबोधित करेंगे जिसके लिये 23 विपक्षी राजनैतिक दल आमंत्रित किये गये हैं।

इस बीच, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने गृह मंत्री अमित शाह को पत्र लिखकर, उनसे जम्मू-कश्मीर में भारत जोड़ो यात्रा की पर्याप्त सुरक्षा सुनिश्चित करने के मामले में हस्तक्षेप करने की माँग की है।

उन्हें शाह को यह पत्र उस घटना के बाद लिखा है, जब "सुरक्षा-खामी" के बाद, शुक्रवार को अपरान्ह सत्र के लिये निलंबित कर दी गई थी।

गृह मंत्री को लिखे पत्र में, कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा हे, "अगर आप इस मामले में व्यक्तिगत रूप से हस्तक्षेप करते हुये, संबंधित अधिकारियों को, यात्रा के अपने चरम पर पहुँचने तथा 30 जनवरी को श्रीनगर में होने वाले कार्यक्रम तक के लिये, पर्याप्त सुरक्षा व्यवस्था करने की सलाह दे सकें तो मैं आपका आभारी रहूँगा।"

उन्होंने आगे लिखा है, "हम अगले दो दिन यात्रा में शामिल होने तथा सोमवार को होने वाले समारोह में शामिल होने के लिए भारी भीड़ इकट्ठी होने की आशा कर रहे हैं। इस समारोह में, कांग्रेस के वरिष्ठ नेता तथा अन्य महत्वपूर्ण राजनैतिक दलों के नेता भी बड़ी संख्या में शामिल होंगे।"

इकोनॉमिक नीतियों ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

और उनमें से तीन लोगों की अन्यायपूर्वक हत्या की गई। अक्टूबर 2022 में ईश निंदा को लेकर दो जने मारे गए। इसे पहले के वर्ष में पाकिस्तान के कोर्ट ने वाट्सऐप पर ऐसी इमेजेज शेयर करने पर एक औरत को मौत की सजा सुनाई थी, जिन्हें पैगम्बर मोहम्मद का अपमान माना गया। पाकिस्तान का दावा: "एक गुंजायमान लोकतंत्र के रूप में, पाकिस्तान मौलिक स्वतंत्रताओं को बनाये रखना जारी रखेगा, जिनमें लोगों की जरूरतें पूरा करना तथा उनकी अभिव्यक्ति, समा करने तथा एसोसिएशन बनान के आज़ादी के अधिकारों को जारी रखने के लिये अनुकूल वातावरण उपलब्ध करना शामिल है।" वास्तविकता: पाकिस्तान को "फ्रीडम हाउस" ने "आंशिक रूप से स्वतंत्र" रैंक देते हुये बहुत कम 37/100 अंक दिये हैं। इसका अर्थ है कि पाकिस्तान "स्वतंत्र लोकतंत्र" नहीं है। इस रैंकिंग के पीछे कई कारण हैं, जिनमें सेना का प्रभाव, इस्लामिक उग्रवादियों के हमले तथा नागरिक स्वतंत्रताओं पर प्रतिबंध आदि शामिल हैं। पाकिस्तानी पत्रकार ताहा सिद्दीकी के अनुसार, देश का कथित लोकतंत्र "एक दिखावा" है तथा असल में पाकिस्तान एक संकर देश है, जहाँ सेना, पर्दे के पीछे रहकर, सरकार पर अपना नियंत्रण रखती है। दिसम्बर 2021 में यू.एन. के अनेक विशेषज्ञों ने इस बात की निंदा की थी कि सैन्य अदालत ने मानवाधिकार ऐक्टिविस्ट इदरीस खट्टक को सजा दी थी। इन विशेषज्ञों ने दृढ़तापूर्वक कहा था कि खट्टक की गिरफ्तारी तथा सजा "मानवाधिकारों के संरक्षकों तथा मुखर सिविल सोसायटी नेताओं को खामोश करने की चेतावनी देने वाली तरीकों का एक हिस्सा" थी। पाकिस्तान का दावा: "पाकिस्तान स्वतंत्र मीडिया की भूमिका का सम्मान करता है।"

असलियत: रिपोर्टर्स विदाउट बॉर्डर्स (आर.एस.एफ.) मीडिया की आज़ादी के लिये 180 देशों 157 वाँ स्थान देती है तथा इस मामले में वह 15 प्रतिशत के साथ बिल्कुल नीचे है।

"फ्रीडम हाउस" के अनुसार, पाकिस्तान में मीडिया सिविलियन अथॉरिटीज तथा सेना- दोनों के ही निशाने पर रहता है। पत्रकारों पर सेना के एजेन्टों ने जघन्य हमले किये हैं और भी प्लान्ड गवर्नमैंट रेग्यूलेटर- पाकिस्तान मीडिया डवलपमैंट अथॉरिटी के पास नियमों को तोड़ने पर पत्रकारों को दंड देने का अधिकार है। आर.एस.एफ. का मानना है कि पाकिस्तान पत्रकारों के लिये विश्व के सबसे घातक देशों में से एक है। मीडिया की रिपोर्ट के अनुसार, 2022 में पाकिस्तान में कम से कम दो पत्रकार मार डाले गये। एक पत्रकार, "पाकिस्तान डेली" के संपादक हम्ज़ा अजहर सलाम को 2023 में धमकी मिल ही चुकी है।

प्रधानमंत्री की डॉक्यूमैन्टरी पब्लिक करने की टाइमिंग पर सवाल उठाये केरल के राज्यपाल ने

राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान ने कहा कि, भारत इस वक्त जी-20 का अध्यक्ष बना है और डॉक्यूमैन्टरी लाने के लिए इस विशेष वक्त को चुना गया है

नई दिल्ली, 28 जनवरी। प्रधानमंत्री मोदी पर बनी बी बी सी की डॉक्यूमेंट्री 'इंडिया: द मोदी क्वेश्चन' को लेकर चर्चा लगातार जारी है। इस ही बीच केरल के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान ने सवाल किया है कि इस डॉक्यूमैन्टरी के निर्माताओं ने ब्रिटिश अत्याचारों पर डॉक्यूमैन्टरी क्यों नहीं बनाई? उन्होंने कहा कि भारत दुनिया भर में इतना अच्छा कर रहा है इसलिए ये लोग निराश महसूस कर रहे हैं। राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान ने कहा कि उन्हें कुछ लोगों के लिए दुख है क्योंकि वे न्यायपालिका के फैसलों पर नहीं बल्कि एक डॉक्यूमेंट्री पर भरोसा कर रहे हैं।

- **राज्यपाल ने कहा, यह डॉक्यूमैन्टरी बनाने वाले भी वही लोग हैं जिन्होंने कहा था कि, भारत टुकड़ों में बंट जाएगा और अपनी आजादी नहीं संभाल पाएगा।**

केरल के राज्यपाल ने प्रधानमंत्री मोदी पर बनाई गयी डॉक्यूमेंट्री को लेकर सवाल किया कि यह वह समय है जब भारत ने जी-20 की अध्यक्षता संभाली है। इस डॉक्यूमेंट्री को लाने के लिए इस विशेष समय को क्यों चुना गया है? आरिफ मोहम्मद खान ने कहा, 'यह वह समय है जब भारत ने जी-20 की अध्यक्षता संभाल रहा है। इस डॉक्यूमेंट्री को रिलीज करने के लिए खास समय क्यों चुना गया है। यह डॉक्यूमेंट्री बनाने वाले भी वो लोग हैं जिन्होंने कहा था कि भारत टुकड़ों में बंट जाएगा और अपनी आजादी नहीं संभाल पाएगा।

प्रधानमंत्री मोदी पर बनी इस डॉक्यूमेंट्री की स्क्रीनिंग को लेकर जवाहर लाल नेहरू यूनिवर्सिटी के बाद जामिया मिलिया इस्लामिया यूनिवर्सिटी, दिल्ली विश्वविद्यालय और अंबेडकर यूनिवर्सिटी में छात्रों का प्रदर्शन सामने आया था। जामिया के बाद बीबीसी डॉक्यूमेंट्री को लेकर दिल्ली विश्वविद्यालय में कला संकाय के बाहर प्रदर्शन कर रहे जे एन यू के छात्रों और सदस्यों को पुलिस ने हिरासत में लिया था।

जे एन यू में प्रधानमंत्री मोदी पर आधारित बीबीसी डॉक्यूमेंट्री की स्क्रीनिंग के आ न के मद्देनजर वहां सी आर पी सी की धारा 144 लगा दी गई थी। इससे पहले जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय में स्क्रीनिंग से पहले बिजली काटे जाने और पथराव की खबर भी सामने आई थी।

'फोटो वायरल करने ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

जनवरी को इस बात की सूचना छात्रा के भाई ने अपने चाचा को दी। इस पर चाचा समझाने के लिए राजू के घर गया।

शाम करीब 5 बजे चाचा वापस लौटा और घर में बने मालिया का गेट खोलने का प्रयास किया। छात्रा ने दरवाजा नहीं खोला। इस पर दरवाजा तोड़ा तो छात्रा कमरे में पंखे से फंदा लगाकर लटकी मिली।

लड़की के भाई ने पुलिस को बताया कि कुछ समय से राजू पुत्र दयाराम राहड़ व सोनू पुत्र रामकुमार सहू निवासी गांव कुंजी, तहसील भादरा, उसे स्कूल जाते समय पीछा करते, अश्लील हरकतें व टीका-टिप्पणी करके परेशान करते थे।

भादरा थाने में दर्ज प्रकरण के अनुसार छात्रा अपने भाई के साथ मोटरसाइकिल पर स्कूल जाती थी।

पुलिस ने धारा 354 डी, 306, 34 भारतीय दंड संहिता व 11/12 पोक्सो एक्ट में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

थरूर एक बार...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

ने इस डॉक्यूमैन्टरी पर रोक लगा दी। कांग्रेस ने इस मुद्दे को उठाने का निर्णय इसलिये लिया ताकि भाजपा सरकार द्वारा लगाई गई सेंसरशिप जग जाहिर हो सके। हर व्यक्ति को अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता होनी चाहिये तथा लोगों के विचारों को स्वीकार किया जाना चाहिए।"

'सेना अपने किसी भी ऑपरेशन को अंजाम देते वक्त सबूत के बारे में नहीं सोचती'

नई दिल्ली, 28 जनवरी। सर्जिकल स्ट्राइक पर सवाल खड़े करने पर सेना की ओर से दो टूक कहा गया है कि किसी भी ऑपरेशन को अंजाम देते समय सेना सबूत के बारे में नहीं सोचती। पाकिस्तान में 2016 में किए गए सर्जिकल स्ट्राइक के सबूत की कुछ विपक्षी नेताओं की मांग के बीच थलसेना का यह बयान आया है। थलसेना की पूर्वी कमान के जीओसी-इन-सी लेफ्टिनेंट जनरल आर पी कालिता ने शुक्रवार को कहा कि किसी भी अभियान को अंजाम देते समय सेना कभी भी कोई सबूत रखने के बारे में नहीं सोचती।

कुछ विपक्षी नेताओं की हाल की मांगों पर कोलकाता में पत्रकारों के एक राजनीतिक सवाल का जवाब देने से इनकार करते हुए उन्होंने कहा कि देश भारतीय सेना पर भरोसा करता है। प्रेस क्लब, कोलकाता में "प्रेस से मिलिए" कार्यक्रम में उन्होंने कहा, "यह एक राजनीतिक सवाल है। इसलिए मैं इस पर टिप्पणी करना पसंद नहीं करता। मुझे लगता है कि देश भारतीय सशस्त्र बलों पर भरोसा करता है।" यह पूछे जाने पर कि क्या अभियान के दौरान सेना कोई सबूत रखती है, उन्होंने 'न' में जवाब दिया। उन्होंने कहा, "जब हम कोई अभियान करने जाते हैं, तो हम उस अभियान का कोई सबूत नहीं रखते।" कांग्रेस के वरिष्ठ नेता दिग्विजय सिंह ने हाल में जम्मू में राहुल गांधी के नेतृत्व वाली 'भारत जोड़ो यात्रा' के दौरान सीमा पार सैन्य अभियान पर संदेह व्यक्त किया था। उन्होंने कहा था, "वे (केंद्र) सर्जिकल स्ट्राइक और कई लोगों को मारने की बात करते हैं, लेकिन इसका कोई सबूत नहीं है। वे झूठ का पुलिंदा दिखाकर शासन कर रहे हैं।" हालांकि, कांग्रेस ने इस टिप्पणी से खुद को अलग कर लिया और कहा कि यह उसके रुख को प्रतिबिंबित नहीं करती तथा पार्टी देश के हित में सभी सैन्य कार्रवाइयों का समर्थन करती है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने सिंह की टिप्पणियों को "हास्यास्पद" करार दिया था और कहा था कि सशस्त्र बल अपना काम "असाधारण तरीके से" कर रहे हैं।

नर्सिंग होम में आग लगी

रांची, 28 जनवरी। झारखण्ड में एक अस्पताल आग का गोला बन गया। धनबाद में देर रात निजी अस्पताल में आग से डॉक्टर दंपति समेत कुल 6 लोगों की मौत हो गई। डॉक्टर अपने परिवार के साथ हॉस्पिटल के फर्स्ट फ्लोर पर रहते थे। बताया जा रहा है कि सबसे पहले स्टोर रूम में आग लगी इसके बाद आग फैलती ही चली गई। हादसे के वक्त सभी लोग गहरी नींद में सो रहे थे। शॉर्ट सर्किट से आग लगने की आशंका जताई जा रही है। फिलहाल दमकल विभाग ने आग पर काबू पा लिया है। झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने धनबाद के आरसी हाजरा मेमोरियल अस्पताल के आवासीय परिसर में आग लगने से हुई मौतों पर शोक व्यक्त किया है।

छात्रा ने हॉस्टल में फांसी लगाई

मालपुरा, 28 जनवरी (निसं)। केन्द्रीय विश्व विद्यालय बांदरसिंदरी अजमेर में अध्ययनरत माईक्रो बायॉलजी प्रथम वर्ष की छात्रा व बैडमिंटन प्लेयर सलोनी पुत्री रामकिशोर साहु ने विश्व विद्यालय के ब्लॉक नम्बर 4 गर्ल्स हॉस्टल में पंखे से फांसी के फंदे पर झूल

- **केन्द्रीय विश्वविद्यालय बांदरसिंदरी में पढ़ रही सलोनी बैडमिंटन प्लेयर भी थी। छात्रा के पास अंग्रेजी में लिखा सुसाइड नोट भी मिला है।**

आत्महत्या कर ली। छात्रा लाम्बा हरिसिंह गांव की रहने वाली थी। जानकारी के अनुसार छात्रा के पास अंग्रेजी में लिखा हुआ सुसाईड नोट भी मिला है जिसकी जांच बांदरसिंदरी थाना पुलिस कर रही है। परिजनों ने बताया कि शुक्रवार की रात दस बजे टेलीफोन पर उन्हें घटना की जानकारी मिली। परिजनों के हॉस्टल पहुंचने पर वॉर्डन व साथी छात्राओं ने बताया कि शुक्रवार की रात तकरीबन 9 बजे साथी छात्राएं खाना खाने व अन्य काम से कमरे से निकली थी। लेकिन सलोनी कमरे में ही रह गई और फिर सलोनी ने चुन्नी से फंदा बनाकर पंखे पर लटक कर फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। साथी छात्राओं ने वापस लौट कमरे का दरवाजा बंद देखा तो आवाज़ लगाई और कोई जवाब नहीं मिलने पर उन्हें अनहोनी का अंदेशा हुआ तो पास की बालकॉनी से कमरे में देखा तो सलोनी फांसी के फंदे से झूली हुई नज़र आई। पुलिस ने शव को फंदे से उतार राजकीय यज्ञनारायण अस्पताल पहुंचाया।

कैप्टन अमरिन्दर ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

था। वे अपने गृह चुनाव क्षेत्र पटियाला की जिम्मेदारी अपनी पुत्री जय इन्दर कौर को पहले ही सौंप चुके हैं।

उनके खेमे के लोगों का कहना है कि हो सकता है कि वे महाराष्ट्र के राज्यपाल का पद स्वीकार न करें क्योंकि उनकी प्रबल इच्छा पंजाब की राजनीति में बने रहने की है।

भाजपा सूत्रों ने कहा कि पार्टी की इस बात में कोई रुचि नहीं है कि अमरिन्दर पंजाब में पार्टी का नेतृत्व प्राप्त करना चाहते हैं क्योंकि विधानसभा चुनावों में उनका प्रदर्शन बहुत खराब रहा था तथा 2022 के चुनावों में वे पहली बार अपने गृह क्षेत्र में हार गये थे।

चूँकि पंजाब में, इस बुर्जुग नेता का उल्लेखनीय जनाधार है, इसलिये भाजपा की राष्ट्रीय कार्यकारिणी ने दो दिन पूर्व उन्हें कोई उपयुक्त पद देने पर विचार किया था।

राष्ट्रदूत (एचयूएफ) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू (राज.) से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. RAJHIN/2009/28296 जयपुर कार्यालय: सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, फैक्स : 0141-2373513, कोटा कार्यालय : पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033, बीकानेर कार्यालय : कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371, उदयपुर कार्यालय: आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, अजमेर कार्यालय: राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665, जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन226422,226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600